रिलीज से पहले ही अल्लू अर्जुन की राका ने रचा इतिहास, एटली की फिल्म के नाम दर्ज हुआ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

रॉयल बुलेटिन

तापमान - अधिकतम - 33
न्यूनतम - 30

प्रात : कालीन हिन्दी दैनिक

Royal Bulletin को ऑनलाइन पढ़ने के लिए QR Code SCAN करें

● वर्ष 42, ● अंक 263 RNI NO.43285/85 ● संस्करण- नगर ● मुजफ्फरनगर मंगलवार 22 सितम्बर 2026 ● भाद्रपद शुक्ल 10 विक्रमी संवत ● पृष्ठ 12 ● मूल्य 4 रूपया

संक्षिप्त समाचार

37 लाख अपीलों पर फैसला होने में बीत जाएंगे 12 साल

बंगाल में वोटर लिस्ट अपील पर मंडराया संकट, उठे गंभीर सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए लाखों लोगों के लिए मतदान के अधिकार को वापस पाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित अपीलीय ट्रिब्यूनल में मामलों के निपटारे की

मौजूदा रफ्तार को देखें तो सभी लंबित आवेदनों का फैसला होने में 12 साल से भी अधिक (लगभग 146 महीने) का समय लग सकता है।

पांच महीनों में 1.25 मामलों का हुआ निपटारा- सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग द्वारा दाखिल एक हलफनामे के अनुसार, अप्रैल के मध्य से लेकर अब तक पिछले पांच महीनों में ट्रिब्यूनल ने केवल 1,26,194 मामलों का निपटारा किया है। यानी ट्रिब्यूनल सातों दिन काम करते हुए भी हर महीने औसतन 25,238 मामलों का ही फैसला कर पा रहा है। 16 सितंबर तक ट्रिब्यूनल के पास कुल 37,05,235 मामले लंबित थे। मामलों के विशाल अंबार को देखते हुए चुनाव आयोग फिर सक्रिय है।

राजस्थान के 5 निगमों के तय हो गए मेयर

4 में भाजपा की जीत और एक में कांग्रेस ने लहराया परचम

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान निकाय चुनाव 2026 के अंतर्गत प्रदेश की 5 प्रमुख नगर निगमों में महापौर (मेयर) पदों के लिए हुए कड़े और रोमांचक मुकाबलों के अंतिम परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। राजनीतिक शह-मात और क्रास वोटिंग के बीच भारतीय जनता पार्टी ने 4 नगर निगमों में बाजी मारी है, जबकि कांग्रेस ने 1 नगर निगम में अपना बोर्ड बनाकर परचम लहराया है। अजमेर नगर निगम चुनाव में सबसे बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला। 37 सीटें

जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी कांग्रेस बहुमत के आंकड़े से चूक गई। भाजपा (32 सीटें) ने निर्दलीयों के बूते सेंधमारी करते हुए 43 मत हासिल किए और भाजपा की अनामिका शर्मा ने कांग्रेस की किरण गड़वाल को 6 वोटों से हराकर महापौर की कुर्सी कब्जा ली है। पाली नगर निगम के 65 सदस्यीय बोर्ड में कांग्रेस 29 सीटें जीतकर बहुमत (33 वोट) के बिल्कुल करीब थी। हालांकि, कांग्रेस में आंतरिक बगावत का फायदा उठाते हुए महज 21 सीटों वाली भाजपा प्रत्याशी नमिता बुबकिया ने 33 वोटों का जादुई आंकड़ा जुटाया और पाली की पहली महिला महापौर बनकर इतिहास रच दिया। उदयपुर नगर निगम में भारतीय जनता पार्टी ने शुरुआत से ही अपनी बढ़त बनाए रखी।

प्रदेश में अब रोबोट जांचेगा पानी और सीवर की बड़ी लाइन

एमपी में 36 मौतों के बाद 'रोबोटिक' निरीक्षण की तैयारी

● इंदौर के भागीरथपुरा हादसे के बाद सरकार का बड़ा फैसला

भोपाल (एजेंसी)। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से 36 मौतों के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने पेयजल और सीवर लाइनों के घालमेल की जांच के लिए रोबोटिक निरीक्षण कराने का फैसला लिया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों को 70 से 900 मिमी व्यास वाली पानी और सीवर पाइपलाइनों की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए चेन्नई की एक विशेषज्ञ एजेंसी को एम्पैनल किया गया है। एजेंसी 40 रुपए

प्रति मीटर की दर से पाइपलाइनों की जांच करेगी। नगरीय प्रशासन विभाग ने इसके लिए एजेंसी से एक साल का एग्रीमेंट किया है। दिसंबर 2025 के आखिरी सप्ताह में इंदौर के भगीरथपुरा में दूषित पेयजल से 36 लोगों की मौत हो गई थी। जांच में पीने के पानी में मानव मल से जुड़े बैक्टीरिया मिले। सीवर लाइन लीक होने से उसका पानी पेयजल लाइन में मिल गया था। अकेले भगीरथपुरा में ऐसे 260 पॉइंट्स मिले, जहां सीवर का पानी पेयजल में मिल रहा था। हादसे के बाद सरकार ने जीआईएस (जीआईएस) प्लेटफॉर्म 'गरुड़' से पूरे प्रदेश की मैपिंग कराई।

15 से अधिक राज्यों में इस्तेमाल हो रही है यह तकनीक

मध्य प्रदेश इस तकनीक का इस्तेमाल पहली बार करने जा रहा है। नीति आयोग के फ्रंटियर टेक नेटवर्क की अगस्त 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित 15 से अधिक राज्यों में रोबोटिक पाइपलाइन निरीक्षण का इस्तेमाल हो रहा है। इन राज्यों में चेन्नई की हाई-रिजॉल्यूशन कैमरों और सेंसर की मदद से लीकेज की जांच कर रहे हैं।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को तगड़ा झटका

● नागरिकता से पहले वोटर लिस्ट में नाम पर बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नागरिकता मिलने से तीन साल पहले 1980 में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के मामले में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने प्राथमिकी दर्ज

करने के आदेश से इनकार करने वाले मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया है। सोनिया गांधी पर आरोप है कि उन्होंने भारतीय नागरिकता मिलने से तीन साल पहले, 1980 में जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाया था। इसी मामले में प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की गई थी। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश बिना किसी ठोस कारण के दिया गया था और उसमें उचित वजहें नहीं बताई गई थीं। अदालत ने मामले को वापस एडीशनल चीफ मेट्रोपालिटन मजिस्ट्रेट के पास भेज दिया।

आ गया है स्वदेशी ड्रोन बनेगा दुश्मन का 'काल'

1000 किलोमीटर रेंज और 50 किलोग्राम है पेलोड क्षमता

स्वदेशी लंबी दूरी के ड्रोन का पोखरण में हुआ सफल परीक्षण

पोखरण (एजेंसी)। भारत के पहले स्वदेशी लंबी दूरी के ड्रोन काल का राजस्थान के पोखरण रेंज में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया। यह देश के अत्याधुनिक मानवरहित स्ट्राइक सिस्टम को विकसित करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। रविवार को बताया गया कि नोएडा में मुख्यालय वाली डिफेंस टेक्नोलॉजी कंपनी आईजी डिफेंस द्वारा डिजाइन और विकसित किए गए 1,000 किलोमीटर की रेंज वाले वन-वे अटैक ड्रोन का परीक्षण एक वाहन पर लगे

लॉन्च प्लेटफॉर्म से किया गया। इस ट्रायल में सिस्टम के इंटीग्रेटेड एयरफ्रेम, प्रोपल्शन, एवियोनिक्स, नेविगेशन और मिशन आर्किटेक्चर को परखा और सही पाया गया। कंपनी ने इस सफल टेस्ट को भारत की लंबी दूरी की बिना पायलट वाली स्ट्राइक क्षमता विकसित करने की कोशिशों में एक अहम पड़ाव बताया। काल को लंबी दूरी तक मार करने वाले वन-वे अटैक ड्रोन की उभरती श्रेणी के लिए डिजाइन किया गया है, जिन्हें अक्सर कामिकेज या लोइटरिंग-टाइप स्ट्राइक प्लेटफॉर्म कहा जाता है। इनमें एयरक्राफ्ट का इस्तेमाल टारगेट पर होगा।

● **रूस-यूक्रेन युद्ध ने दिखाया अटैक ड्रोन का रास्ता-** पोखरण में सफल परीक्षण ऐसे समय में हुआ है जब आज की लड़ाइयों में लंबी दूरी तक मार करने वाले और एक बार इस्तेमाल होने वाले (वन-वे) अटैक ड्रोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध ने दिखाया है कि कैसे कम लागत वाले बिना पायलट वाले सिस्टम का इस्तेमाल लंबी दूरी तक हमले करने, एयर-डिफेंस नेटवर्क पर लगातार दबाव बनाए रखने और बड़े पैमाने पर हमले करने के लिए किया जा सकता है। इसी तरह के शहेद क्लास सिस्टम मिडिल-ईस्ट और लाल सागर में समुद्री ठिकानों पर हुए हमलों में भी देखे गए हैं।

उपचुनाव से पहले थलपति विजय का चुनावी दांव

● 2 अक्टूबर से महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा स्कीम लॉन्च

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय दो सीटों के उपचुनाव की वोटिंग से पहले बड़ा दांव खेलेंगे। विजय ने दो अक्टूबर यानी गांधी जयंती के मौके पर बहुप्रतीक्षित महिलाओं और ट्रांसजेंडर के लिए बस में मुफ्त सफर की शुरुआत करेंगे। विजय की अगुवाई वाली टीवीके सरकार ने इस योजना को नया नाम दिया है।

तमिलनाडु में मदुरंतकम और धारापुरम सीटों के उपचुनाव के लिए 6 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। विजय ने 24 अगस्त को तमिलनाडु विधानसभा में इस योजना का ऐलान किया था। **वोटिंग से पहले तीन बड़ी स्कीम-** विजय इससे पहले 22 सितंबर यानी मंगलवार को पेरुन्थालाइवर कामराजार ब्रेकफास्ट स्कीम लांच करेंगे। पहले इसे मुख्यमंत्री नाश्ता योजना या कहा जाता था जिसे विजय सरकार ने बदल दिया है। इस विस्तारित योजना के तहत कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को शामिल किया जा रहा है। इसके बाद विजय 28 सितंबर 2026 को गोल्ड रिंग स्कीम शुरू करेंगे।

बिहार में छात्रा से बैड टच पर चढ़ गया सियासी पारा!

● राहुल गांधी का सरकार से सवाल-दो दिनों तक पुलिस क्या कर रही थी ● राज्य महिला आयोग ने मामले का स्वतः संज्ञान लिया, तीन आरोपी गिरफ्तार

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार के जमुई जिले में 10वीं कक्षा के नाबालिग छात्र और छात्रा के साथ सड़क पर घेरकर की गई बदसलूकी, छेड़खानी और 'बैड टच' के सनसनीखेज मामले ने अब व्यापक सियासी तूल पकड़ लिया है। 19 सितंबर की शाम करीब सात बजे कोचिंग के बाद फोटोशूट कराने गए मासूमों के साथ असामाजिक तत्वों द्वारा की गई इस घिनौनी हरकत का वीडियो वायरल होने के बाद सड़क से लेकर सोशल मीडिया तक भारी जनाक्रोश देखा जा रहा है। अब इस पूरे प्रकरण में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के सीधे हस्तक्षेप के बाद राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है, वहीं राज्य महिला आयोग ने भी मामले का स्वतः संज्ञान लेकर उच्चस्तरीय कार्रवाई के निर्देश जारी किए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को इंटरनेट मीडिया पर

पोस्ट साझा कर बिहार की कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने वायरल वीडियो का हवाला देते हुए लिखा कि रास्ते में रोककर अमानवीय तरीके से प्रताड़ित और अपमानित किया गया।

आईआईटी बॉम्बे के प्रो. सूर्यनारायण डूला सस्पेंड

● छात्र साहिल वाकोडे के सुसाइड केस में बड़ा ऐक्शन ● डूला के ऊपर परिवार ने लगाए हैं उत्पीड़न के आरोप

मुंबई (एजेंसी)। आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे के सुसाइड के मामले में पहली बड़ी कार्रवाई सामने आई है। आईआईटी बॉम्बे ने मामले के तूल पकड़ने और छात्रों के प्रोटेस्ट के बीच आईआईटी बॉम्बे के डीन (प्रशासनिक मामले) प्रो. सूर्यनारायण डूला को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। आईआईटी बॉम्बे के डायरेक्टर शिरीष बी. केदारे ने कहा है कि जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। आईआईटी ने यह कार्रवाई 22 वर्षीय छात्र साहिल रवींद्र वाकोडे की हॉस्टल में सुसाइड और परिवार द्वारा जातिसूचक टिप्पणियां करने के आरोप के बाद की है। साहिल 18 सितंबर 2026 की शाम को संस्थान के हॉस्टल नंबर-4 में मृत पाया गया था।

आईआईटी डायरेक्टर का इस्तीफा नहीं- आईआईटी बॉम्बे ने साफ किया है कि छात्र साहिल वाकोडे के आत्महत्या करने के मामले में संस्थान के निदेशक ने इस्तीफा नहीं दिया है। दरअसल, कैंपस के मेन गेट पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिलने के लिए जब आईआईटी बॉम्बे को निदेशक शिरीष केदारे पहुंचे थे तो उन्होंने एक कागज पर दस्तखत किए थे। इसके बाद दावा किया गया था कि 21 सितंबर को इस्तीफा दे देंगे। आईआईटी बॉम्बे ने इस्तीफे के दावों का खंडन कर दिया है। आईआईटी बॉम्बे के दिवंगत छात्र साहिल वाकोडे के पिता रवींद्र वाकोडे की शिकायत पर मुंबई पुलिस के पवई थाने में एक एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें प्रो. सूर्यनारायण डूला पर जातिवादी टिप्पणियां करने का आरोप है।

छात्रों ने किया था बड़ा प्रोटेस्ट

साहिल के हॉस्टल में सुसाइड करने के बाद कैंपन में बड़ा प्रोटेस्ट सामने आया था। इसके बाद निदेशक खुद छात्रों से मिलने पहुंचे थे। इसमें प्रो. सूर्यनारायण डूला को सस्पेंड करने की मांग भी शामिल थी। आईआईटी बॉम्बे को मिड सेमेस्टर परीक्षाएं भी रद्द करनी पड़ी थीं। साहिल वाकोडे से पहले दर्शन सोलंकी नाम के छात्र ने आईआईटी बॉम्बे में सुसाइड कर लिया था। दोनों मामलों में जातिगत टिप्पणियों और भेदभाव को कारण बताया जा रहा है। साहिल वाकोडे की मौत के बाद मुंबई पुलिस जांच कर रही है।

गिरफ्तारी की वजह नहीं बताई तो ऐक्शन कहलाएगा गैरकानूनी

दोबारा पकड़ने से पहले मजिस्ट्रेट की मंजूरी जरूरी, सुप्रीम कोर्ट ने तय किए नियम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय उसे गिरफ्तारी की वजह लिखित में बताना जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर गिरफ्तारी गैरकानूनी मानी जाएगी। कोर्ट ने कहा कि अगर ऐसी गिरफ्तारी के बाद व्यक्ति को रिहा कर दिया जाता है और जांच एजेंसी उसे दोबारा गिरफ्तार करना चाहती है, तो पुलिस सीधे उसे नहीं पकड़ सकती। इसके लिए पहले मजिस्ट्रेट से मंजूरी लेनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पहली गिरफ्तारी में नियमों का उल्लंघन करने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच होगी। दोबारा गिरफ्तारी की स्थिति में मामले की आगे की जांच किसी दूसरे अधिकारी को सौंपी जाएगी। कोर्ट ने ये टिप्पणियां शिरोमणि अकाली दल से जुड़े मुल्लांपुर दाखा

विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी जसरकरनजीत सिंह की अपील पर कीं। नाबालिग से यौन अपराध के आरोपों से जुड़े मामले में उनकी गिरफ्तारी की वजह लिखित में नहीं बताई गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी को गैरकानूनी माना। सिंह ने पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के उस आदेश के बाद सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था, जिसमें स्थानीय अदालत के उनकी गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताने और तत्काल रिहाई के आदेश पर रोक लगा दी गई थी।

गिरफ्तारी की वजह समझ आने वाली भाषा में लिखित देनी होगी- जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस अतुल चंद्रकुर की बेंच ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत आरोपी को गिरफ्तारी की वजह लिखित में बतानी होगी। यह जानकारी ऐसी भाषा में होनी चाहिए, जिसे आरोपी समझ सके। इसकी एक कॉपी भी उसे बिना किसी अपवाद के जल्द से जल्द देनी होगी। कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि व्यक्ति का मौलिक और वैधानिक अधिकार है। इसका उल्लंघन होने पर गिरफ्तारी असंवैधानिक हो जाएगी और आरोपी को तत्काल रिहाई का अधिकार होगा।

मजिस्ट्रेट किन परिस्थितियों में देगा मंजूरी

मजिस्ट्रेट तभी दोबारा गिरफ्तारी की अनुमति देगा, जब उसे संतुष्टि हो कि पहली बार गिरफ्तारी के समय किसी वास्तविक वजह से आरोपी को कारण नहीं बताए जा सके थे। बाद में उसे गिरफ्तारी के कारण लिखित रूप में बताए गए हों और आगे की जांच के लिए उसकी दोबारा हिरासत जरूरी हो। कोर्ट ने कहा कि मजिस्ट्रेट को अर्जी पर जल्द फैसला करना होगा। मिहिर राजेश शाह मामले में दिए गए निर्देशों के मुताबिक, संभव हो तो अर्जी दाखिल होने के एक हफ्ते के भीतर फैसला किया जाना चाहिए और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन होना चाहिए।

कर्नाटक विधानसभा में बीजेपी विधायकों ने गाया पूरा वंदे मातरम

दो पैरा के बाद रोक दिया गया था, विधान परिषद में भी पूरा गीत गाया

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा के 3 दिन के स्पेशल सेशन के पहले दिन सोमवार को वंदे मातरम को लेकर विवाद हो गया। विधानसभा में वंदे मातरम की रिकॉर्डिंग सिर्फ दो पैराग्राफ के बाद रोक दी गई। इसके बाद भाजपा विधायकों ने विरोध किया और बाकी के 4 पैरा खुद गाए। विधान परिषद में भी भाजपा सदस्यों ने पूरा गीत गाया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कर्नाटक सरकार ने सूखे की स्थिति और पश्चिमी घाट से जुड़ी कस्तूरीरंगन रिपोर्ट पर चर्चा के लिए तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के

पहले दो पैरा गाने का आदेश दिया है। इसी के तहत विधानसभा और विधान परिषद में रिकॉर्डिंग दो पैरा के बाद रोक दी गई थी। हालांकि, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या राज्यपाल की मौजूदगी वाले कार्यक्रमों में यह नियम लागू नहीं होगा।

अनमोल वचन

ज्ञान सबसे बड़ा धन है, इसलिए अपने आप से पूछिये कि मैं कितना धनवान हूँ। परन्तु आज के युग में धनवान उसे माना जाता है जिसके पास भौतिक सम्पदा है। अल्प बुद्धि थोड़ा सा ज्ञान प्राप्त कर लेने पर महा विद्वान और थोड़ा धन प्राप्त होते ही धनवान समझने लगता है। क्यों? तो वह स्वयं को संसार के धनियों और बुद्धिमानों की श्रेणी में रखने की मूर्खता भी कर बैठता है। स्मरण रहना चाहिये कि यह दुनिया बहुत बड़ी है। एक से एक धनवान, प्रतिभावान, शौर्यवान, वैज्ञानिक, इतिहास पुरुष मिल जायेंगे। इनमें से किसी में भी न आपकी गणना हुई है और न होगी। ऐसे लोगों के अतिरिक्त कुछ ऐसे लोग होते हैं जो ज्ञान सम्पन्न तो होते हैं परन्तु शील सम्पन्न तथा आचार सम्पन्न नहीं होते अर्थात उन्होंने ज्ञान तो प्राप्त कर लिया परन्तु उसके अनुसार आचरण नहीं किया। ऐसे ही कुछ व्यक्ति ऐसे होते हैं जिन्होंने उचित-अनुचित मार्ग प्रचुर धन तो अर्जित कर लिया परन्तु उस धन का सेवा कार्यों में कैसे सदुपयोग किया जाय नहीं जानते। अतः सम्मान की भावना है तो लोगों में प्यार बाँटो, खुशियाँ बाँटो, झूठे प्रदर्शन और अहंकार से दूर रहें। यही संतों और मनीषियों की वाणी है।

बुढ़ाना यूपी ग्रामीण बैंक घोटाला: बेटी की शादी के लिए जमा 47 लाख रुपये गायब, फफक कर रो पड़ा पीड़ित, बैंक खुलने से पहले लगी लंबी लाइनें

बैंक में ग्राहकों की एफडी, बचत व केसीसी खातों से गायब हुई करोड़ों की रकमः मौके पर जांच टीम, बैंक घोटाले मामले में पूर्व प्रबंधक रूपक राणा पर लगे गंभीर आरोप

बुढ़ाना। कस्बे में स्थित यूपी ग्रामीण बैंक शाखा में सोमवार को करोड़ों रुपये के भारी वित्तीय घोटाले का मामला सामने आते ही हड़कंप मच गया। पूर्व बैंक प्रबंधक रूपक राणा पर बैंक के खाताधारकों की जीवन भर की गाढ़ी कमाई, एफडी, क्रेडिट लिमिट और केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) खातों से हेराफेरी कर करोड़ों रुपये पार करने के बेहद गंभीर आरोप लगे हैं। खबर फैलते ही सोमवार को बैंक खुलने से पहले ही ग्राहकों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस बल तैनात किया गया है, वहीं जनपद से आई विशेष जांच टीम मामले की गहन तफ्तीश में जुट गई है।

बुढ़ाना यूपी ग्रामीण बैंक घोटाला मामला सुर्खियों में आने के बाद अपने खातों में जमा रकम की जांच कराने पहुंचे ग्रामीणों में भारी आक्रोश और निराशा का माहौल देखने को मिले। गांव के पीड़ित राजकुमार त्यागी बैंक परिसर में दहाड़े मारकर रोते हुए नजर आए। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी की आगामी शादी के लिए जमा की गई पूरी जमापूंजी सहित उनके, पत्नी, पुत्र और पुत्रवधु के खातों से कुल 47 लाख रुपये गायब कर दिए गए हैं। इसी तरह प्रॉपर्टी डीलर नीरज त्यागी के 61

लाख रुपये और बड़कता की ऑर्गेनिक फर्म के संचालक चेतन चौहान के खाते से 19 लाख रुपये की चपत लगाई गई है।

पीड़ितों की लंबी सूची, हर वर्ग बना ठगी का शिकार

प्राप्त जानकारी के अनुसार, घोटाले का शिकार हुए ग्राहकों की सूची लगातार लंबी होती जा रही है। प्रमुख पीड़ितों में नीरज त्यागी (प्रॉपर्टी डीलर): 61 लाख रुपये, राजकुमार त्यागी एवं परिवारः 47 लाख रुपये, चेतन चौहान (ऑर्गेनिक फर्म, बड़कता): 19 लाख रुपये, नितेशः 15 लाख रुपये, रामनिवासः 15 लाख रुपये, अंकित (अटाली): 13 लाख रुपये, राजेंद्र (नगवा): 12 लाख रुपये, राजीव गर्ग (व्यापारी): 12 लाख रुपये, अर्चित शर्माः 11 लाख रुपये, ओमपाल, देवेंद्र व प्रीति (ग्राम प्रधान बड़कता परिवार): करीब 8-8 लाख रुपये तथा रमेश शर्मा (सेवानिवृत्त शिक्षक): 7 लाख रुपये खातों से गायब पाए गये।

वर्तमान प्रबंधक ने ग्राहकों को दिया रकम वापसी का भरोसा

शाखा पर उत्पन्न हुए इस विकट संकट के बीच वर्तमान बैंक प्रबंधक विभव कुमार खुद ग्राहकों के बीच पहुंचे और सभी पीड़ितों से लिखित शिकायती पत्र प्राप्त किए। उन्होंने आक्रोशित खाताधारकों को आश्वस्त किया कि मामले की उच्चस्तरीय जांच चल रही है और सभी निष्ठावान ग्राहकों की डूबी हुई रकम वापस दिलाने के लिए कड़े कदम उठाए जा रहे हैं। बैंक घोटाले की भनक लगते ही जिले से वरिष्ठ अधिकारियों और बैंक के ऑडिटर्स की संयुक्त टीम बुढ़ाना शाखा पहुंची। टीम द्वारा कंप्यूटर रिकॉर्ड्स, पासबुक प्रविष्टियों और बैंक ट्रांसफर डिटेल्स की जांच की जा रही है। सुरक्षा के दृष्टिकोण से बैंक परिसर व आसपास पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पीड़ित ग्रामीणों ने आरोपी पूर्व प्रबंधक के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई और अपनी रकम अविलंब वापस पाने की पुरजोर मांग की है।

बिस्किट लेने जा रहे बच्ची पर आवारा कुत्तों का हमला, गांव में महिला ने दौड़कर बच्ची छुड़ाया

मुजफ़्फ़रनगर। सिखेड़ा थाना क्षेत्र और जानसठ तहसील के बेहड़ा अस्सा गांव में आवारा कुत्तों के आतंक का मामला सामने आया है। दुकान से बिस्किट लेने जा रहे तीन बच्चों पर कुत्तों ने हमला कर दिया। हमले में 4 साल की दक्षिता सैनी उर्फ चीकू पुत्री विकास सैनी घायल हो गई, जबकि उसके साथ मौजूद दो अन्य बच्चों ने भागकर अपनी जान बचाई। बताया गया कि दक्षिता अपनी बड़ी बहन गार्गी उर्फ किट्टो और भाई रुद्राक्ष उर्फ मिक्कू के साथ दुकान पर बिस्किट लेने जा रही थी। इसी दौरान कुत्ते ने बच्चों पर हमला कर दिया। बच्ची को अकेला पाकर कुत्ते ने उसे निशाना बनाया और वह घायल हो गई। प्रत्यक्षदर्शी महिला के मुताबिक कुत्ते ने बच्ची को नाली में गिरा दिया था और वहीं उस पर हमला कर रहा था। बच्ची को बचाने के लिए महिला दौड़कर मौके पर पहुंची और उसे कुत्ते के चंगुल से छुड़ाया। समय रहते महिला के पहुंचने से बच्ची को वहां से निकाला जा सका। हमले में दक्षिता के सीधे हाथ की बाजू पर गंभीर चोटें आई हैं। उसकी पीठ पर भी चोट लगी है। घटना के बाद परिजन बच्ची को उपचार के लिए ले गए। प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल ले जाकर रेबीज का टीका लगवाने की तैयारी की गई।

दक्षिता के साथ मौजूद गार्गी और रुद्राक्ष ने भागकर खुद को बचाया। घटना के बाद गांव में बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि जिस मादा कुत्ते ने बच्ची पर हमला किया, वह पहले भी कई लोगों पर हमला कर चुकी है। ग्रामीणों ने आवारा कुत्तों की समस्या पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है, ताकि गांव में खासकर छोटे बच्चों को इस तरह के हमलों से बचाया जा सके। फिलहाल बच्ची के उपचार और आगे के टीकाकरण पर परिवार का ध्यान है।

लाखों की लूट और ट्रैक्टर चोरी की झूठी सूचना से मचा हड़कंप, पुलिस ने खोली साजिश की परत

डायल-112 पर फोन कर दी गई थी नकदी और ट्रैक्टर लूटे जाने की सूचना, मौके पर पहुंची पुलिस की जांच में नहीं मिली वारदात; कुल्हेड़ी के तीन आरोपी गिरफ्तार कर जेल भेजे

मुजफ्फरनगर। चरथावल थाना क्षेत्र में डायल-112 पर लाखों रुपये की नकदी और ट्रैक्टर लूटे जाने की सूचना ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और कथित लूट की पड़ताल शुरू की। पुलिस की जांच जैसे-जैसे आगे बढ़ी, वैसे-वैसे पूरा मामला संदिग्ध होता चला गया। मौके की जांच और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर पुलिस ने लूट की घटना को फर्जी पाया। इसके बाद पुलिस ने झूठी सूचना देने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया।

फोन पर बताई लाखों की लूट, मौके पर पहुंचते ही शुरू हुई जांच

पुलिस के मुताबिक ग्राम कुल्हेड़ी निवासी आरोपियों की ओर से डायल-112 पर फोन किया गया था। फोन पर लाखों रुपये की नकदी और ट्रैक्टर लूटे जाने की सूचना दी गई। लूट की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लिया और टीम को मौके पर भेजा।

पुलिसकर्मियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर शिकायतकर्ताओं से जानकारी ली और कथित वारदात से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू की।

जांच में नहीं मिला लूट का कोई आधार

पुलिस के अनुसार मौके पर जांच करने के दौरान ऐसी कोई घटना सामने नहीं आई, जिससे लाखों रुपये की नकदी अथवा ट्रैक्टर लूटे जाने की पुष्टि हो सके। पुलिस ने घटनाक्रम की जानकारी जुटाने के साथ ही सूचना देने वालों से पूछताछ की। जांच के बाद पुलिस ने पूरी सूचना को झूठा और भ्रामक पाया।

फर्जी सूचना देने पर तीनों पुलिस के शिकंजे में

लूट की सूचना फर्जी पाए जाने के बाद पुलिस ने ग्राम कुल्हेड़ी निवासी आसिफ, मोनू उर्फ शराफत और जुबैर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि तीनों के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई की गई है और उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के तहत जेल भेज दिया गया।

झूठी सूचना ने पुलिस की दौड़ बढ़ाई, अब आरोपियों पर कार्रवाई

लूट जैसी गंभीर घटना की सूचना मिलने पर पुलिस को तत्काल सक्रिय होना पड़ता है। डायल-112 पर आई सूचना के बाद पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची, लेकिन जांच में जब घटना ही सामने नहीं आई तो पुलिस ने सूचना देने वालों के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी। इस कार्रवाई से साफ है कि आपातकालीन पुलिस सेवा का गलत इस्तेमाल करने वालों के खिलाफ भी पुलिस कार्रवाई कर रही है।

उपनिरीक्षक देवकी नंदन की टीम ने की कार्रवाई

पूरे मामले में कार्रवाई करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक देवकी नंदन, हेड कांस्टेबल दीपक और कांस्टेबल सोनू शामिल रहे। टीम ने सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंचकर जांच की और लूट की सूचना की वास्तविकता सामने आने के बाद तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया।

100 शेफ्स ने तैयार किए 500 तरह के रायते, लंदन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज हुआ आयोजन

मुजफ्फरनगर। होटल ओमेगा में सोमवार को भारतीय खान-पान की विविधता, स्वाद और रचनात्मकता का अनूठा प्रदर्शन देखने को मिला। यहां 100 शेफ्स 500 रायते नाम से विशेष आयोजन किया गया, जिसमें देश के विभिन्न हिस्सों से आए प्रतिभाशाली शेफ्स ने भाग लिया। आयोजन को लंदन बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज किए जाने की जानकारी दी गई।

आयोजन में शेफ विवेक सागर, शेफ बलेंद्र, शेफ गौतम और शेफ नीरज सहित अनेक प्रतिष्ठित शेफ्स ने अपनी पाक-कला का प्रदर्शन किया।

आयोजन की टीम में सेलिब्रिटी मास्टरशेफ कविता सिंह, प्रोफेसर दीपा चावला, वर्षा गर्ग, लड्डी कौर और शेफ पारुल अग्रवाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस आयोजन के माध्यम से भारत के विभिन्न क्षेत्रों के पारंपरिक स्वादों और खान-पान की विविधता को एक मंच पर प्रस्तुत किया गया। अलग-अलग स्वाद और सामग्री से तैयार किए गए 500 प्रकार के रायते आयोजन का मुख्य आकर्षण रहे।

आयोजन को सफल बनाने में कैच स्पाइसेज, मधुसूदन घी, बेकरीविला, हांडा ज्वेलर्स मुजफ्फरनगर तथा होटल ओमेगा का विशेष सहयोग रहा। होटल ओमेगा आयोजन का वेन्यू पार्टनर रहा।

आयोजकों ने सभी शेफ्स, टीम सदस्यों, सहयोगी ब्रांड्स, प्रतिभागियों और आयोजन से जुड़े सभी लोगों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि सामूहिक मेहनत, भारतीय खान-पान के प्रति प्रेम और टीम भावना का परिणाम है।

छपार पुलिस की तत्परता लाई रंग, कुछ ही घंटों में मंगलौर से बरामद हुई 12 वर्षीय गुमशुदा बालिका

सुबह घर से बिना बताए निकली थी बालिका, परिजनों की सूचना पर पुलिस ने सीसीटीवी, सर्विलांस और मुखबिर तंत्र लगाया-सकुशल बरामद कर परिजनों को सौंपा

मुजफ्फरनगर। छपार थाना क्षेत्र में घर से बिना बताए निकली 12 वर्षीय बालिका को छपार पुलिस ने कुछ ही घंटों की तत्परता के बाद मंगलौर से सकुशल बरामद कर लिया। बालिका के लापता होने की सूचना मिलते ही पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल टीम गठित की और सीसीटीवी कैमरों, सर्विलांस तथा मुखबिर तंत्र की मदद से उसकी तलाश शुरू कर दी। लगातार की गई कार्रवाई के बाद पुलिस टीम बालिका तक पहुंचने में सफल रही।

सुबह घर से बिना बताए निकली थी बालिका

पुलिस के मुताबिक, छपार थाना क्षेत्र निवासी एक व्यक्ति ने पुलिस को सूचना दी कि उसकी 12 वर्षीय भतीजी सुबह करीब छह बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई है। परिजनों ने अपने स्तर से बालिका की काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद दोपहर करीब दो बजे पुलिस को मामले की सूचना दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस ने शुरू की तलाश

बालिका के नाबालिग होने और काफी समय से लापता होने की जानकारी मिलते ही छपार पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम गठित कर संभावित स्थानों पर तलाश कराई गई। बालिका की लोकेशन और आवाजाही का पता लगाने के लिए क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इसके साथ ही सर्विलांस और मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया।

मंगलौर तक पहुंची पुलिस टीम, सकुशल मिली बालिका

पुलिस टीम ने उपलब्ध संसाधनों और जुटाई गई जानकारी के आधार पर तलाश का दायरा बढ़ाया। लगातार प्रयासों के बाद बालिका को मंगलौर से सकुशल बरामद कर लिया गया। पुलिस टीम बालिका को सुरक्षित थाना छपार लेकर पहुंची, जहां आवश्यक कार्रवाई पूरी की गई।

मां की डांट से नाराज होकर घर से निकली थी

पुलिस की पूछताछ में बालिका ने बताया कि उसकी मां ने उसे डांटा था, जिससे वह नाराज हो गई थी। इसी नाराजगी में वह बिना किसी को बताए घर से निकल गई थी। पुलिस ने बालिका को सकुशल बरामद करने के बाद आवश्यक कार्रवाई पूरी कर उसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। काफी चिंता के बीच बालिका के सकुशल बरामद होने की खबर मिलते ही परिजनों ने राहत की सांस ली। अपनी बच्ची को सुरक्षित देखकर परिजनों की खुशी का ठिकाना नहीं रहा। परिजनों ने छपार पुलिस की तत्परता, संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस टीम का आभार जताया।

एसआई सुभाष चंद के नेतृत्व में टीम ने की कार्रवाई

बालिका की बरामदगी में उपनिरीक्षक सुभाष चंद, उपनिरीक्षक राजकुमार, महिला उपनिरीक्षक भावना कुमारी, कांस्टेबल अनिल कुमार और कांस्टेबल भूपेंद्र कुमार की टीम शामिल रही। टीम ने सूचना मिलने के बाद लगातार संभावित स्थानों पर तलाश और जानकारी जुटाने का काम किया।

गुमशुदगी की सूचना में देरी न करने की अपील

मुजफ्फरनगर पुलिस ने लोगों से अपील की है कि किसी परिजन या बच्चे के गुम होने की स्थिति में अपने स्तर से तलाश करने में समय गंवाने के बजाय तत्काल नजदीकी पुलिस थाने या चौकी को सूचना दें। समय पर सूचना मिलने से पुलिस को तलाश शुरू करने में मदद मिलती है और सकुशल बरामदगी की संभावना बढ़ जाती है।

छह बीघा जमीन पर खड़ा होगा किसानों का अपना किसान भवन, भूमि पूजन के साथ निर्माण का श्रीगणेश

नसीरपुर में किसान मजदूर संगठन की पहल, हॉल-लाइब्रेरी से लेकर गौशाला, वृद्ध आश्रम, स्टेडियम और कोचिंग

मुजफ्फरनगर। किसानों और मजदूरों के लिए संवाद, विचार-विमर्श और रात्रि विश्राम का एक स्थायी केंद्र तैयार करने की दिशा में किसान मजदूर संगठन ने बड़ी पहल की है। गांव नसीरपुर में संगठन की ओर से प्रस्तावित आधुनिक किसान भवन के निर्माण का विधिवत शुभारंभ किया गया। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह ने विधि-विधान के साथ भूमि पूजन कर भवन की नींव रखी। भूमि पूजन कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, संगठन के पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

छह बीघा जमीन पर शुरू हुआ किसानों के सपने का सफर

किसान भवन के लिए राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह की ओर से करीब छह बीघा कृषि भूमि उपलब्ध कराई गई है। भूमि पूजन के साथ अब इस महत्वाकांक्षी परियोजना के निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है। संगठन का कहना है कि किसान भवन का निर्माण चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा और भविष्य में आवश्यकता के अनुसार परियोजना का विस्तार भी किया जा सकता है।

भूमि पूजन होते ही 11 लाख रुपये देने का ऐलान

कार्यक्रम के दौरान किसान भवन के निर्माण को लेकर संगठन के पदाधिकारियों में खासा उत्साह दिखाई दिया। भूमि पूजन संपन्न होते ही जिला अध्यक्ष लोकेश राणा ने किसान भवन के निर्माण के लिए 11 लाख रुपये देने का ऐलान किया। उनके इस ऐलान के बाद कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने उत्साह जताया। संगठन की ओर से भवन निर्माण में सहयोग के लिए अन्य लोगों से भी आगे आने की अपील की गई।

सिर्फ भवन नहीं, किसानों के लिए बनेगा सुविधाओं का केंद्र

राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह ने कहा कि किसान भवन का सपना लंबे समय से देखा जा रहा था, जिसकी आज विधिवत शुरूआत हो गई है। उनका कहना है कि यह भवन केवल एक इमारत नहीं होगा, बल्कि किसानों और मजदूरों के लिए ऐसा केंद्र विकसित किया जाएगा, जहां वे एक साथ बैठकर अपनी समस्याओं पर चर्चा कर सकें और आगे की रणनीति तैयार कर सकें। उन्होंने कहा कि किसानों और मजदूरों से जुड़े मुद्दों को लेकर संवाद के लिए ऐसे केंद्रों की आवश्यकता है। संगठन की इच्छा है कि भविष्य में देश के प्रत्येक जिले में किसान भवन स्थापित किए जाएं।

लाइब्रेरी से लेकर गौशाला और स्टेडियम तक की योजना

प्रस्तावित किसान भवन को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की योजना है। संगठन के अनुसार यहां बड़ा हॉल, लाइब्रेरी, गौशाला, वृद्ध आश्रम, स्टेडियम और बच्चों के लिए कोचिंग सेंटर विकसित किया जाएगा। बच्चों के लिए खेल मैदान की व्यवस्था भी प्रस्तावित है। संगठन का उद्देश्य किसान परिवारों और ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों को शिक्षा एवं खेल से जोड़ने के साथ बुजुर्गों और जरूरतमंद लोगों के लिए भी एक सुरक्षित स्थान उपलब्ध कराना है।

जरूरतमंद बुजुर्गों के लिए आश्रय, बाहर से आने वाले किसानों के लिए रात्रि विश्राम

जिला अध्यक्ष लोकेश राणा ने बताया कि किसान भवन में निराश्रित किसानों और जरूरतमंद बुजुर्गों के रहने की व्यवस्था किए जाने की योजना है। इसके अलावा दूसरे जिलों से किसान संगठन के कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए आने वाले किसानों के लिए रात्रि विश्राम की सुविधा भी उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मौजूदा करीब छह बीघा भूमि के अलावा भविष्य में आवश्यकता के अनुसार परियोजना का विस्तार करीब 10 बीघा तक किए जाने की संभावना है।

संगठन के पदाधिकारियों के मुताबिक किसान भवन के निर्माण को लेकर पिछले वर्ष से तैयारियां और प्रयास चल रहे थे। भूमि उपलब्ध होने और अन्य प्रक्रियाओं के बाद अब विधि-विधान के साथ इसकी नींव रखी गई है। संगठन का कहना है कि भवन का निर्माण एक साथ पूरा करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से सुविधाओं को विकसित किया जाएगा। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर पूरण सिंह ने किसान भवन की परिकल्पना को व्यापक स्तर पर ले जाने की बात कही।

जयंत चौधरी को कृषि मंत्रालय मिले तो किसानों की समस्याओं पर होगा सीधा काम : चौधरी नरेश टिकैत

गन्ने का भाव कम से कम 600 रुपये कुंतल करने की मांग, यूपीआई टैक्स, पुरानी गाड़ियों पर कार्रवाई और किसानों-मजदूरों की समस्याओं पर भी बोले भाकियू अध्यक्ष

मुजफ्फरनगर। गांव निराना में भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ता के पारिवारिक कार्यक्रम में पहुंचे भाकियू के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी नरेश टिकैत ने किसानों और आम जनता से जुड़े कई मुद्दों को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। मीडिया से बातचीत में उन्होंने केंद्र सरकार में राष्ट्रीय लोक दल की भागीदारी का हवाला देते हुए आरएलडी नेता जयंत चौधरी को कृषि मंत्रालय दिए जाने की मांग की। उन्होंने कहा कि जयंत चौधरी का परिवार लंबे समय से किसानों और कृषि क्षेत्र से जुड़ा रहा है। ऐसे में उन्हें कृषि मंत्रालय की जिम्मेदारी मिलने पर किसानों की समस्याओं पर सीधे तौर पर काम हो सकेगा। चौधरी नरेश टिकैत ने कहा कि केंद्र सरकार में राष्ट्रीय लोक दल की भागीदारी है और जयंत चौधरी का परिवार किसान और कृषि से जुड़े मुद्दों को लंबे समय से उठाता रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री से मांग करते हुए कहा कि जयंत चौधरी को कृषि मंत्रालय की जिम्मेदारी दी जानी चाहिए, ताकि किसानों की समस्याओं को सरकार के सामने प्रभावी ढंग से रखा जा सके। उन्होंने कहा कि सरकार के कार्यकाल में जयंत चौधरी को किसानों की सेवा करने का अवसर मिलना चाहिए।

बढ़ती लागत के बीच 600 रुपये कुंतल गन्ना भाव की मांग

भाकियू अध्यक्ष ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों की सबसे बड़ी समस्याओं में शामिल गन्ने के मूल्य का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि गन्ने की खेती में लगातार लागत बढ़ रही है। खाद, बीज, बिजली, डीजल और मजदूरी समेत खेती से जुड़े खर्च बढ़ने के बावजूद किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य नहीं मिल पा रहा है। चीनी मिलों का नया पेराई सत्र शुरू होने वाला है, लेकिन अभी तक गन्ने का भाव घोषित नहीं किया गया है।

उन्होंने सरकार से लागत को ध्यान में रखते हुए गन्ने का भाव कम से कम 600 रुपये प्रति कुंतल किए जाने की मांग की।

यूपीआई भुगतान पर टैक्स की चर्चा पर जताई चिंता

यूपीआई भुगतान पर टैक्स लगाए जाने की चर्चा को लेकर भी नरेश टिकैत ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि आम आदमी की आमदनी में अपेक्षित बढ़ोतरी नहीं हो रही, जबकि अलग-अलग प्रकार के टैक्स और आर्थिक बोझ लगातार बढ़ते जा रहे हैं। उनका कहना था कि आम जनता पहले से ही महंगाई और आर्थिक दबाव का सामना कर रही है। ऐसे में किसी भी प्रकार का अतिरिक्त आर्थिक बोझ लोगों की परेशानी बढ़ा सकता है। नरेश टिकैत ने बागपत में 10 से 15 साल पुरानी मोटरसाइकिलों पर कार्रवाई के मुद्दे का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में बड़ी संख्या में किसान और मजदूर दोपहिया वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। पुराने वाहनों को लेकर होने वाली कार्रवाई से आम लोगों के सामने नई परेशानी खड़ी हो सकती है। उन्होंने सरकार से ऐसे मामलों में किसानों और आम जनता की परिस्थितियों को ध्यान में रखने की बात कही।

किसान, मजदूर और युवाओं की समस्याओं पर सरकार ध्यान दे

भाकियू अध्यक्ष ने कहा कि किसान ही नहीं, बल्कि मजदूर, व्यापारी और छात्र समेत समाज के अलग-अलग वर्ग अपनी समस्याओं को लेकर आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को इन समस्याओं को गंभीरता से सुनना चाहिए और उनके समाधान के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। उनका कहना था कि देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए किसानों और कामगार वर्ग को राहत देना जरूरी है।

चीन के सामान के मुकाबले देश में उत्पादन बढ़ाने पर जोर

नरेश टिकैत ने देश में उत्पादन बढ़ाने और स्थानीय उद्योगों को प्रोत्साहन देने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि बाजार में चीन के सामान की मौजूदगी लगातार दिखाई देती है। ऐसे में देश में ही अधिक से अधिक सामान का उत्पादन होना चाहिए, जिससे स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा मिले और रोजगार के अवसर भी बढ़ें। उन्होंने स्वदेशी उत्पादन को मजबूत करने की आवश्यकता बताई।

रॉयल बुलेटिन

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने मै. साईं प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6 नोएडा-201301 से मुद्रित कराकर **रॉयल हाऊस, 174, गांधी कालौनी (उत्तरी), मुजफ्फरनगर (उ.प्र.) से प्रकाशित किया।**

सम्पादक: ◆अनिल रॉयल

✆:(0131) 2412222, मो. 9412211222

e-mail Address : royalbulletin@gmail.com

आवश्यकता है

बैंकेट हॉल के लिए

(एक इवेंट मैनेजर)

(जिसे होटल एवं बैंकेट हॉल में कैटरिंग का अनुभव हो)

एक गार्ड/चौकीदार

(रहने की सुविधा के साथ)

सम्पर्क करें- M.: 9058151212

रॉयल बुलेटिन
मुजफ्फरनगर समाचार

मंगलवार 22 सितम्बर 2026 पृष्ठ 3

दहेज के लिए पत्नी की हत्या करने वाले निलंबित बीएसएफ जवान को उम्रकैद

हृदयाघात का बहाना बनाकर बढ़वाई छुट्टी, मायके में पत्नी को लेकर पहुंचा और अगले दिन कार हादसे में मौत की दी सूचना, अदालत ने दोषी मनोज उर्फ मोनू पर 50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया

मुजफ्फरनगर। दहेज की मांग को लेकर पत्नी की हत्या किए जाने के मामले में न्यायालय ने निलंबित बीएसएफ जवान मनोज उर्फ मोनू को उम्रकैद की सजा सुनाई है। विशेष न्यायालय एससी-एसटी एक्ट के पीठासीन अधिकारी डॉ. विजय कुमार की अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी होने के बाद आरोपी को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने दोषी पर 50 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। सजा सुनाए जाने के दौरान आरोपी को जिला कारागार से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। आरोपी वर्ष 2024 से जिला कारागार में निरुद्ध है। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता आशीष कुमार ने बताया कि मेरठ जनपद के मवाना थाना क्षेत्र के गांव मीवा निवासी सुभाष ने सात अप्रैल 2024 को मीरापुर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। शिकायत के अनुसार सुभाष की बेटी आकांक्षा उर्फ पूजा की शादी छह फरवरी 2017 को मुजफ्फरनगर क्षेत्र के गांव कासमपुर खोला निवासी अजब सिंह के बेटे मनोज उर्फ मोनू के साथ हुई थी। शादी के बाद मनोज बीएसएफ में जवान के पद पर तैनात था। मुकदमे में मायके पक्ष की ओर से आरोप लगाया गया था कि शादी के बाद से ही आकांक्षा को दहेज की मांग को लेकर परेशान किया जाता था। ससुराल पक्ष के लोग कथित तौर पर दहेज की मांग करते थे और विवाहिता का उत्पीड़न किया जाता था। परिवार का आरोप था कि इसको लेकर आकांक्षा मानसिक और शारीरिक रूप से परेशान थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार मार्च 2024 में मनोज छुट्टी पर अपने घर आया था। उसकी छुट्टी अप्रैल 2024 में समाप्त होनी थी और उसे वापस

ड्यूटी पर जाना था। इसी दौरान पत्नी आकांक्षा की तबीयत खराब होने की बात सामने आई। आरोप है कि मनोज ने पत्नी को हृदयाघात होने का हवाला देते हुए अपनी छुट्टी आगे बढ़वा ली। मामले के अनुसार दो अप्रैल 2024 को मनोज अपनी पत्नी आकांक्षा उर्फ पूजा को लेकर उसके मायके गांव मीवा पहुंचा था। उस समय परिवार के लोगों को यह अंदाजा नहीं था कि अगले ही दिन उनकी बेटी की मौत की सूचना उन्हें मिलेगी। अभियोजन के मुताबिक, तीन अप्रैल की सुबह करीब साढ़े सात बजे आकांक्षा के ससुर अजब सिंह ने उसके पिता सुभाष को फोन किया। अजब सिंह ने सुभाष को बताया कि आकांक्षा को हृदयाघात हुआ है और मनोज उसे उपचार के लिए चिकित्सक के पास लेकर जा रहा है। परिवार के लोग कुछ समझ पाते, इससे पहले ही उन्हें बताया गया कि चिकित्सक के पास ले जाते समय रास्ते में उनकी कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई है। हादसे में आकांक्षा की मौत होने की सूचना दी गई। बेटी की मौत की सूचना मिलने के बाद मायके पक्ष में कोहराम मच गया। परिजनों ने घटना के पूरे घटनाक्रम पर सवाल उठाते हुए इसे सामान्य सड़क दुर्घटना मानने से इनकार कर दिया। मायके पक्ष ने आरोप लगाया कि आकांक्षा की मौत हादसे में नहीं हुई, बल्कि उसकी हत्या की गई है। इसके बाद पुलिस से पूरे मामले की जांच और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। सुभाष की शिकायत के आधार पर मीरापुर थाने में मनोज उर्फ मोनू, उसके पिता अजब सिंह, सास मिथलेश, चाचा मंगलू और बहनोई लवकुश के खिलाफ दहेज हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी मनोज को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। पुलिस कार्रवाई के बाद से मनोज जिला कारागार में निरुद्ध है। मुकदमे की सुनवाई के दौरान आरोपी को जेल से न्यायालय में पेश किया जाता रहा। सोमवार को सजा पर सुनवाई के दौरान भी उसे वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अदालत के सामने पेश किया गया।

संविधान का चीरहरण लेकर फिर गरजा सिस्टम के खिलाफ कलमकार, अफसरशाही पर लगाए गंभीर आरोप

प्रेसवार्ता में लेखक ने प्रधानमंत्री कार्यालय से लेकर केंद्रीय जांच ब्यूरो, प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय सतर्कता आयोग और उत्तर प्रदेश शासन की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल, क्यूआर कोड में दस्तावेजी सबूत होने का दावा

मुजफ्फरनगर। व्यवस्था के भीतर कथित भ्रष्टाचार, अफसरशाही की कार्यप्रणाली और जांच एजेंसियों की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए लेखक जय भगवान अग्रवाल (पटवारी) ने सोमवार को अपनी नई पुस्तक ह्यसंविधान का चीरहरण' का विमोचन किया। रुड़की रोड स्थित मिर्च मसाला रेस्टोरेंट में आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान लेखक ने विभिन्न सरकारी विभागों और संवैधानिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने दावा किया कि पुस्तक में लगाए गए आरोपों से संबंधित सरकारी दस्तावेज और अन्य साक्ष्य भी उपलब्ध कराए गए हैं। प्रेसवार्ता में जय भगवान अग्रवाल ने प्रधानमंत्री कार्यालय, उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री कार्यालय, केंद्रीय जांच ब्यूरो, केंद्रीय सतर्कता आयोग, प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय गृह मंत्रालय, दिल्ली पुलिस, दिल्ली सरकार, राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत सरकार के प्रमुख सचिव न्याय, मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश शासन और राजस्व परिषद लखनऊ

सहित विभिन्न संस्थानों एवं सरकारी कार्यालयों की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि पारदर्शिता, जवाबदेही, भ्रष्टाचार के खिलाफ शून्य सहनशीलता, कानून का शासन, सुशासन, मानवाधिकारों की रक्षा और निष्पक्ष न्याय जैसे संवैधानिक मूल्यों को व्यवहारिक स्तर पर कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। लेखक ने दावा किया कि उन्होंने आईएएस और पीसीएस अधिकारियों से जुड़ी कथित अनियमितताओं और अपराधों से संबंधित सैकड़ों लिखित दस्तावेज एवं साक्ष्य विभिन्न जांच एजेंसियों के साथ-साथ केंद्र और प्रदेश सरकार के महत्वपूर्ण कार्यालयों को उपलब्ध कराए हैं। उनका आरोप है कि इन शिकायतों और दस्तावेजों पर अपेक्षित कार्रवाई करने के बजाय प्रभावशाली अधिकारियों और कथित तौर पर उनसे जुड़े लोगों को संरक्षण दिया गया। हालांकि, प्रेसवार्ता में लगाए गए इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और संबंधित अधिकारियों अथवा संस्थानों का पक्ष सामने नहीं आया। जय भगवान अग्रवाल ने सरकारी संपत्तियों पर कथित कब्जे के प्रयास, किसानों की गन्ने की फसल से जुड़े विवाद, कथित फर्जी मुकदमों, जांच रिपोर्ट और विवेचनाओं में अनियमितताओं तथा अधिकारियों और कथित भूमाफिया के बीच गठजोड़ जैसे मुद्दों को भी पुस्तक में उठाए जाने की बात कही। उनका दावा है कि पुस्तक में इन मामलों से जुड़े घटनाक्रम के साथ दस्तावेजी सामग्री भी दी गई है। उन्होंने कहा कि पुस्तक का उद्देश्य पाठकों के सामने केवल आरोप रखना नहीं, बल्कि संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराकर उन्हें तथ्यों की स्वतंत्र रूप से जांच का अवसर देना है। प्रेसवार्ता में पुस्तक के एक खास पहलू के रूप में क्यूआर कोड का भी उल्लेख किया गया।

20.575 किलो गांजे के साथ तस्कर मुठभेड़ में घायल, पुलिस ने दबोचा

तितावी में नहर पटरी पर चेकिंग के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागा आरोपी, जवाबी कार्रवाई में घायल; 10 लाख रुपये का गांजा, तमंचा और बाइक बरामद

मुजफ्फरनगर। नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन सवेरा के तहत थाना तितावी पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम ने मुठभेड़ के बाद एक कथित मादक पदार्थ तस्कर को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी के कब्जे से 20.575 किलोग्राम अवैध गांजा, एक मोटरसाइकिल और अवैध हथियार बरामद किए गए हैं। बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण अक्षय संजय महाडीक ने बताया कि 20/21 सितंबर की रात थाना तितावी पुलिस और एसओजी देहात की संयुक्त टीम नहर पटरी हैदरनगर बिजलीघर के पास मुकुंदपुर-शाहपुर मार्ग पर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान एक मोटरसाइकिल सवार पुलिस टीम को आता दिखाई दिया। पुलिस ने टॉर्च की रोशनी डालकर उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन बाइक सवार नहीं रुका और मोटरसाइकिल को लखान की ओर मोड़कर भागने लगा।

बाइक गिराकर जंगल की ओर भागा, पुलिस पर की फायरिंग

पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। कुछ दूरी पर तेज गति के कारण मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर गिर गई।

इसके बाद बाइक सवार मोटरसाइकिल मौके पर छोड़कर जंगल की तरफ भागने लगा। पुलिस के अनुसार भागते समय उसने पुलिस टीम पर जान से मारने की नीयत से फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस टीम ने फायरिंग बंद कर आत्मसमर्पण की चेतावनी दी, लेकिन आरोपी ने फायरिंग जारी रखी।

जवाबी फायरिंग में नितिन घायल

पुलिस के अनुसार आत्मरक्षा में की गई जवाबी फायरिंग में आरोपी नितिन पुत्र सोनवीर घायल हो गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया। गिरफ्तार आरोपी ग्राम नूनाखेड़ा, थाना तितावी, मुजफ्फरनगर का निवासी बताया गया है, जबकि उसका स्थायी पता गूंगाखेड़ी, थाना रमाला, जनपद बागपत बताया गया है।

20.575 किलो गांजा, तमंचा और बाइक बरामद

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 20.575 किलोग्राम अवैध गांजा, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये बताई गई है, बरामद किया। इसके अलावा घटना में प्रयुक्त सुपर स्प्लेंडर मोटरसाइकिल यूपी-12 एएस-432, एक 315 बोर का तमंचा, एक जिंदा और एक खोखा कारतूस भी बरामद किया गया। प्रारंभिक पूछताछ में पुलिस के अनुसार नितिन ने बताया कि वह गांजे की तस्करी करता है। सस्ते दामों पर गांजा खरीदकर विभिन्न स्थानों पर ऊंचे दामों में सप्लाई कर अवैध आर्थिक लाभ कमाता है। पुलिस के मुताबिक घटना के समय भी वह गांजे की खेप सप्लाई करने के लिए जा रहा था। इतनी बड़ी मात्रा में गांजा कहां से आया और इसे किन लोगों तक पहुंचाया जाना था, इसकी जांच की जा रही है। थाना तितावी पुलिस आरोपी के फॉरवर्ड और बैकवर्ड लिंक खंगाल रही है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गांजे की सप्लाई में आरोपी के साथ और कौन-कौन लोग जुड़े हैं।

आरोपी पर पहले से कई मुकदमे दर्ज

पुलिस के अनुसार नितिन के खिलाफ मुजफ्फरनगर और बागपत के विभिन्न थानों में कई मुकदमे दर्ज हैं। इनमें शस्त्र अधिनियम, हत्या के प्रयास, आबकारी अधिनियम, गैंगस्टर एक्ट, धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं के मामले शामिल हैं।

जिला कारागार में डीएम-एसएसपी का औचक निरीक्षण, बैरकों से रसोईघर और अस्पताल तक परखी व्यवस्थाएं

बंदियों से सीधे बातचीत कर जानी सुविधाएं और समस्याएं, जैमर और सीसीटीवी कैमरों की जांच; शातिर बंदियों पर कड़ी निगरानी और प्रतिबंधित सामग्री पर पूरी तरह रोक के निर्देश

मुजफ्फरनगर। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक संजय कुमार वर्मा ने सोमवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। दोनों अधिकारियों ने पुरुष और महिला बैरकों, रसोईघर, कारागार कार्यालय, अस्पताल और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बंदियों से सीधे बातचीत कर जेल में मिलने वाली सुविधाओं और उनकी समस्याओं की जानकारी ली। साथ ही जेल प्रशासन को साफ-सफाई, भोजन, स्वास्थ्य सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

जिलाधिकारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने जिला कारागार में पुरुष और महिला बंदियों के लिए बनी बैरकों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बैरकों में साफ-सफाई, बंदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं और व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देश दिए कि बैरकों में नियमित रूप से सफाई कराई जाए और बंदियों को निर्धारित सुविधाएं उपलब्ध कराने में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। निरीक्षण के दौरान दोनों अधिकारियों ने पुरुष और महिला बंदियों से सीधे बातचीत की। उन्होंने बंदियों से जेल में मिलने वाली सुविधाओं, भोजन, उपचार, साफ-सफाई तथा अन्य व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों ने यह भी जाना कि किसी बंदी को किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं है।

अधिकारियों ने जेल प्रशासन को निर्देश दिए कि बंदियों की जायज समस्याओं का नियमानुसार समाधान कराया जाए और शासन की मंशा के अनुरूप उन्हें सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

रसोईघर में सफाई और भोजन की गुणवत्ता पर जोर

इसके बाद अधिकारियों ने जिला कारागार के रसोईघर का निरीक्षण किया। रसोईघर में साफ-सफाई और भोजन तैयार करने की व्यवस्था का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने निर्देश दिए कि बंदियों को निर्धारित भोजन सूची के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने रसोईघर में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने और भोजन की गुणवत्ता की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि बंदियों को मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता और मात्रा में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

कारागार कार्यालय में अभिलेखों की जांच

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी और एसएसपी ने कारागार परिसर स्थित कार्यालय का भी निरीक्षण किया। उन्होंने विभिन्न अभिलेखों के रखरखाव की स्थिति देखी। अधिकारियों ने जरूरी अभिलेखों को व्यवस्थित और सुरक्षित

रखने के निर्देश दिए। मुलाकाती रजिस्टर का भी अवलोकन किया गया। अधिकारियों ने जेल में आने वाले मुलाकातियों से संबंधित विवरण निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार दर्ज करने और अभिलेखों का नियमित रखरखाव करने को कहा। जिला कारागार की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी अधिकारियों ने विशेष सतर्कता बरती। निरीक्षण के दौरान जेल परिसर में लगे जैमर और सीसीटीवी कैमरों को चेक किया गया। अधिकारियों ने सुरक्षा उपकरणों की कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने जेल प्रशासन को निर्देश दिए कि सभी सुरक्षा उपकरण हमेशा चालू हालत में रहें और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से जेल परिसर की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी रखी जाए।

अस्पताल पहुंचकर दवाइयों और उपचार की ली जानकारी

इसके बाद जिलाधिकारी और एसएसपी ने कारागार परिसर में स्थित अस्पताल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने अस्पताल में उपलब्ध दवाइयों, मरीजों के उपचार और बाह्य रोगी विभाग की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली।

खतौली के रेशमा हत्याकांड का खुलासा: हिस्ट्रीशीटर पति गिरफ्तार, नहर में फेंका था शव, प्पल व मोबाइल बरामद

घरेलू कलह में बेटे और भतीजे संग मिलकर रचा था खौफनाक षड्यंत्र

खतौली। थाना खतौली पुलिस ने रेशमा हत्याकांड का सनसनीखेज खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी और थाने के हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर लिया है। शातिर आरोपी ने घरेलू विवाद के चलते अपने ही बेटे और भतीजे के साथ मिलकर पत्नी की बेदर्दी से गला घोंटकर हत्या कर दी थी और साक्ष्य छिपाने की नीयत से उसके शव को नहर में फेंक दिया था। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर मृतका की एक जोड़ी काले रंग की चप्पल और उसका ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन बरामद कर लिया है। इस मामले की जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि गत 15 सितंबर को रेशमा के परिजनों ने थाने पहुंचकर तहरीर दी थी, जिसमें उन्होंने रेशमा को अगवा कर कहीं छिपाए जाने की आशंका जताई थी। परिजनों की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए खतौली पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश शुरू की। विवेचना के दौरान जब पुलिस ने डिजिटल और

परिस्थितिजन्य साक्ष्यों को खंगाला, तो मामला साधारण गुमशुदगी या अपहरण का न होकर हत्या का निकला। इसके बाद पुलिस ने मुकदमे में हत्या और साक्ष्य मिटाने समेत अन्य गंभीर धाराएं बढ़ा दीं। पुलिस जांच में सामने आया कि रेशमा का विवाह लगभग 18 वर्ष पूर्व मोहल्ला सदीकनगर, थाना खतौली निवासी वकील पुत्र हाजी नसीब के साथ हुआ था। आरोपी वकील खतौली थाने का सूचीबद्ध हिस्ट्रीशीटर है। पूछताछ में आरोपी ने कबूला कि शादी के इतने वर्षों बाद भी उनके बीच घरेलू बातें और आपसी कलह बनी रहती थी। आए दिन होने वाले झगड़ों से तंग आकर उसने रेशमा को रास्ते से हटाने का मन बना लिया। इस खौफनाक साजिश में उसने अपने पुत्र और भतीजे को भी शामिल कर लिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि योजना के मुताबिक 5 सितंबर की रात को उन्होंने रेशमा का गला घोंटकर उसे मौत के घाट उतार दिया। वारदात के बाद कत्ल को छुपाने के लिए शव को पास ही बहती नहर में बहा दिया। कत्ल को अंजाम देने के बाद आरोपी अपने पूरे परिवार के साथ खतौली से फरार हो गया था।

पुलिस टीम आरोपी की लगातार तलाश कर रही थी। इस बीच सूचना मिली कि हिस्ट्रीशीटर वकील किसी काम से खतौली आया हुआ है, जिसके बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उसे घेराबंदी कर धर दबोचा।

न्यायालय में पेशी, सह-आरोपियों की तलाश जारी

पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी वकील के कब्जे से मृतका रेशमा का ओप्पो मोबाइल और उसकी पुरानी काले रंग की चप्पल बरामद कर ली है। पुलिस ने आरोपी को विधिक प्रक्रिया पूरी करने के बाद न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि वारदात में शामिल आरोपी के पुत्र और भतीजे की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है, जल्द ही उन्हें भी गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

समरसता के मंच पर मंत्री का सख्त तेवर, जिलाध्यक्ष को हाथ से पीछे करने का वीडियो वायरल

पचेंडा रोड सम्मेलन में भाषण के बीच संजय राठी पहुंचे अनिल कुमार के पास, मंत्री बोले– एक मिनट रुक जाओ अध्यक्ष जी... पीछे को हट जाओ; कैमरे में कैद हुआ पूरा घटनाक्रम

मुजफ्फरनगर। राष्ट्रीय लोकदल के सामाजिक समरसता सम्मेलन के मंच से एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने पार्टी के अंदरूनी तालमेल और मंचीय व्यवहार को लेकर चर्चा छेड़ दी है। वीडियो में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार अपने ही दल के मुजफ्फरनगर जिलाध्यक्ष संजय राठी को हाथ के इशारे से पीछे करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान मंत्री का लहजा भी सख्त दिखाई दे रहा है। वीडियो में नजर आ रहा है कि मंत्री अनिल कुमार मंच से संबोधन कर रहे हैं। इसी दौरान जिलाध्यक्ष संजय राठी उनके पास पहुंचते हैं और बेहद करीब खड़े होकर उनसे कुछ कहने या संकेत करने का प्रयास करते हैं। तभी मंत्री उन्हें रोकते हुए कहते सुनाई देते हैं–ह्यएक मिनट रुक जाओ अध्यक्ष जी, छेड़ो ना, पीछे को हट जाओ।ह्व इसके साथ ही मंत्री हाथ बढ़ाकर राठी को पीछे कर देते हैं। राठी पीछे हट जाते हैं और अनिल

कुमार अपना संबोधन जारी रखते हैं। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में घटनाक्रम का यह हिस्सा साफ दिखाई दे रहा है। एक ओर मंच पर पार्टी के वरिष्ठ नेता मौजूद हैं, वहीं दूसरी ओर भाषण के बीच जिलाध्यक्ष का मंत्री के पास पहुंचना और उसके बाद मंत्री द्वारा उन्हें पीछे करना कैमरे में कैद हो गया। कार्यक्रम में रालोद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और जनप्रतिनिधि मौजूद थे। सम्मेलन में जिलाध्यक्ष संजय राठी की मौजूदगी की भी रिपोर्टिंग हुई है। वीडियो सामने आने के बाद चर्चा सिर्फ इस बात की नहीं है कि मंत्री ने जिलाध्यक्ष को पीछे क्यों किया, बल्कि मंच पर इस तरह का व्यवहार सार्वजनिक रूप से किए जाने को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। हालांकि वायरल वीडियो में दोनों के बीच इससे पहले क्या बातचीत हुई, संजय राठी किस बात को लेकर मंत्री के पास पहुंचे और अनिल कुमार ने उन्हें तत्काल पीछे हटने के लिए क्यों कहा– इसका पूरा संदर्भ दिखाई नहीं देता। यानी कैमरे में मंत्री का सख्त लहजा, जिलाध्यक्ष का मंत्री के करीब पहुंचना और हाथ से पीछे किए जाने का दृश्य स्पष्ट है, लेकिन उससे पहले की बातचीत का पूरा हिस्सा सामने नहीं है। इसलिए वीडियो के आधार पर दोनों के बीच की पूरी स्थिति के बारे में निष्कर्ष निकालना संभव नहीं है। दिलचस्प पहलू यह है कि यह कोई सामान्य कार्यकर्ता बैठक नहीं थी। रालोद ने पचेंडा रोड के जनता इंटर कॉलेज मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम को सामाजिक समरसता सम्मेलन के रूप में आयोजित किया था। सम्मेलन में सामाजिक एकता, समानता, संवाद, समन्वय और सर्वसमाज की भागीदारी जैसे मुद्दों पर जोर दिया गया। जयंत चौधरी ने भी अपने संबोधन में समान अवसर, सम्मान और संवाद की जरूरत पर जोर दिया। ऐसे में उसी कार्यक्रम का यह वीडियो सामने आने के बाद मंच से दिए गए संदेश और कैमरे में दिखाई दे रहे इस खास घटनाक्रम को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग चचाएं हो रही हैं। रालोद ने सम्मेलन की तैयारियां कई दिन पहले से शुरू कर दी थीं।

ककरौली में तालाब में डूबने से मासूम आयांश की मौत: परिवार में मचा कोहराम, ढांसरी गांव में पसरा सन्नाटा

मोरना। ककरौली थाना क्षेत्र के गांव ढांसरी में उस समय मातम पसर गया जब रविवार से लापता ढाई वर्षीय मासूम का शव गांव के ही तालाब से बरामद हुआ। दादा की नजरों से दूर होते ही मासूम हादसे का शिकार हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। उधर, घनी आबादी के बीच स्थित तालाब में बार-बार हो रहे हादसों को लेकर ग्रामीणों में गहरा रोष है और उन्होंने प्रशासन से अविलंब बाउंड्री वॉल कराने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह गांव ढांसरी निवासी श्यामसिंह अपने ढाई वर्ष के पौत्र आयांश पुत्र अनुज कुमार के साथ घर के समीप स्थित मंदिर में गए थे। रोजाना की भांति श्यामसिंह मंदिर परिसर

में अन्य ग्रामीणों के साथ बातचीत करने बैठ गए। इस दौरान मासूम आयांश आसपास ही टहलने व खेलने लगा। कुछ देर बाद जब परिजनों की नजर उस पर नहीं पड़ी, तो दादा श्यामसिंह ने उसकी खोजबीन शुरू की। घर पर भी संपर्क किया गया, लेकिन आयांश का कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों और ग्रामीणों ने मिलकर गांव व संभावित रास्तों पर तलाश अभियान चलाया। मासूम के मंदिर के समीप स्थित तालाब में गिरने की आशंका जताए जाने पर नायब तहसीलदार जानसठ बृजेश कुमार और ककरौली पुलिस बल मौके पर पहुंचे। अधिकारियों की देखरेख में पंप लगवाकर तालाब से पानी निकलवाया गया और देर शाम तक सर्च अभियान चलाया गया। इसके बाद सोमवार सुबह तड़के दोबारा तालाब में खोजबीन शुरू की गई, जहां से मासूम आयांश का शव बरामद कर लिया गया। शव मिलते ही परिजनों की चीख-पुकार से पूरा इलाका दहल उठा। मासूम आयांश की दर्दनाक मौत से दलित परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

मुजफ्फरनगर में सरकारी तालाब की जमीन पर कब्जा: मकान व धार्मिक स्थल का हुआ निर्माण, यूपी शासन से डीएम को जांच कराने व कार्रवाई के निर्देश

इंदिरा कालोनी में सरकारी तालाब (जोहड़ जलमग्न भूमि) पर अवैध कब्जे का मामला: विधायक मिथलेश पाल की चिट्ठी के बाद के पत्र पर सख्त शासन सख्त,

मुजफ्फरनगर। नगर पालिका क्षेत्र की इंदिरा कॉलोनी में स्थित सरकारी तालाब (जोहड़ जलमग्न भूमि) पर किए गए अवैध कब्जे के मामले ने अब राजनीतिक और प्रशासनिक तूल पकड़ लिया है। मीरापुर से रालोद (राष्ट्रीय लोकदल) विधायक मिथलेश पाल द्वारा लिखे गए पत्र पर मुख्यमंत्री कार्यालय ने गंभीर संज्ञान लिया है। मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव (एसीएस) संजय प्रसाद ने मुजफ्फरनगर के जिलाधिकारी (डीएम) को इस मामले की त्वरित जांच कराकर सरकारी भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त कराने के सख्त निर्देश जारी किए हैं। यह पूरा मामला इंदिरा कॉलोनी स्थित खसरा नंबर 409 की सरकारी तालाब

की जमीन से जुड़ा है। करीब दो सप्ताह पूर्व स्थानीय निवासी नरेश कुमार पाल ने इस सार्वजनिक भूमि पर हो रहे अवैध निमाणों को लेकर मीरापुर विधायक मिथलेश पाल से गुहार लगाई थी। दरअसल शिकायतकर्ता का आरोप था कि तालाब की सार्वजनिक और जलमग्न भूमि पर दबंगों द्वारा अवैध रूप से पक्के मकान बना लिए गए हैं। नियमों को ताक पर रखकर तालाब की जमीन पर बिना प्रशासनिक अनुमति के एक धार्मिक स्थल भी स्थापित कर दिया गया है, जहाँ लाउडस्पीकर का प्रयोग किया जा रहा है। जनता की इस समस्या को गंभीरता से लेते हुए विधायक मिथलेश पाल ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर मामले में कड़ी कार्रवाई की मांग की थी।

जल्द हो सकती है कार्रवाई?

शासन स्तर से मिले सख्त निर्देशों के बाद अब स्थानीय प्रशासन हरकत में आने की तैयारी कर रहा है। सूत्रों के मुताबिक जब इस संबन्ध में मुजफ्फरनगर जिला प्रशासन जल्द ही इस मामले में शासन के निर्देशों और जमीन संबन्धी पत्रवालियों के पन्ने पलटने वाला है और नियमों के अनुसार सरकारी तालाब की जमीन पर अवैध निर्माण व कब्जे को हटाने की की कार्रवाई करेगा। यदि सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा पाया गया तो उसकी नियमानुसार जांच के बाद जमीन को कब्जा मुक्त करके भूमाफियों के खिलाफ भी सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी? अवैध कब्जों के खिलाफ लोगों में जगी कार्रवाई की उम्मीद

इंदिरा कॉलोनी में सरकारी जोहड़ पर हुए इस अवैध कब्जे की खबर के बाद स्थानीय निवासियों में भूमि मुक्त होने की उम्मीद जगी है। शासन की सख्ती के बाद यह तय माना जा रहा है कि राजस्व विभाग और नगर पालिका की संयुक्त टीम जल्द ही खसरा नंबर 409 का सीमांकन (पैमाइश) कर अवैध निर्माणकताओं के खिलाफ बेदखली की कार्रवाई शुरू करेगी।

संपादकीय

‘नई दिल्ली घोषणापत्र’ समूह की बदलती भूमिका का महत्त्वपूर्ण संकेत

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन- 2026 में ‘नई दिल्ली घोषणापत्र’ को अपनाया जाना इस समूह की बदलती भूमिका का महत्त्वपूर्ण संकेत है। भारत की अध्यक्षता में हुए इस सम्मेलन की पृष्ठभूमि में पश्चिम एशिया का संघर्ष, रूस-यूक्रेन युद्ध, व्यापारिक तनाव, शुल्क नीति और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की मांग जैसे मुद्दे प्रमुख रहे। घोषणापत्र का सबसे अहम पहलू बहुपक्षीय और अधिक न्यायपूर्ण विश्व व्यवस्था तथा वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देना है। इसे भारत के प्रयासों को सामूहिक रूप से आगे बढ़ाने की नजर से देखा जा रहा है।दरअसल, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में विकासशील देशों की भागीदारी एवं प्रतिनिधित्व बढ़ाने की मांग लंबे समय से भारत की प्राथमिकता रही है। इसका मतलब है कि विश्व स्तर के निर्णय केवल कुछ शक्तिशाली देशों तक सीमित न रहें, बल्कि वैश्विक दक्षिण की आवाज भी प्रभावी ढंग से सुनी जाए। ब्रिक्स के सभी सदस्य देशों की संयुक्त घोषणापत्र पर सहमति बनाने में सफलता को भी भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है।घोषणापत्र में आतंकवाद के खिलाफ स्पष्ट रुख भी भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा सकता है। इसमें आतंकवाद के सभी रूपों की निंदा करते हुए उसके वित्तपोषण, सीमा पार से घुसपैठ और आतंकियों को सुरक्षित पनाह देने की समस्या से निपटने की प्रतिबद्धता दोहराई गई है। घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा की गई है। भारत के लिए यह इसलिए महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि वह लंबे समय से आतंकवाद को वैश्विक चुनौती के रूप में उठाता रहा है।हालांकि घोषणापत्र की वास्तविक सफलता इससे तय होगी कि सदस्य देश आतंकवाद के खिलाफ साझा नीति को व्यवहार में कितना उतारते हैं। ब्रिक्स देशों ने अमेरिका की एकतरफा शुल्क नीति पर भी गहरी चिंता जताई और गैर-शुल्क व्यापारिक उपायों की वकालत की। स्थानीय मुद्रा में व्यापार, सीमा-पार भुगतान और वित्तीय सहयोग को बढ़ावा देना भी इसी का हिस्सा है। वर्तमान वैश्विक व्यापार में बढ़ते संरक्षणवाद के बीच यह संदेश महत्त्वपूर्ण है।तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल ढांचे और सतत विकास भी भारत के एजंडे में प्रमुखता से शामिल हैं। इसके मद्देनजर भारत ने लचीलेपन, नवाचार, सहयोग एवं स्थिरता पर जोर दिया है और इसे ब्रिक्स देशों के घोषणापत्र में भी जगह दी गई है। स्पष्ट है कि ब्रिक्स अब स्वास्थ्य, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा, पर्यावरण और मानव विकास जैसे क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाने की दिशा में कदम बढ़ा रहा है। पश्चिम एशिया के संघर्ष पर घोषणापत्र में संयम, संवाद और कूटनीति का आह्वान एकजुटता को दर्शाता है।ईरान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे अलग-अलग हितों वाले देशों की मौजूदगी के बावजूद साझा दृष्टिकोण पर सहमति बनना दुनिया के लिए एक सार्थक संदेश है।

सीनेट से पहले ही पारित हो चुके इस ऐतिहासिक विधेयक पर ट्रंप के हस्ताक्षर के बाद इसका नाम अब ‘लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026’ हो गया है। प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक को 262/159 के बहुमत से पारित किया गया। इस कानून के जरिए अमेरिका दरअसल रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों तथा प्रतिबंधों से बचने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रूसी तेल टैंकरों के गुप्त बेड़े ‘शैडो फ्लीट’ को निश्चित रूप से निशाना बनाएगा।

भारत के लिए क्यों बढ़ी ट्रंप की नई टैरिफ शक्ति की चिंता? हताशा की प्रतिक्रिया से उपजी चुनौतियां

(पुष्परंजन)

आम अमेरिकियों को यह चिंता सता रही है कि अमेरिका में आहूत मध्यावधि चुनाव एक डरावना सच न साबित हो जाए। जो बात परेशान करने वाली है, वह यह कि अमेरिकी महंगाई का असर इस बार कहीं भारत पर न पड़े। यह सच है कि 2008 की अमेरिकी मंदी का असर हमारे देश पर वित्तीय बाजारों, निर्यात और विदेशी निवेश के जरिए पड़ा था। अमेरिका में महंगाई बढ़ने या फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें बढ़ाए जाने का सीधा प्रभाव भारत की अर्थव्यवस्था, शेयर बाजार और आम आदमी की जेब पर पड़ता है।

इस बार एक और खतरनाक काम इसी हफ्ते अमेरिकी संसद में हुआ है। शुल्क लगाने के लिए एक ऐसे विधेयक को स्वीकृति दी गई, जिससे ट्रंप की शक्तियां असीमित होने जा रही हैं। भारत के लिहाज से देखें, तो यह विधेयक अत्यंत घातक नतीजे देने वाला साबित हो सकता है।

अधिकार का दायरा

गौरतलब है कि अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा (हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स) ने बुधवार, 16 सितंबर 2026 को दिवंगत रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के सम्मान में नामित रूस और ईरान प्रतिबंध विधेयक को अंतिम मंजूरी दे दी। सीनेटर ग्राहम का इसी वर्ष जुलाई में अचानक निधन हो गया था। यह विधेयक पहली बार अप्रैल 2025 में पेश किया गया था। अगस्त 2026 में अमेरिकी सीनेट ने इसे 86-11 के भारी बहुमत से पास किया था। एक साल से ज्यादा समय तक चली जटिल बातचीत के बाद ग्राहम ने वाइट हाउस को इसके लिए राजी करने में अहम भूमिका निभाई। अपनी मौत से ठीक एक दिन पहले वे सार्वजनिक रूप से यूक्रेन में देखे गए थे। दौरे के दौरान कीव की सड़कों पर टैंकों के सामने खड़े होकर उन्होंने घोषणा की कि ट्रंप इस विधेयक का समर्थन करेंगे।

सीनेट से पहले ही पारित हो चुके इस ऐतिहासिक विधेयक पर ट्रंप के हस्ताक्षर के बाद इसका नाम अब ‘लिंडसे ओ ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026’ हो गया है। प्रतिनिधि सभा में इस विधेयक को 262/159 के बहुमत से पारित किया गया। इस कानून के जरिए अमेरिका दरअसल रूस के ऊर्जा और रक्षा क्षेत्रों तथा प्रतिबंधों से बचने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले रूसी तेल टैंकरों के गुप्त बेड़े ‘शैडो फ्लीट’ को निश्चित रूप से निशाना बनाएगा।

इस विधेयक की सबसे बड़ी बात यह है कि यह अमेरिकी राष्ट्रपति को उन देशों पर सौ फीसद तक सीमा शुल्क (टैरिफ) लगाने का अधिकार देता है, जो रूस से कच्चा तेल या गैस खरीदना जारी रख रहे हैं। रूस से बड़े पैमाने पर तेल खरीदने के कारण भारत और चीन इसके मुख्य दायरे में आ सकते हैं।

प्रतिक्रिया की जड़

प्रतिनिधि सभा में जो कुछ हुआ, उसे देखकर साफ लगता है कि ज्यादातर रिपब्लिकन सांसद इस विधेयक का समर्थन करते हैं, लेकिन बातचीत की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक, हाल के दिनों में लगभग एक दर्जन रिपब्लिकन सांसदों ने पार्टी नेताओं से विधेयक में शामिल शुल्क से जुड़ी नई शक्तियों को हटाने के लिए पैरवी की थी और एक तरह से इसके लिए अभियान चलाया था। उन्हें डर था कि नवंबर 2026 में मध्यावधि चुनावों से ठीक पहले कीमतें और बढ़ सकती हैं। नवंबर में रिपब्लिकन की जीत पर हर अमेरिकी को 5,000 डॉलर का चेक देने का ट्रंप का बड़ा मध्यावधि प्रस्ताव भी ठंडे बस्ते में जाता दिख रहा है, क्योंकि कैपिटल हिल के सत्तारूढ़ रिपब्लिकन नेताओं ने इस विचार से खुद को दूर कर लिया है।

इस कानून के तहत मिली नई शुल्क नीति लागू करने की शक्तियों का इस्तेमाल करके ट्रंप प्रशासन रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों, जिनमें चीन और भारत भी शामिल हैं, पर सौ फीसद तक का शुल्क (लेवी) लगा सकता है। आलोचकों का कहना है कि इससे अर्थव्यवस्था को जबरदस्त झटका लग सकता है। मगर ट्रंप क्या ये सब ब्रिक्स सम्मेलन की सफलता देखकर अपनी खुन्नस निकाल रहे हैं?

रणनीतिक पहल

दिल्ली में संपन्न हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन और नई दिल्ली घोषणापत्र में अमेरिकी प्रतिबंधों, शुल्क की धमकियों और वैश्विक स्तर पर डॉलर के वर्चस्व को लेकर चिंता जताई गई थी। उसके बाद से ही अमेरिकी रणनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ गई। बताया गया कि अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीर अंतिम शुल्क दर तय करेंगे, लेकिन इससे सार्वजनिक रूप से बात करने वाले कुछ डेमोक्रेट सांसद और निजी तौर पर चिंता जताने वाले रिपब्लिकन सांसदों की चिंताएं दूर नहीं हुई हैं। उनका मानना है कि इस संभावित सुरक्षा उपाय के बावजूद यह कानून आखिरकार शुल्क के मामले में ट्रंप को ही ताकतवर बनाएगा। ट्रंप के ताकतवर होने का मतलब है, वे अपनी मनमानी करेंगे।

हालांकि कानून का समर्थन करने वाले दोनों पक्षों का तर्क है कि शुल्क से जुड़ी शक्ति सीमित और सोच-समझकर तय की गई है और यह डर बेबुनियाद है कि राष्ट्रपति को व्यापार के मामलों में ज्यादा ताकत मिल जाएगी। बहरहाल, रिपब्लिकन पार्टी के ज्यादातर लोग इस ‘पैकेज’ का समर्थन करने के लिए उत्सुक थे, जिसमें राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन समेत रूसी सरकार के बड़े अधिकारियों, रूसी उद्योगपतियों, सरकारी कंपनियों और रूस के रक्षा उद्योग को समर्थन देने वाली विदेशी कंपनियों पर अनिवार्य प्रतिबंध लगाने का प्रावधान है।

प्राथमिकता का तकाजा

डोनाल्ड ट्रंप संयुक्त राज्य अमेरिका के सैंतालीसवें राष्ट्रपति हैं। यह उनका दूसरा और अंतिम कार्यकाल है। रिपब्लिकन पार्टी ट्रंप के नाम पर अब और अधिक दांव नहीं खेलना चाहती। अमेरिकी राजनीति मुख्य रूप से दो बड़ी पार्टियों- वर्तमान में प्रतिपक्षी डेमोक्रेट और सत्तारूढ़ रिपब्लिकन के बीच बंटी हुई है। ट्रंप का इन दोनों पार्टियों के साथ एक दिलचस्प इतिहास रहा है। राजनीति में आने से पहले वे एक समय (2001 से 2009 के बीच) एक पंजीकृत डेमोक्रेटिक सदस्य भी रह चुके हैं। हालांकि बाद में उन्होंने पाला बदला और रिपब्लिकन पार्टी में शामिल होकर इसकी पूरी विचारधारा को अपने ‘एमएजीए’ (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन के तहत नया रूप दे दिया।

अब सवाल है कि भारत को किस रणनीति पर चलने की जरूरत है? बीते वर्ष अगस्त में अमेरिकी शुल्क-नीति के दबाव के बरक्स इस बार भारत ने शुरुआती दौर में ही स्पष्ट कर दिया है कि उसके लिए अपने आम नागरिकों की ऊर्जा जरूरतें और राष्ट्रीय हित का सवाल प्राथमिक है और वह इसे सुनिश्चित करेगा। यों भी, भारत की 1.4 अरब आबादी की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए एक दीर्घकालिक रणनीति की जरूरत है। जाहिर है, भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए रूस से तेल आयात जारी रखना चाहिए। हमें वैकल्पिक ऊर्जा की ओर ध्यान देना होगा। अमेरिका से किसी भी अनुचित या असमान व्यापार समझौते के दबाव में आकर अपने वाणिज्यिक हितों का समझौता नहीं करना चाहिए।

‘ब्रांड मोदी’ से ब्रिक्स तक, राजनीति में छवियों का यह खेल क्या कहता है?

(सुधीश पचौरी)

‘ब्रिक्स’ की बल्ले-बल्ले भारत की हल्ले-हल्ले..! मोदी-पुतिन की झप्पियां, मोदी-जिनपिंग का हाथ मिलाना और मोदी-पेजेश्कियान की मुस्कियांज ये छवियां दिनों तक याद रहेंगी..! एक लंबा चौड़ा घोषणा-पत्रज कि आतंकवाद के खिलाफ कोई नरमी नहींज कोई समझौता नहींज कि युद्ध नहीं, शांति की जरूरत, किसी देश की दादागीरी स्वीकार नहीं..! तीन दिन तक लगातार ब्रिक्स सम्मेलन की चमक।

मीडिया हुआ बावला कस के मारे अमेरिका और पाक पर कटाक्ष कि ये बना दुनिया के तीन अरब लोगों का संयुक्त मोर्चाज अमेरिकी दादागीरी को आईनाज्डालर के विकल्प की मांग, जिसके तहत ‘ब्रिक्स’ के सदस्य देश आपस में अपनी-अपनी मुद्रा में कारोबार कर सकते हैं और डालर की दादागीरी से मुक्त हो सकते हैं!

उधर, जब ब्रिक्स में कुछ निंदनीय न मिला, तो निशाना बने ‘छोले-भटूरेज’ कि विदेशी मेहमानों को शाकाहारी ही क्यों परोसा! भोजन की राजनीति पर चर्चा दो दिन जारी रही, लेकिन तीसरे दिन के बाद निपट गई।

फिर एक दिन खबर आई कि फिल्म ‘हनुमान अंश’ ने ‘धुरंधर’ के भी रिकॉर्ड को तोड़ा दो करोड़ का खर्चा और कुछ ही दिनों में दो सौ करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई..! ‘हनुमान अंश’ के निर्देशक बताते रहे कि किस तरह से ‘नीम करौली बाबा’ सभी को ‘हनुमान चालीसा’ का पाठ करने को कहा करते थे और पाठ करके उसका अर्थ करते दिखे। कई पंडित बताते रहे कि ‘हनुमान अंश’ ने बड़े बजट की फिल्मों की ऐसी की तैसी कर दी और सबने कहा कि जो फिल्म जनता के दिल की कहानी कहती है, वही हिट होती है।

इसके बरक्स खबर आई ‘उमर खालिद’ पर बने वृत्तचित्र को दिखाने और न दिखाने के विवाद की..! देखा! अपना समाज कितना ‘बहुलतावादी’ है कि सबके अपने-अपने हीरो हो सकते हैं।

फिर एक दिन एलान हुआ कि भाजपा शासित इक्कीस राज्यों में आगामी दिनों में समान नागरिक संहिता यानी यूसीसी लागू होगा। इसके बाद तो चैनलों की बहसें भिड़ंतों में बदलनी ही थी और बदलीं भी। सत्ता कहिन कि विकास के लिए यूसीसी जरूरी, लेकिन विपक्ष के कुछ नेता कहिन कि पहले संसद में पास कराते, फिर लागू करते। ये पिछले दरवाजे से क्यों करते हैं? सत्ता प्रवक्ता कहिन कि ‘एक देश एक कानून जरूरी’। आगे संसद में भी आ जाएगा, लेकिन आप तो तब भी विरोध करेंगे। फिर आई यूपीआई सेवा पर ‘शुल्क’ लगाने की बात और विरोध में सारा विपक्ष एक साथ लामबंद कि यह तो आम लोगों को लूटना है। पहले मुफ्त रखकर लोगों को यूपीआई का चस्का लगाया और जब लोगों को आदत हो गई तो ‘शुल्क’ लगा दिया। यह लोगों की ‘खुली लूट’ नहीं तो और क्या है..! सत्ता कहिन कि व्यक्ति से व्यक्ति के लेनदेन पर कोई शुल्क नहीं, लेकिन दुकान से खरीद-फरोख्त पर 0.4 फीसद शुल्क लगेगा, जिसे दुकानदार देगा। विपक्ष कहिन कि दुकानदार इसका बोझ ग्राहक पर ही तो डालेगा..! कई चर्चक यह भी कहिन कि यह सरकार भी पंगा लेने से बाज नहीं आती। एक तो पहले ही इतनी महंगाई और बेरोजगारी, ऊपर से ये शुल्क, लेकिन सरकार कहे कि यूपीआई के लिए सरकार अब भी 20,000 करोड़ से अधिक की ‘सब्सिडी’ देती है। शुल्क से सरकार का बोझ कुछ ही कम होगा।

फिर एक दिन ‘अंकल सैम जी’ जागे और रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 100 फीसद शुल्क का नियम पारित करा लिए, ताकि रूस यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को ज्यादा न चला सके। कई विशेषज्ञ कहते रहे कि यह सब भारत और चीन के खिलाफ ‘शुल्क आतंक’ है। बहरहाल, अगर रूस ने यूरोप को तेल आपूर्ति बंद कर दी, तो यूरोप तो ठंड से मर जाएगा। तब ‘अंकल सैम’ क्या करेंगे? कुछ कहिन कि भारत को इस गीदड़ भभकी के आगे नहीं झुकना है। एक देशभक्त कहिन कि जब भारत ‘व्यापार समझौते’ पर अब तक नहीं झुका, तो अब क्या झुकेगा?

इसके बाद एक खबर बनाई प्रधानमंत्री मोदी के 76वें जन्मदिवस ने। इस अवसर पर एक ओर ‘जेन-जी पीढ़ी’ द्वारा बाइक रैली निकाली गई। साथ ही बताया गया कि इस अवसर पर 100 शहरों में ‘आशीर्वाद के दीये’ जलाए जाएंगे। इसके बाद कहीं तीस लाख दीये जलाए गए तो कहीं बीस लाख। कहीं दस लाखज तो कहीं दो लाख दीये भी जलाए गए!

इस अवसर पर एक चैनल चर्चा में एंकर से लेकर बहुत से चर्चक ‘ब्रांड मोदी’ को ‘डिकोड’ करने में लगे रहे। एक कहिन कि जो ब्रांड वक्त के हिसाब से अपने को ढालने की क्षमता रखते हैं, वही जिंदा रहते हैं। ‘ब्रांड मोदी’ ऐसा ही है। उदाहरण के लिए 20 जुलाई के बाद जब ‘जेन-जी’ के धरने का दबाव बना, तो तुरंत मोदी अपनी रील बनाकर स्वयं इंस्टाग्राम पर आकर जेन-जी पीढ़ी को संबोधित करते दिखे। ब्रांड मोदी ऐसा ही लचीला है। एक ने कहा कि उनमें अपनी रूढ़ छवि को छोड़ने की जिद है, इसीलिए वे दूसरों से अलग हैं।

बौद्धिकता का संकट- हम अपनी विरासत पर कब तक इठलाते रहेंगे?

ऐसा नहीं है कि उच्च पदों, पुरस्कारों, पुस्तकों और बड़े मंचों के जरिए प्रसिद्धि पाए नामों या टेलीविजन चैनलों पर अराजक भाषा शैली से लोकप्रियता हासिल करने वाले पात्रों की कमी है। मगर उनमें न साहित्य है, न समाजशास्त्र। हां, हंसाने-रुलाने, तालियां बटोरने और जानकारियों को ‘भानुमति का कुनबा’ बनाकर परोसने की कला में वे जरूर निपुण हैं। जब-जब बौद्धिकता का प्रतिनिधित्व ऐसे लोगों द्वारा किया जाता है, समाज दिशाहीन महसूस करता है और मस्तिष्क अपनी बौद्धिक भूख मिटाने के लिए विकल्प तलाशता है। आज वही हो रहा है। भौतिकता और तकनीक सबसे नजदीक के मानसिक पड़ोसी बनते जा रहे हैं।

(राकेश सिन्हा)

साधारणतया यह अपेक्षा की जाती है कि अगली पीढ़ी अपने पहले की पीढ़ी से अधिक बौद्धिकता-संपन्न होगी। मगर परिस्थितियां इसके विपरीत हैं।

भारत के कोने-कोने में बौद्धिक गतिविधियों के आयोजन की ललक देखी जा सकती है। कई ग्रामीण अंचलों में तो दो या तीन दिनों का वार्षिक व्याख्यान आयोजित होता है। यह लोगों की बौद्धिक रुचि का सूचक है। मगर इन आयोजकों को संसाधनों की कमी का संकट नहीं, बल्कि उन्हें वक्ताओं की खोज में पसीना बहाना पड़ता है।

ऐसा नहीं है कि उच्च पदों, पुरस्कारों, पुस्तकों और बड़े मंचों के जरिए प्रसिद्धि पाए नामों या टेलीविजन चैनलों पर अराजक भाषा शैली से लोकप्रियता हासिल करने वाले पात्रों की कमी है। मगर उनमें न साहित्य है, न समाजशास्त्र। हां, हंसाने-रुलाने, तालियां बटोरने और जानकारियों को ‘भानुमति का कुनबा’ बनाकर परोसने की कला में वे जरूर निपुण हैं। जब-जब बौद्धिकता का प्रतिनिधित्व ऐसे लोगों द्वारा किया जाता है, समाज दिशाहीन महसूस करता है और मस्तिष्क अपनी बौद्धिक भूख मिटाने के लिए विकल्प तलाशता है। आज वही हो रहा है। भौतिकता और तकनीक सबसे नजदीक के मानसिक पड़ोसी बनते जा रहे हैं।

ऐसा उस देश में हो रहा है, जहां सिद्धांतों और दर्शनों की सूची कभी पूर्ण रूप से तैयार नहीं की जा सकती है। पतंजलि, गौतम बुद्ध, बाणभट्ट और कालिदास समेत अनगिनत रचनाकार हैं। मगर पिछले पांच-छह दशकों से नेहरू और गोलवलकर के बीच स्वघोषित पैरोकार बनकर बौद्धिक वर्ग प्रतिस्पर्धा करता रहा है। ऐसा करने से न तो नेहरू का नुकसान हुआ और न ही गोलवलकर का। हां, बौद्धिकता का ह्रास जरूर हुआ। यह प्रवृत्ति नेहरूवादियों और वामपंथियों ने शुरू की। जी भरकर गोलवलकर पर कीचड़ उछाला गया। स्वाभाविक है, प्रत्युत्तर के लायक नेहरू ही थे।

इसने विश्वविद्यालय परिसरों एवं राजनीतिक गलियारों के बीच भाषा, भाव-भंगिमा और तर्क सहित सभी स्तरों पर अंतर समाप्त कर दिया। इसका एक और दुष्परिणाम हुआ- बुद्धिजीवियों में राजनीति के प्रति आकर्षण जरूरत से ज्यादा बढ़ गया। पहले भी थोड़ा-बहुत था, पर जब बौद्धिकता से समझौते का प्रश्न उठा, तब बौद्धिकों ने राजनीति को त्याग दिया। माखन लाल चतुर्वेदी इसके उदाहरण हैं।

स्वतंत्रता संग्राम में दर्जनों बार उनके घर पर साम्राज्यवादियों ने छापा डाला था। उन्होंने जेल से ‘पुष्प की अभिलाषा’ कविता लिखी। स्वतंत्रता के बाद वे मध्य प्रदेश में कांग्रेस में सक्रिय हुए। मगर उन्हें अपमान का सामना करना पड़ा। आदर्श और यथार्थ के बीच के अंतर का प्रत्यक्ष अनुभव लेकर उन्होंने राजनीति को अलविदा कह दिया।

आंचलिक पत्रकारिता के जनक फणीश्वरनाथ रेणु ने भी यही किया। हमारे समाज में ऐसे उदाहरण भरे पड़े हैं। देश की राजनीति में एक अवसर आया, जब इसने श्रेष्ठता को गले लगाया। संविधान सभा महान विभूतियों की जुटान थी, चाहे गांधीवादी हों, समाजवादी हों या दक्षिणपंथी, सभी ज्ञान और अनुभवों का संगम थे। इसलिए विमर्श, संवाद, वाद-विवाद और पात्रता पर जब सवाल उठता है, तो सभी लोग संविधान सभा को ही याद करते हैं। यह राजनीति और बौद्धिकता का सुखद, मगर संक्षिप्त मांगलिक काल था।

पूरी दुनिया की सभ्यता इस बात की साक्षी है कि बौद्धिकता का ह्रास उसे संकीर्णताओं, हिंसात्मक प्रवृत्तियों, अराजक जीवन शैलियों और तर्कहीनता की ओर ले जाता है। साहित्य और समाजशास्त्र ही उसे इस सब से बचाता है। इसका कितना महत्त्व है, इसे इस उदाहरण से समझा जा सकता है- राजा पेएसी (प्रदेशी) अधर्म का प्रचारक था। उसके विवेक और आचरण में धर्म का स्थान नहीं था।

जैन धर्म के संस्थापक पार्श्वनाथ की परंपरा में केशी कुमार श्रमण ने राजा से संवाद किया। वे आध्यात्मिक ज्ञान और चिंतन आधारित स्वाध्याय से लबालब थे। पेएसी आत्मा के अस्तित्व को नकारता था और भौतिकवाद को अंतिम सत्य मानता था। उसने आत्मा के अस्तित्व को जानने के लिए वह प्रयोग कर रखा था, जो आज के समय में डंकन मैकडॉगल ने किया है। उदाहरण के तौर पर प्राणदंड से पूर्व और बाद में चोर का वजन लिया और उसमें कोई अंतर नहीं था। एक चोर को लोहकुंभी में बंद कर शीशे से ढक दिया। मृत्यु के बाद उसमें कोई छेद नहीं दिखा, जहां से आत्मा के बाहर निकलने की पुष्टि हो सके। मगर कुमार श्रमण उस राजा को धर्म की राह पर लाने में सफल रहे।

साधारणतया यह अपेक्षा की जाती है कि अगली पीढ़ी अपने पहले की पीढ़ी से अधिक बौद्धिकता-संपन्न होगी। मगर परिस्थितियां इसके विपरीत हैं। विचार में परिवर्तन के लिए सैकड़ों पुस्तकों, विविध प्रकार के संवादों और रचनात्मक विमर्शों की आवश्यकता होती है। भौतिकता की आहट बीसवीं सदी के मध्य में सुनाई पड़ने लगी थी।

तब भारत के बुद्धिजीवी पीढ़ियों के लिए बौद्धिक ऊर्जा लगाने लगे। 1924 में दक्षिणा रंजन शास्त्री की ‘भारतीय भौतिकवाद पर चार्वाक दृष्टि’ 1940 में गायकवाड़ ओरिएंटल श्रृंखला में जयराशि भट्ट ने तत्वोप्लवसिंह नामक दार्शनिक ग्रंथ की रचना की, जो नास्तिकवाद के एकपक्षीय दर्शन पर था। देवी प्रसाद चट्टोपाध्याय ने ‘लोकायत दर्शन’ (1956) लिखा।

जब नवउदारवाद असामाजिकता, धन पशुता, कामाचार और अराजक जीवन शैली की ओर दुनिया को ले जा रहा है, तब भी बौद्धिक वर्ग ‘नेहरू-गोलवलकर’ के बीच ही शतरंज खेलने में लगा है। समुदाय और परिवार पर घोर भौतिकवाद तथा व्यक्तिवादी संस्कृति के ग्रहण का असर दिखने लगा है। मगर पूरी दुनिया का बौद्धिक समाज अघोषित रूप से ‘नीतिमूलक संप्रदाय’ का हिस्सा बना हुआ है। यह संप्रदाय किसी सिद्धांत को प्रतिष्ठित नहीं होने देता है। सिर्फ चलती-फिरती भाषा में एक-दूसरे पर प्रहार करता है।

न्याय दर्शन में संवाद के तीन प्रकार हैं- वाद, जल्प और वितंडा। सबसे हीन स्तर का वितंडावाद है। इसमें अपना कोई सिद्धांत नहीं होता है।

शामली में श्री एमएस हॉस्पिटल पर स्वास्थ्य विभाग की टीम से बदसलूकी, धक्का-मुक्की कर दी धमकी, पुलिस ने दर्ज किया केस ,फर्जी कागजात पर चल रहा था अस्पताल

शामली। जनपद में कथित रूप से मानकों और जरूरी दस्तावेजों के बिना संचालित अस्पतालों के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई के दौरान सदर कोतवाली क्षेत्र में टीम के साथ कथित बदसलूकी का मामला सामने आया है। दिल्ली रोड स्थित अजंता टॉकीज के पास श्री एमएस हॉस्पिटल में कार्रवाई के लिए पहुंची स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अस्पताल में मौजूद डॉक्टर से डिग्री, प्रमाणपत्र और पंजीकरण से संबंधित दस्तावेज मांगे। स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. दीपक चौधरी के अनुसार, मौके पर संतोषजनक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसके बाद कार्रवाई और सामान सीज करने की प्रक्रिया शुरू की गई।

आरोप है कि इसी दौरान अस्पताल संचालक, उसके भाई और दो-तीन कर्मचारियों ने स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ कहासुनी करते हुए धक्का-मुक्की की और टीम को धमकी दी। स्थिति बिगड़ने पर स्वास्थ्य विभाग की टीम को मौके से बाहर निकलना पड़ा। नोडल अधिकारी ने आरोप लगाया कि अस्पताल संचालक और उसके भाई ने दोबारा कार्रवाई के लिए अस्पताल में नहीं आने की चेतावनी भी दी।

दस्तावेज मांगने के बाद शुरू हुआ विवाद

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के अनुसार, टीम जनपद में कथित फर्जी और मानकों के विपरीत संचालित अस्पतालों के खिलाफ अभियान के तहत श्री एमएस हॉस्पिटल पहुंची थी। टीम ने वहां मौजूद डॉक्टर से उसकी शैक्षिक योग्यता, डिग्री, प्रमाणपत्र और अस्पताल के पंजीकरण से संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा।

नोडल अधिकारी का कहना है कि मौके पर मौजूद लोग कोई संतोषजनक दस्तावेज नहीं दिखा सके। इसके बाद विभागीय टीम ने अस्पताल में नियमानुसार कार्रवाई शुरू की और कुछ सामान को सीज करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई। इसी दौरान विवाद की स्थिति उत्पन्न होने का आरोप है।

सरकारी कार्रवाई में बाधा डालने का आरोप

डॉ. दीपक चौधरी के अनुसार, अस्पताल संचालक, उसके भाई और कर्मचारियों ने टीम के साथ

बहस शुरू कर दी। आरोप है कि मामला कहासुनी से आगे बढ़कर धक्का-मुक्की तक पहुंच गया और स्वास्थ्य विभाग की टीम को धमकाया गया।

स्थिति को देखते हुए टीम मौके से बाहर निकल गई। नोडल अधिकारी ने आरोप लगाया कि अस्पताल संचालक और उसके भाई ने भविष्य में दोबारा कार्रवाई के लिए अस्पताल नहीं आने की चेतावनी दी। घटना की जानकारी पुलिस को देते हुए स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई में सहयोग मंगा।

सरकारी वाहन को लेकर भी उठे सवाल

घटना के बाद सरकारी वाहन के कथित इस्तेमाल को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। नोडल अधिकारी के अनुसार, अस्पताल संचालक के पिता शामली में एक तहसीलदार के यहां चपरासी/अर्दली के पद पर कार्यरत हैं। आरोप है कि घटना के कुछ समय बाद अस्पताल संचालक एक मजिस्ट्रेट की सरकारी गाड़ी लेकर मौके पर पहुंचा।

घटनास्थल पर सरकारी वाहन की मौजूदगी की तस्वीरें सामने आने की बात भी कही जा रही है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि सरकारी वाहन का इस्तेमाल किन परिस्थितियों में और किस अनुमति से किया गया। इस संबंध में संबंधित स्तर पर स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा, जांच शुरू

स्वास्थ्य विभाग के नोडल अधिकारी डॉ. दीपक चौधरी की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि शिकायत में लगाए गए आरोपों के आधार पर मामले की जांच की जा रही है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग की ओर से भी जनपद में बिना आवश्यक दस्तावेजों और निर्धारित मानकों के संचालित किए जा रहे अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रखने की बात कही गई है। अधिकारियों का कहना है कि अभियान के दौरान सरकारी टीम के काम में किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न होने की स्थिति में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

कांधला में भी हो चुकी है कार्रवाई

गौरतलब है कि इससे पहले स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कांधला क्षेत्र में भी एक अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई की थी।

अब श्री एमएस हॉस्पिटल में टीम के साथ कथित बदसलूकी का मामला सामने आने के बाद विभागीय अधिकारियों की सुरक्षा और सरकारी कार्रवाई में बाधा डालने का मुद्दा भी चर्चा में है।

फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। सरकारी वाहन के इस्तेमाल और स्वास्थ्य विभाग की टीम के साथ हुई कथित घटना से जुड़े तथ्यों की जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी।

डॉक्टर पर महिला स्वास्थ्यकर्मी को धमकाने और गाली-गलौज करने का आरोप, डीएम से शिकायत

शामली। जनपद में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) की टीम से जुड़ी एक महिला स्वास्थ्यकर्मी के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज, अभद्र व्यवहार और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। महिला के पति ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर आरोपी डॉक्टर के खिलाफ कार्रवाई और अपनी पत्नी व परिवार की सुरक्षा की मांग की है। महिला के मुताबिक महिला स्वास्थ्यकर्मी फ्ढ्ठरङ टीम में कार्यरत हैं। आरोप है कि 27 अगस्त को ड्यूटी के दौरान डॉक्टर विकास ने महिला स्वास्थ्यकर्मी के साथ कथित तौर पर गाली-गलौज की और जान से मारने की धमकी दी। शिकायतकर्ता के अनुसार मौके पर मौजूद चिकित्सकीय स्टाफ और अन्य कर्मचारियों ने घटना देखी।

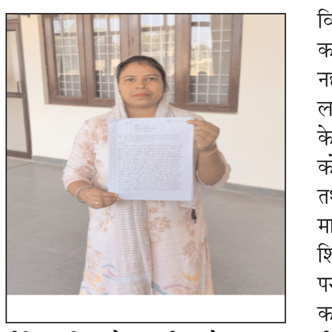

पीडित महिला ने यह भी आरोप लगाया गया है कि डॉक्टर विकास द्वारा महिला स्वास्थ्यकर्मी के साथ लगातार अभद्र व्यवहार किया जा रहा है और स्थानांतरण व रिलीविंग को लेकर दबाव बनाया जा रहा है। शिकायतकर्ता का कहना है कि इस संबंध में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को भी अवगत कराया गया, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। पीडिता ने यह भी आरोप लगाया गया है कि महिला स्वास्थ्यकर्मी के स्थानांतरण के बाद उसे रिलीव कराने को लेकर बार-बार दबाव बनाया गया तथा कथित रूप से 20 हजार रुपये की मांग किए जाने की बात भी कही गई है। शिकायतकर्ता ने संबंधित अधिकारियों पर मामले में उचित कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया है।

पीड़ित पक्ष ने जिलाधिकारी से पूरे मामले की जांच कराकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने तथा महिला स्वास्थ्यकर्मी और उसके परिवार की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है। मामले में अब प्रशासनिक स्तर पर जांच और कार्रवाई का इंतजार है।

हिंदी-उर्दू की साझा विरासत का संदेश दे गई समर्पण की साहित्यिक गोष्ठी

कवि-शायरों की रचनाओं ने बांधा समां, प्रेम, भाईचारे और साझी संस्कृति के रंग में रंगी साहित्यिक शाम-साहित्यकारों को किया गया सम्मानित

मुजफ्फरनगर। हिंदी-उर्दू साहित्यिक संस्था समर्पण की रचनात्मक गोष्ठी योगेंद्रपुरी स्थित असारा हाउस में साहित्यकार तहसीन अली असारवी के आवास पर आयोजित हुई। साहित्यिक आयोजन में हिंदी और उर्दू की साझा विरासत, भाषा के आपसी जुड़ाव और सामाजिक सौहार्द को रचनाओं के माध्यम से सामने रखा गया। कवियों और शायरों ने अपनी बेहतरीन रचनाओं से ऐसा समां बांधा कि देर तक श्रोता साहित्य के रंग में डूबे रहे। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित साहित्यकारों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गीतकार ईश्वर दयाल गुप्ता ने की, जबकि संचालन डॉ. आस मोहम्मद अमीन ने किया। गोष्ठी का शुभारंभ वीणा गर्ग ने सरस्वती वंदना से किया। इसके बाद कलीम त्यागी ने नात-ए-शरीफ पेश कर कार्यक्रम को आध्यात्मिक और साहित्यिक रंग प्रदान किया। शुरूआत से ही सभागार में हिंदी और उर्दू की मिली-जुली साहित्यिक खुशबू महसूस हुई।

गोष्ठी में एक के बाद एक कवियों और शायरों ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं। कर्मवीर सिंह ने साहित्य और प्रेम को जोड़ते हुए कहा, साहित्य की गंगा बहे, यमुना बहे प्रेम की। वहीं अध्यक्षता कर रहे ईश्वर दयाल गुप्ता ने जिंदगी के उतार-चढ़ाव को अपनी पंक्तियों में पिरोते हुए रचना प्रस्तुत की। अब्दुल हक सहर की प्रस्तुति में फकीरी और आत्मसम्मान का भाव नजर आया। योगेंद्र सोम एडवोकेट ने प्रेम की भावनाओं को अपनी रचना के माध्यम से सामने रखा। शायर शमीम किरतपुरी ने रिश्तों की हकीकत और मुश्किल वक्त में बदलते संबंधों पर अपनी रचना सुनाकर श्रोताओं को सोचने पर मजबूर किया। डॉ. वीणा गर्ग ने चांद और अंधेरे के प्रतीक के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। अहमद मुजफ्फरनगरी ने इंसान की ताकत और उसके घमंड पर अपनी रचना प्रस्तुत की। वहीं सलामत राही ने मोहब्बत और जिंदगी में आए बदलावों को शायरी के अंदाज में पेश किया। तहसीन कमर असारवी ने रिश्तों के बिखरने और दिल की अनकही कहानी को अपनी रचना में आवाज दी। रामकुमार शर्मा रागी ने जिंदगी, कमियों और रिश्तों की तल्ख सच्चाइयों को शब्द दिए। उनकी प्रस्तुति पर श्रोताओं ने जमकर दाद दी। गोष्ठी में केवल प्रेम और रिश्तों की बातें ही नहीं हुईं, बल्कि सामाजिक सरोकार भी रचनाओं का हिस्सा बने। कलीम त्यागी ने समाज और कौम की राह में पैदा होने वाली मुश्किलों पर अपनी रचना प्रस्तुत की। डॉ. आस मोहम्मद अमीन ने दिल के राज और नाराजगी को शायरी के माध्यम से व्यक्त किया।

आयुर्वेद को जानो क्विज में छात्राओं ने परखी अपनी समझ, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की दिलाई शपथ

11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में काकड़ा के स्वामी कल्याण देव कन्या इंटर कॉलेज में जनजागरूकता कार्यक्रम; आयुर्वेदिक आहार, दिनचर्या, ऋतुचर्या, योग और संतुलित जीवनशैली की दी जानकारी

मुजफ्फरनगर। 11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष्य में आयुर्वेद जनजागरूकता अभियान के तहत सोमवार को काकड़ा स्थित स्वामी कल्याण देव कन्या इंटर कॉलेज में आयुर्वेद को जानो विषय पर क्विज प्रतियोगिता और शपथ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी उमेश मिश्रा एवं मुख्य विकास अधिकारी कण्डारकर कमल किशोर देशभूषण के निर्देशन तथा क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ. इसम पाल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

आयुर्वेद के ज्ञान से छात्राओं को कराया रूबरू

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं को भारत की प्राचीन चिकित्सा पद्धति आयुर्वेद के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी गई। उन्हें आयुर्वेद के जनक एवं प्रमुख आचार्यों, आयुर्वेद के लाभ, संतुलित आहार, दैनिक दिनचर्या, ऋतु के अनुसार जीवनशैली, योग तथा स्वस्थ जीवनशैली के महत्व के बारे में विस्तार से बताया गया। छात्राओं को यह भी समझाया गया कि बेहतर स्वास्थ्य के लिए खान-पान, दिनचर्या और जीवनशैली में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। कार्यक्रम में स्वस्थ उम्र बढ़ने तथा निरोगी जीवन के लिए आयुर्वेद की उपयोगिता पर भी जानकारी साझा की गई।

आयुर्वेद को जानो क्विज में छात्राओं ने लिया बढ़-चढ़कर हिस्सा

जनजागरूकता अभियान के तहत आयोजित ह्यआयुर्वेद को जानोह्न क्विज प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साह के साथ हिस्सा लिया। प्रतियोगिता के माध्यम से छात्राओं के आयुर्वेद संबंधी ज्ञान को परखा गया और उन्हें भारतीय चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूक किया गया। प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों आफिया, फलक, सानिया, अनु, संजना, फाएजा और सोफिया को उपहार भेंट कर उत्साहवर्धन किया गया। सफल छात्राओं को सम्मानित किए जाने से कार्यक्रम में मौजूद अन्य छात्राओं का भी उत्साह बढ़ा।

आयुर्वेदिक आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की दिलाई शपथ

कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों को आयुर्वेदिक आहार और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की शपथ भी दिलाई गई। विद्यालय की प्रधानाचार्या ने छात्राओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, संतुलित आहार लेने तथा नियमित रूप से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान कार्यक्रम का संदेश रहा-आयुर्वेद अपनाएं, स्वस्थ भविष्य की ओर कदम बढ़ाएं।

देश में 11वां आयुर्वेद दिवस 23 सितंबर को मनाया जाएगा। इस वर्ष की थीम स्वस्थ भविष्य के लिए आयुर्वेद रखी गई है। कार्यक्रम में बताया गया कि यह थीम निवारक स्वास्थ्य देखभाल, कल्याण और टिकाऊ जीवनशैली में आयुर्वेद के संभावित योगदान को रेखांकित करती है।

खेत में लिपटा दिखा नाग-नागिन का जोड़ा, मोबाइल कैमरों में कैद हुआ नजारा

मुजफ्फरनगर। मीरापुर के कैलापुर जसमौर गांव में खेत के बीच नाग-नागिन के जोड़े के दिखाई देने से ग्रामीणों में कौतूहल मच गया। दिल्ली-पौड़ी राजमार्ग पर केआरसी कंपनी के प्लांट के पास खेत में सांपों का जोड़ा एक-दूसरे से लिपटा नजर आया। खेतों में मौजूद ग्रामीणों की नजर पड़ी तो लोग कुछ दूरी पर रुककर इस नजारे को देखने लगे। देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भीड़ जुट गई और कई लोगों ने मोबाइल फोन से वीडियो बनाना शुरू कर दिया। ग्रामीणों के मुताबिक, दोनों सांप काफी देर तक एक-दूसरे से लिपटे रहे। करीब आधे घंटे तक खेत में उनका यह नजारा देखने को मिला। लोगों ने सुरक्षा को देखते हुए सांपों के पास जाने के बजाय दूरी बनाए रखी और मोबाइल कैमरों से वीडियो रिकॉर्ड किए। कुछ देर बाद दोनों सांप खेत से निकलकर झाड़ियों की ओर चले गए। दिल्ली-पौड़ी राजमार्ग के किनारे केआरसी कंपनी के प्लांट के आसपास खेतों में काम कर रहे ग्रामीणों को जब सांपों के जोड़े की जानकारी हुई

तो आसपास के लोगों में भी इसकी चर्चा फैल गई। लोग मौके पर पहुंचकर दूर से सांपों को देखने लगे। खेत के बीच एक-दूसरे से लिपटे सांपों का नजारा लोगों के लिए कौतूहल का विषय बना रहा। मौके पर मौजूद लोगों ने सांपों के जोड़े का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। बाद में यही वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया गया, जहां देखते ही देखते यह चर्चा का विषय बन गया। वीडियो में खेत के बीच दो सांप एक-दूसरे से लिपटे दिखाई दे रहे हैं और आसपास लोग दूरी बनाकर उन्हें देखते नजर आ रहे हैं। गांव निवासी बिजेन्द्र चौधरी, फईमुद्दीन, सुरेशपाल और राजू का कहना है कि सांपों का यह जोड़ा पिछले कई दिनों से खेतों और आसपास के इलाके में दिखाई दे रहा है। ग्रामीणों के अनुसार, कई बार दोनों सांप एक साथ नजर आए हैं। ग्रामीणों का दावा है कि रविवार को भी दोनों काफी देर तक खेत में दिखाई दिए, जिसके बाद झाड़ियों की तरफ चले गए।

नाग-नागिन के जोड़े के लगातार दिखाई देने की चर्चा के बाद खेतों में काम करने वाले ग्रामीणों में भी सतर्कता बढ़ गई है।

घर से बेदखल करने के विवाद में महिला से सड़क पर मारपीट, जेठ-जेठानी और ससुर पर मुकदमा

सिविल कोर्ट में चल रहे विवाद के बीच महिला ने लगाए मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी के आरोप-चरथावल पुलिस ने दर्ज किया मुकदमा

मुजफ्फरनगर। चरथावल कस्बे में पारिवारिक विवाद को लेकर एक महिला के साथ सड़क पर मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। महिला का आरोप है कि उसके जेठ, जेठानी और ससुर उसे तथा उसके पति को घर से बेदखल करने के लिए लगातार परेशान कर रहे हैं। आरोप है कि विवाद के दौरान बीच-बचाव करने पर तीनों ने महिला को सड़क पर लाकर मारपीट की और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। महिला की तहरीर पर चरथावल पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। चरथावल निवासी महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके जेठ अनुकूल, जेठानी प्रीति और ससुर अनिल की ओर से उसे और उसके पति को घर से बेदखल करने के लिए सिविल कोर्ट में मुकदमा चलाया जा रहा है। महिला के मुताबिक, इस विवाद के चलते वह और उसका पति मानसिक रूप से परेशान हैं। महिला ने आरोप लगाया कि इसी पारिवारिक विवाद को लेकर आए दिन उसके साथ मारपीट भी की जाती है। महिला के मुताबिक, 15 अगस्त को उसके जेठ अनुकूल और ससुर अनिल उसके पति के साथ गाली-गलौज कर रहे थे। महिला ने जब उन्हें समझाने और विवाद शांत कराने का प्रयास किया तो मामला उसके साथ ही मारपीट तक पहुंच गया। तहरीर में महिला ने आरोप लगाया कि जेठानी प्रीति, ससुर अनिल और जेठ अनुकूल ने उसके साथ मारपीट की। आरोप है कि उसे घर से बेदखल करने की धमकी देते हुए गाली-गलौज की गई और जान से मारने की धमकी भी दी गई। महिला का कहना है कि आरोपियों के व्यवहार के कारण वह परेशान है और परिवार में तनाव का माहौल बना हुआ है।

लगातार परेशान करने का लगाया आरोप

महिला ने पुलिस को बताया कि पारिवारिक विवाद के चलते आरोपी पक्ष उसे और उसके पति को लगातार परेशान कर रहा है।

रंग संसार

रिलीज से पहले ही अल्लू अर्जुन की राका ने रचा इतिहास, एटली की फिल्म के नाम दर्ज हुआ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

नई दिल्ली। साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन की अपकमिंग फिल्म राका का फैंस बड़ी बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस वक्त राका को लेकर एक अहम खबर सामने आ रही है, जिसे जानकर फिल्म के लिए फैंस की एक्साइटमेंट और अधिक बढ़ने वाली है। खबर है कि निर्देशक एटली की राका ने रिलीज से पहले इतिहास रचा दिया है और विश्व स्तर पर एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम दर्ज कर लिया है। जिसके चलते राका का नाम गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स बुक में शामिल हो गया है। राका ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड अल्लू अर्जुन स्टारर राका का निर्माण साउथ सिनेमा के बड़े प्रोडक्शन हाउस सन पिक्चर्स के बैनर तले किया जा रहा है। सन पिक्चर्स ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर सोमवार को फिल्म द्वारा बनाए गए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड की जानकारी साझा की है और बताया है- इतिहास रचा गया, एक ऐसी वैश्विक जीत जो भारतीय सिनेमा को दुनिया में एक अलग पहचान दिला दी है। फिल्म राका ने 'रियल-टाइम में सबसे अधिक लोगों के मोशन-कैप्चर' करने का का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया है, जिसमें एक साथ 37 कलाकारों को कैप्चर किया गया। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए अभिनेता अल्लू अर्जुन और निर्देशक एटली को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स का सर्टिफिकेट सौंपा गया है। इस तरह से रिलीज से पहले ही अल्लू अर्जुन की राका के हाथ बड़ी कामयाबी लगी है। मालूम हो कि एटली के डायरेक्शन में बनने वाली राका एक साइंस-फिक्शन एक्शन ड्रामा फिल्म है, जिसको लेकर सिनेमा जगत में चचाओं का बाजार लंबे समय से गर्म है। अब गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने के बाद राका को लेकर सुर्खियां और तेज होने वाली हैं। रियल-टाइम मोशन कैप्चर के बारे में जानकारी देते हुए बता दें कि ये एक ऐसी एडवांस टेक्नोलॉजी है, जिसकी मदद से किसी इंसान या वस्तु की शारीरिक गतिविधियों और हाव-भाव को ठीक उसी समय, बगैर देरी किएलाइव मोशन में डिजिटल 3ऊमॉडल या कैरेक्टर में ट्रांसफर किया जाता है। ये देखने में ऐसा लगता है, जैसे मानों कोई वीडियो गेम चल रहा हो।

राज काज

कभी पुर्जे-पुर्जे के लिए विदेशों पर निर्भर था भारत, आज चीन को बेच रहा 9.61 अरब डॉलर के इलेक्टॉनिक्स उत्पाद

नई दिल्ली भारत इन दिनों दुनियाभर में अपने व्यापारिक रिश्ते मजबूत कर रहा है। करीब 40 देशों के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करने के बाद अपने पड़ोसियों से भी बिजनेस बढ़ा रहा है। ब्लूमबर्ग न्यूज की ओर से मिली जानकारी के मुताबिक अगस्त तक के पांच महीनों में चीन को भारत का निर्यात लगभग 40% बढ़ा है, जिसमें इलेक्ट्रॉनिक्स और इंजीनियरिंग सामान प्रमुख फैक्टर बनकर उभरे हैं। यह बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब भारतीय मैन्युफैक्चरर्स ग्लोबल सप्लाई चेन में बड़ी भूमिका निभाने की कोशिश कर रहे हैं, वहीं नई दिल्ली और बीजिंग उन संबंधों को सुधारने में लगे हैं जो हाल के वर्षों में काफी बिगड़ रहे थे। साथ ही यह बदलाव अंतर्राष्ट्रीय व्यापार परिस्थितियों में आए परिवर्तनों के बीच भी हो रहा है, जिनमें अमेरिका की टैरिफ नीतियां शामिल हैं। एक्सपोर्ट में हालिया बढ़ोतरी में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात का बड़ा योगदान रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, अप्रैल-अगस्त अवधि में चीन को भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 15% से अधिक की वृद्धि हुई। उद्योग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और डेटा सेंटरों के ग्लोबल एक्सपेंशन से जुड़ी मांग इस बढ़ोतरी में योगदान दे रही है। यह बढ़ोतरी पिछले फाइनेंशियल ईयर में इलेक्ट्रॉनिक्स शिपमेंट में आई तेज बढ़ोतरी के बाद दर्ज की गई है। मार्च में समाप्त वित्त वर्ष में चीन को भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात तीन गुना बढ़कर 3.18 अरब डॉलर हो गया था। इसमें प्रिंटेड सर्किट बोर्ड असेंबली, स्मार्टफोन, डिस्प्ले मॉड्यूल और दूरसंचार उपकरण प्रमुख उत्पाद रहे। निर्यात में वृद्धि केवल इलेक्ट्रॉनिक्स तक सीमित नहीं रही। निर्यातकों के अनुसार, अप्रैल-अगस्त की अवधि में चीन को इंजीनियरिंग सामान का निर्यात भी पिछले साल की तुलना में लगभग 21% बढ़ा। इसमें मशीनरी और उसके पुर्जे, ऑटो कंपोनेंट्स और हैंड टूल्स शामिल हैं। इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के चेयरमैन पंकज मोहिंद्रू ने मीडिया को बताया कि यह बढ़ोतरी दिखाती है कि भारतीय मैन्युफैक्चरिंग ग्लोबल वैल्यू चेन्स में विश्वसनीयता हासिल कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि, यह दर्शाता है कि भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर दुनिया की सबसे प्रतिस्पर्धी वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में से एक में अपनी विश्वसनीयता स्थापित करना शुरू कर चुका है।

दैनिक राशिफल मंगलवार 22 सितम्बर 2026

मेष – स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। सफलता मिलेगी।

वृष – विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा।

मिथुन : पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें।

कर्क – आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। कार्य सफल होंगे। दैनिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी।

सिंह- व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। सही समय का इंतजार करें।

कन्या – मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभ कार्यों में व्यय होगा।

तुला –लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी।

वृश्चिक – जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभ समाचारों मिलेंगे।

धनु – प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होंगी। आत्मीय श्रेष्ठता बनेगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। बुजुर्गों का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। आत्मचिन्तन करें।

मकर – कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। समय पर देनदार भी पैसे लौटाने में आनाकानी करेंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है।

कुंभ – राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी।

मीन – व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी सिर्फ आश्वासनों से संतोष करना बड़ेगा।

दैनिक पंचांग

22 सितम्बर को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कन्या में	कन्या	05.27 बजे से
चंद्र	मकर में	तुला	07.42 बजे से
मंगल	कर्क में	वृश्चिक	09.57 ब.से
बुध	कन्या में	धनु	12.13 बजे से
गुरु	कर्क में	मकर	14.18 बजे से
शुक्र	तुला में	कुंभ	16.04 बजे से
शनि	मीन में	मीन	17.37 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	19.08 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	20.48 बजे से
राहुकाल		मिथुन	22.46 बजे से
3.00 से 4.30		कर्क	00.59 बजे से
बजे तक		सिंह	03.16 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 265 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** शरद।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ल
तिथि एकादशी 21.44 बजे को समाप्त।
नक्षत्र उत्तराषाढ़ा 07.07 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 16.29 बजे को समाप्त।
करण वणिज 08.57 बजे तदनन्तर विष्टि 21.44 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 10.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 00° 23'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872840
जूलियन दिन 2461305.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1448
महीना रवि उस्सानी **तारीख** 10
विशेष परिवर्तिनी एकादशी।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

जिस पर भरोसा था, उसी पर गंभीर आरोप: शादी कराने के बहाने बुलाने की शिकायत से मचा हड़कंप

तलाक के बाद बच्चे के साथ रह रही युवती का आरोप– पूर्व प्रिंसिपल ने दूसरे युवक से शादी कराने की बात कहकर बुलाया, मौके पर पहुंची तो बदला पूरा मामला; शादी का दबाव, संपत्ति का लालच और मारपीट का आरोप

मुजफ्फरनगर। तलाक के बाद अपने बच्चे के साथ अकेली जिंदगी गुजार रही शहर कोतवाली क्षेत्र की एक युवती ने अपने पूर्व प्रिंसिपल के खिलाफ गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस अधिकारियों से कार्रवाई की गुहार लगाई है। युवती का कहना है कि जिस व्यक्ति पर उसने भरोसा किया, उसी ने उसे दूसरी शादी कराने का भरोसा देकर लद्दावाला क्षेत्र में बुलाया। आरोप है कि वहां पहुंचने के बाद उसे न तो वह युवक मिला, जिससे शादी कराने की बात कही गई थी और न ही मामला वैसा निकला, जैसा उसे बताया गया था।

शादी की उम्मीद लेकर पहुंची, सामने आया अलग मामला

युवती के मुताबिक, पूर्व प्रिंसिपल ने उसे बताया था कि उसकी दूसरी शादी एक युवक से कराई जाएगी। युवती ने इस भरोसे पर बताए गए स्थान पर पहुंचने की बात कही है। शिकायत के अनुसार, लद्दावाला पहुंचने के बाद उसे पता चला कि वहां कोई युवक मौजूद ही नहीं है। युवती का आरोप है कि इसके बाद पूर्व प्रिंसिपल ने कथित तौर पर उसके साथ अश्लील हरकत करने का प्रयास किया और खुद से शादी करने के लिए दबाव बनाया। शिकायत में युवती ने दावा किया है कि उसे शादी के लिए राजी करने के लिए प्लॉट और अन्य संपत्ति उसके नाम करने का लालच भी दिया गया।

विरोध किया तो हाथापाई का आरोप

शिकायत के मुताबिक, युवती ने

कथित दबाव और हरकत का विरोध किया। आरोप है कि विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की गई। युवती का कहना है कि किसी तरह वह वहां से निकलकर पुलिस तक पहुंची और पूरे घटनाक्रम की जानकारी दी। पीड़िता ने आरोप लगाया कि स्थानीय स्तर पर शिकायत करने के बावजूद उसे न्याय मिलने के बजाय समझौते का दबाव महसूस हुआ। इसके बाद उसने सीधे वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अपनी शिकायत अधिकारियों के सामने रखी।

बच्चे के साथ रह रही युवती ने सुरक्षा की लगाई गुहार

युवती ने पुलिस अधिकारियों को बताया कि उसका अपने पति से तलाक हो चुका है और वह अपने बच्चे के साथ रह रही है। ऐसे में उसने आरोपित से खतरा होने की आशंका जताते हुए अपने साथ-साथ बच्चे की सुरक्षा की भी मांग की है। उसने प्रार्थना पत्र में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, आरोपों की पुष्टि होने पर आरोपित के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने और उसे सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

शिकायत के बाद जांच पर टिकी नजर

मामला एसएसपी कार्यालय तक पहुंचने के बाद अब पुलिस जांच पर नजर है। शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच, घटनास्थल से जुड़े तथ्यों, संबंधित लोगों के बयान और अन्य साक्ष्यों के आधार पर ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति सामने आएगी। फिलहाल, युवती की ओर से लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और पुलिस जांच पूरी होने से पहले आरोपों को अंतिम सत्य नहीं माना जा सकता। पुलिस की जांच के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि शिकायत में लगाए गए आरोपों के आधार पर क्या कार्रवाई बनती है।

मुजफ्फरनगर में भारतीय योग संस्थान का सम्मान समारोह: नवनिर्वाचित अधिकारियों का स्वागत, योग साधना पर मंथन

गांधी कॉलोनी स्थित योग क्लास में हुआ आयोजनः पटका व माल्यार्पण कर प्रांतीय प्रधान व संरक्षकों का किया गया अभिनंदन

मुजफ्फरनगर। भारतीय योग संस्थान के प्रांतीय (पश्चिमी उत्तर प्रदेश) नवनिर्वाचित अधिकारियों के सम्मान में गांधी कॉलोनी में योग क्लास परिसर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्षेत्र के वरिष्ठ पदाधिकारियों, योगाचार्यों और योग साधकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत नवनिर्वाचित प्रांतीय प्रधान रवीन्द्र सिंह चौहान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रांत के संरक्षक निर्मल कुमार जैन, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य व जिला प्रधान सुभाष चंद्र गुप्ता और योगाचार्य ज्ञानचंद अरोड़ा द्वारा संयुक्त रूप से की गई। तत्पश्चात, श्रीमती सारिका, श्रीमती पूनम एवं श्रीमती दीप्ति अरोड़ा ने मधुर स्वर में सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय बना दिया। इसके बाद नवनिर्वाचित अतिथियों के सम्मान में श्रीमती सुमन मित्तल एवं श्रीमती रेनू तायल द्वारा सुमधुर स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

योग जीवन जीने की कला है

समारोह में मुख्य अतिथि रवीन्द्र सिंह चौहान एवं निर्मल कुमार जैन ने संस्थान की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारतीय योग संस्थान (पंजीकृत दिल्ली) वर्ष 1967 से निरंतर समाज को निरोगी बनाने के लिए निशुल्क सेवाएं दे रहा है। वर्तमान में देश-विदेश में संस्थान की लगभग 4,000 निशुल्क योग कक्षाएं संचालित हो रही हैं। दक्षिणी जिले के योग प्रधान ओमप्रकाश एवं जिला मंत्री लोकेश कुमार गुप्ता ने योग के लाभों के बारे में बताते हुए कहा कि योग मात्र शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है। जीवन तो पशु-पक्षी भी व्यतीत करते हैं, लेकिन मनुष्य को मर्यादित और स्वस्थ जीवन कैसे जीना चाहिए, यह भारतीय योग संस्थान सिखाता है।

नवनिर्वाचित प्रांतीय अधिकारियों का हुआ भव्य स्वागत

समारोह के दौरान जिला महामंत्री प्रेम सिंह राणा, जिला संगठन मंत्री गजेंद्र सिंह राणा, क्षेत्रीय प्रधान विनय कुमार वर्मा, संजीव कुमार गोयल व जियालाल त्यागी, क्षेत्रीय मंत्री रवि दत्त धीमान व राकेश कुमार शर्मा तथा केंद्र प्रमुख धर्मवीर सिंह पाल, सुधीर शर्मा एवं सुरेंद्र सिंह ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पटका व माला पहनाकर सम्मानित किया। आज के इस गरिमामयी कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला प्रधान श्री सुभाष चंद्र गुप्ता ने की, जबकि मंच का सफल संचालन प्रोफेसर आर.के. गर्ग ने किया। समारोह को सफल बनाने में केंद्र प्रमुख सुधीर शर्मा, सरदार हरविंदर सिंह, केंद्र प्रमुख सतपाल, धर्मवीर सिंह पाल, रकम सिंह सैनी, श्रीमती कुसुम सिंघल, श्रीमती मधुकर, श्रीमती मंजू कंसल, श्रीमती सुमन तोमर, केंद्र प्रमुख ममता त्यागी, मोनिका त्यागी, अलका शर्मा, नरेंद्र एड-वोकेट, डॉक्टर प्रमोद कुमार और शिखा भारद्वाज का पूर्ण सहयोग रहा।

यूपीआई भुगतान पर चार्ज लगाने के प्रस्ताव का व्यापारियों ने किया विरोध, प्रधानमंत्री के नाम डीएम को सौंपा ज्ञापन

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल ने कहा- डिजिटल भुगतान से व्यापार को मिली सहूलियत, अतिरिक्त शुल्क से छोटे और मध्यम व्यापारियों पर बढ़ेगा आर्थिक बोझ; व्यापारियों की स्थानीय समस्याओं के समाधान के लिए भी अलग ज्ञापन

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने यूपीआई के माध्यम से भुगतान स्वीकार करने पर व्यापारियों से किसी भी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क लिए जाने के प्रस्ताव का विरोध किया है। व्यापारियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम जिलाधिकारी उमेश मिश्रा को ज्ञापन सौंपकर यूपीआई भुगतान पर चार्ज लगाने के प्रस्ताव पर पुनर्विचार करने की मांग की। व्यापारियों का कहना है कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था ने व्यापार को आसान और सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे में यूपीआई भुगतान पर अतिरिक्त शुल्क लगाया गया तो इसका सीधा असर व्यापारियों की लागत पर पड़ेगा।

डिजिटल भुगतान ने बदला कारोबार का तरीका

व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल भुगतान व्यापारिक लेन-देन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। छोटे दुकानदारों से लेकर बड़े व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक ग्राहक यूपीआई के माध्यम से भुगतान कर रहे हैं। इससे नकदी रखने की आवश्यकता कम हुई है और भुगतान प्रक्रिया भी तेज हुई है। व्यापारियों ने कहा कि यूपीआई के माध्यम से भुगतान की सुविधा ने ग्राहक और व्यापारी दोनों के लिए लेन-देन को सरल बनाया है। बाजारों में छोटी से छोटी खरीदारी के लिए भी ग्राहक डिजिटल भुगतान का इस्तेमाल कर रहे हैं। ऐसे में इस व्यवस्था पर किसी प्रकार का अतिरिक्त शुल्क व्यापारियों के लिए परेशानी का कारण बन सकता है।

अतिरिक्त शुल्क को बताया अनावश्यक आर्थिक बोझ

प्रधानमंत्री के नाम दिए ज्ञापन में

व्यापारियों ने यूपीआई भुगतान पर चार्ज लगाए जाने के प्रस्ताव का विरोध दर्ज कराया। उनका कहना है कि पहले से ही विभिन्न खर्चों और आर्थिक दबावों के बीच कारोबार करने वाले छोटे एवं मध्यम व्यापारियों पर डिजिटल भुगतान के नाम पर कोई नया आर्थिक बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। व्यापार मंडल पदाधिकारियों ने कहा कि छोटे दुकानदारों का कारोबार सीमित मार्जिन पर चलता है। यदि प्रत्येक डिजिटल भुगतान पर किसी प्रकार का शुल्क लागू होता है तो इसका असर व्यापारियों की आय पर पड़ सकता है। इसलिए व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए किसी भी ऐसे निर्णय पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री से व्यापारियों के हित में निर्णय की मांग

व्यापारियों ने ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री से मांग की कि यूपीआई भुगतान को लेकर प्रस्तावित किसी भी शुल्क संबंधी व्यवस्था पर व्यापारियों के हितों को ध्यान में रखते हुए विचार किया जाए। व्यापारियों का कहना है कि डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के साथ-साथ इसे व्यापारियों के लिए आर्थिक रूप से सहज बनाए रखना भी जरूरी है। उन्होंने कहा कि डिजिटल भुगतान व्यवस्था को लेकर व्यापारी वर्ग ने समय के साथ खुद को बदला है और ग्राहकों की सुविधा के लिए यूपीआई भुगतान स्वीकार किया जा रहा है। इसलिए इस व्यवस्था से जुड़े किसी भी नए शुल्क का निर्णय लेने से पहले छोटे और मध्यम व्यापारियों पर पड़ने वाले संभावित प्रभावों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। यूपीआई भुगतान के मुद्दे के अलावा उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने जनपद के व्यापारियों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के निरा-करण की मांग को लेकर जिलाधिकारी को अलग ज्ञापन भी सौंपा।

शाहपुर में छात्राओं ने भाषण व चित्रकला में दिखाई प्रतिभा: कक्षा 6 की सादिया रही प्रथम

सेवा संकल्प से विद्यार्थियों में सामाजिक कर्तव्य और नैतिक मूल्यों का सिंचन संभवःप्रमेश सैनी

शाहपुर (मुजफ्फरनगर)। शाहपुर इंटर कॉलेज मुजफ्फरनगर में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत छात्राओं के सर्वांगीण विकास एवं उनकी कलात्मक प्रतिभा को उभारने के उद्देश्य से भव्य भाषण एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रभावी अभिव्यक्ति व कलात्मक सोच से उपस्थित अतिथियों का मन मोह लिया।

अतिथियों की उपस्थिति में बढ़ा छात्राओं का उत्साह

आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रमेश सैनी एवं श्यामपाल भाई जी उपस्थित रहे। उनके साथ विद्यालय के प्रबंधक, प्रधानाचार्या, रोटरी क्लब की अध्यक्ष गरिमा गुप्ता तथा विद्यालय का समस्त अध्यापिका वर्ग मौजूद रहे। मंचासीन अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया और छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक व बौद्धिक प्रस्तुतियों की जमकर सराहना की।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित भाषण प्रतियोगिता में छात्राओं ने सामयिक एवं सामाजिक विषयों पर अपने विचार बेहद प्रखरता से रखे। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद निर्णायकों द्वारा घोषित परिणामों में सादिया (कक्षा 6) ने प्रथम स्थान हासिल किया। जबकि सुहाना (कक्षा 10) द्वितीय, अर्शी (कक्षा 12) तृतीय तथा मानसी (कक्षा 12) चतुर्थ स्थान पर रही। प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाली सभी मेधावी छात्राओं को अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

सेवा और शिक्षा का संगम जरूरीः प्रमेश सैनी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रमेश सैनी ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं। सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व और नैतिक मूल्यों का सिंचन होता है। रोटरी क्लब की अध्यक्ष गरिमा गुप्ता ने भी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विद्यालय परिवार के इस प्रयास की सराहना की। अंत में प्रधानाचार्या ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया।

खतौली में मना सौहार्द फाउंडेशन का स्थापना दिवस: नवनियुक्त कार्यकारिणी को मिले नियुक्ति पत्र, सामाजिक-शैक्षिक मिशन का संकल्प

सामाजिक और शैक्षिक मिशन को जन-जन तक पहुँचाने का लिया संकल्प

खतौली (मुजफ्फरनगर)। सौहार्द सोशल एवं एजुकेशनल फाउंडेशन का 12वां स्थापना दिवस एवं शपथ ग्रहण समारोह खतौली में अत्यंत गरिमापूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुकेश शर्मा ने की, जबकि मंच का कुशल संचालन अमजद सैफी ने किया। समारोह के दौरान संस्था के बीते 11 वर्षों के सामाजिक व शैक्षणिक कार्यों की समीक्षा की गई तथा आगामी प्राथमिकताओं एवं कार्य योजनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श हुआ।

सामाजिक और शैक्षणिक गतिविधियों का रखा गया लेखा-जोखा

समारोह में संस्था के पदाधिकारियों ने अपने विचार व्यक्त करते हुए फाउंडेशन की उपलब्धियों को रेखांकित किया। अमजद सैफी ने संस्था द्वारा संचालित विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी, जबकि आसिफ कैफी ने कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए किए जा रहे

सामाजिक कार्यों पर प्रकाश डाला। वहीं शाहिद सलमानी ने फाउंडेशन के मुख्य मिशन और भविष्य की कार्य योजना का खाका प्रस्तुत किया। समारोह को संबोधित करते हुए मुकेश शर्मा, जमाल हाशमी, अमीर अंजुम, परवेज गाजी, दीपक चौधरी, आदिल मोहसिन एवं आफाक पठान ने कहा कि समाज में शिक्षा के प्रसार और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने में फाउंडेशन की भूमिका सराहनीय रही है। इस अवसर पर सर्वसम्मति से मुकेश शर्मा एवं जमाल हाशमी को संस्था के संरक्षक की जिम्मेदारी सौंपी गई।

नई राष्ट्रीय और राज्य कार्यकारिणी की घोषणा

स्थापना दिवस के मौके पर संस्था की नवगठित राष्ट्रीय एवं उत्तर प्रदेश प्रांतीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की आधिकारिक घोषणा की गई तथा उन्हें औपचारिक नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में अध्यक्ष अमजद सैफी, उपाध्यक्ष शाहिद सलमानी, महासचिव आसिफ कैफी, सचिव शाहनवाज सिद्दीकी एवं अरविंद चपराना, कोषाध्यक्ष सलमान जाद निर्वाचित हुए। जबकि कार्यकारिणी सदस्यों में सईद अंसारी एवं मुहम्मद अहमद शामिल हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य कार्यकारिणीः राज्य की कार्यकारिणी में अध्यक्ष अब्दुल मालिक अंसारी, उपाध्यक्ष मोहम्मद शाहरुख, महासचिव शहजाद सलमानी, सचिव रईस सलमानी और कोषाध्यक्ष नौशाद सैफी मनोनीत हुए।

समाजहित में निरंतर कार्य करने का लिया संकल्प

कार्यक्रम के अंत में सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे फाउंडेशन के सामाजिक, शैक्षणिक और कल्याणकारी उद्देश्यों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे। इस समारोह में आशिक अली, शमीम सलमानी, महमूद हसन, अरविंद चपराना, जावेद अली, जाकिर सलमानी, मौलाना मुस्तगिसुर्रहमान फारुखी, मोहम्मद अफजल, तालिब शेख, अख़्तर अंसारी, जुबैर अली सलमानी सहित संस्था के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित

निमाणाधीन गली में मौत का गड्ढा! अंधेरे में मलबे के ढेर से टकराया स्कूटर, युवक की मौत

गांधी कॉलोनी की गली नंबर-6 में हादसे से मचा हड़कंप, स्थानीय लोगों ने नगर पालिका और निर्माण कार्य की व्यवस्था पर उठाए सवाल

मुजफ्फरनगर। थाना नई मंडी क्षेत्र की गांधी कॉलोनी स्थित गली नंबर-6 में सोमवार रात निमार्णाधीन सड़क पर हुए दर्दनाक हादसे में स्कूटर सवार युवक की मौत हो गई। हादसा लालबाग शेखर नर्सिंग होम के सामने वाली गली में हुआ। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी भिजवाया। पुलिस ने मृतक की पहचान अर्जुन पुत्र देवेंद्र, निवासी आनंदपुरी, मुजफ्फरनगर के रूप में की है। प्रत्यक्षदर्शियों और स्थानीय लोगों के अनुसार गली में काफी समय से निर्माण कार्य चल रहा है। निर्माण के दौरान सड़क को तोड़ने के बाद उसे व्यवस्थित तरीके से बंद या सुरक्षित नहीं किया गया। आरोप है कि गली के बीचों-बीच टूटे हुए रोड़ों और निर्माण सामग्री का बड़ा ढेर लगा हुआ था, जिससे रास्ता काफी हद तक बाधित था। स्थानीय लोगों का

कहना है कि मौके पर पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था भी नहीं है। गली में स्ट्रीट लाइट का खंभा नहीं होने के कारण रात के समय निमार्णाधीन हिस्सा पूरी तरह अंधेरे में डूबा रहता है। इसी वजह से सड़क के बीच पड़ा मलबा स्कूटर सवार को दिखाई नहीं दिया। बताया गया कि अर्जुन स्कूटर से इसी रास्ते से गुजर रहे थे। अंधेरा होने के कारण उन्हें सड़क के बीच पड़ा रोड़ों का ढेर दिखाई नहीं दिया। स्कूटर अचानक मलबे के ढेर से टकराकर उछल गया और अर्जुन सड़क पर जा गिरे। गिरने के दौरान उनके सिर में गंभीर चोट लगी। हादसा इतना गंभीर था कि उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। इसी दौरान वहां से गुजर रहे गौसेवक नीशू की नजर हादसे पर पड़ी। उन्होंने तत्काल पुलिस को सूचना दी। हादसे की सूचना मिलते ही नई मंडी पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल की मोर्चरी भेज दिया। शुरूआत में मृतक की पहचान नहीं हो सकी थी, जिसके बाद पुलिस ने उसकी पहचान के प्रयास शुरू किए। बाद में गांधी कॉलोनी चौकी प्रभारी अनुभव चौधरी ने मृतक की पहचान अर्जुन पुत्र देवेंद्र, निवासी आनंदपुरी, मुजफ्फरनगर के रूप में किए जाने की जानकारी दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने निर्माण कार्य को लेकर नगर पालिका की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। लोगों का कहना है कि यदि सड़क को तोड़कर निर्माण कराया जा रहा है तो वहां सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम भी होने चाहिए। निर्माण सामग्री और टूटे रोड़ों को सड़क के बीच में इस तरह नहीं छोड़ा जाना चाहिए कि वाहन चालकों को रास्ता दिखाई ही न दे। लोगों ने आरोप लगाया कि निमार्णाधीन सड़क पर न तो पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था थी और न ही मलबे के आसपास कोई स्पष्ट संकेतक या सुरक्षा व्यवस्था दिखाई दे रही थी। उनका कहना है कि रात के समय यह स्थान हादसों के लिहाज से बेहद खतरनाक बना हुआ था।

मुजफ्फरनगर में 200 कराटे खिलाड़ियों का सम्मान: बेल्ट व प्रमाण पत्र वितरित, नगर पालिका चेयरमैन ने बढाया उत्साह

बच्चों और बेटियों को आत्मनिर्भर बनाने का सराहनीय प्रयास

मुजफ्फरनगर। शहर में खेल और आत्मरक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। डॉ. मुकेश जैन एवं डॉ. नूतन जैन के विशेष सहयोग तथा 'वीवी मार्शल आर्ट्स अकेडमी' के डायरेक्टर शिहान वेदप्रकाश शर्मा व सैनसाई अभिषेक शर्मा के कुशल नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में 200 कराटे खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी कला और शक्ति का दमदार प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं नगर पालिका चेयरमैन श्रीमती मीनाक्षी स्वरूप ने खिलाड़ियों का हैरतअंगेज प्रदर्शन देखकर कराटे किंग वेदप्रकाश शर्मा और उनके पुत्र सैनसाई अभिषेक शर्मा की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने जीवनकाल में मार्शल आर्ट्स का इतना अद्भुत, अनुशासित और शक्तिशाली कार्यक्रम पहले कभी नहीं

देखा। चेयरमैन ने वर्धमान हॉस्पिटल के संस्थापक डॉ. मुकेश जैन और डॉ. नूतन जैन की सराहना करते हुए कहा कि छोटे बच्चों और विशेष रूप से बेटियों को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने के इस खेल को बढ़ावा देना बेहद पुण्य और प्रेरणादायी कार्य है।

सफल खिलाड़ियों को मिलीं बेल्ट व प्रमाण पत्र

समारोह के दौरान गत माह आयोजित बेल्ट परीक्षा में सफलता हासिल करने वाले 200 खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि व अन्य विशिष्ट अतिथियों ने खिलाड़ियों को ब्लैक, ब्राउन, पर्पल, ग्रीन, ऑरेंज और येलो बेल्ट के साथ प्रमाण पत्र प्रदान किए। अपनी मेहनत का फल पाकर नन्हें खिलाड़ियों और युवाओं के चेहरे खिल उठे।

अतिथियों का किया गया नागरिक अभिनंदन

कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध आई सर्जन डॉ. सुधीर लूथरा, समाजसेवी दक्ष खोखर, जिला कराटे एसोसिएशन ऑफ मुजफ्फरनगर के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजेंद्र गोयल, डॉ. मुकेश जैन, डॉ. नूतन जैन, श्रीमती वीना शर्मा एवं श्रीमती अवनी शर्मा मौजूद रहे। इस अवसर पर अकेडमी के डायरेक्टर वेदप्रकाश शर्मा ने सभी मंचासीन अतिथियों को शॉल ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान व आभार व्यक्त किया।

खतौली में मना उत्तम संयम धर्म: दसलक्षण पर्व में दिगंबर जैन समाज ने लिया संकल्प

चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर में हुआ प्रक्षाल व विधान

खतौली (मुजफ्फरनगर)। सहारनपुर मंडल के मुजफ्फरनगर जिले के खतौली कस्बे में सकल दिगंबर जैन समाज द्वारा दसलक्षण महापर्व का छठा दिन 'उत्तम संयम धर्म' के रूप में अत्यंत श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ मनाया गया। अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन, खतौली के तत्वावधान में पिसनोपाड़ा स्थित श्री 1008 चंद्रप्रभ दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर अपने जीवन में आत्म-नियंत्रण और आत्मानुशासन अपनाने का संकल्प लिया।

पूजन, विधान और आध्यात्मिक प्रवचन

दिन का शुभारंभ प्रातःकाल भगवान के भव्य प्रक्षाल, पूजन एवं विशेष

विधान के साथ हुआ। तत्पश्चात भोपाल से पधारे पंडित शाश्वत शास्त्री ने 'उत्तम संयम धर्म' का मर्म समझाते हुए कहा कि "संयम केवल बाहरी नियमों का पालन करने मात्र का नाम नहीं है, बल्कि यह अपने मन, वचन और काय (शरीर) को अनुशासित करके विकारी भावों पर नियंत्रण रखने की एक साधना है। अपनी इंद्रियों और असीमित इच्छाओं पर अंकुश लगाते हुए आत्मस्वरूप की ओर बढ़ना ही वास्तविक संयम की भावना है।

धूप दशमी कथा और बच्चों के लिए ज्ञान की पाठशाला

दोपहर के सत्र में प्रसिद्ध धूप दशमी की कथा का आयोजन किया गया, जिसमें श्रद्धालुओं को त्याग और तपस्या का महत्व बताया गया। वहीं जयपुर से आए चिराग शास्त्री ने इष्टोपदेश ग्रंथ पर अपने विचार व्यक्त कर श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम में बच्चों को धार्मिक व नैतिक संस्कारों से जोड़ने के लिए 'ज्ञान की पाठशाला' का आयोजन किया गया। साथ ही 'तत्त्वार्थ सूत्र शिविर कक्षा' के माध्यम से जैन दर्शन, तत्त्वज्ञान और प्राचीन सिद्धांतों का गहन अध्ययन कराया गया। रात्रि सत्र में बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए बाल गोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें नन्हे-मुन्ने बच्चों ने उत्साहपूर्वक अपनी प्रस्तुतियां दीं।

आत्मशुद्धि और सदाचार की प्रेरणा देता है पर्व

आयोजकों ने बताया कि दसलक्षण महापर्व हर मनुष्य को आत्मशुद्धि, संयम और सदाचार के मार्ग पर चलने का संदेश देता है। इन दस दिनों के माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति अहिंसा, सत्य, संयम और आत्म-नियंत्रण जैसे नैतिक मूल्यों को जीवन में उतारने की प्रेरणा प्राप्त करता है।

धार्मिक अनुष्ठान में ये रहे मौजूद

इस भव्य धार्मिक आयोजन में मुख्य रूप से कलपेन्द्र, अनंत वीर्य, हितेश, अंकित, संजय जैन, मदन जैन, अरुण जैन, सुशील जैन, विनय जैन, राहुल जैन, सुनील जैन, जय भगवान जैन, मुकेश आढ़ती, मनोज आढ़ती, शशांक जैन, सम्यक जैन, गौरव, शिल्पी जैन, रजनी जैन, अंजलि जैन, अंजू जैन, मंजू जैन, सरिता जैन, आयुषी जैन, साधना जैन, बीना जैन, डॉ. ज्योति जैन सहित जैन समाज के बड़ी संख्या में महिला-पुरुष, युवा और बच्चे उपस्थित रहे।

मुजफ्फरनगर में स्वाइन फ्लू का बढ़ा कहरः जानसठ में एक ही परिवार के 2 लोग पॉजिटिव, जिले में संक्रमितों की संख्या 20 पहुंची

मुजफ्फरनगर में स्वाइन फ्लू का बढ़ा कहरः जानसठ में एक ही परिवार के 2 लोग पॉजिटिव, जिले में संक्रमितों की संख्या 20 पहुंची

मुजफ्फरनगर। इस बदलते मौसम और लगातार हो रही बारिश के बीच जिले में संक्रामक बीमारियों का खतरा गहराने लगा है। मुजफ्फरनगर के जानसठ कस्बे में स्वाइन फ्लू (H1N1) का नया मामला सामने आने से स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मच गया है। यहाँ एक ही परिवार के दो सदस्यों में स्वाइन फ्लू वायरस की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही जिले में स्वाइन फ्लू से पीड़ित मरीजों का कुल आंकड़ा बढ़कर 20 तक पहुँच गया है। स्वास्थ्य विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित मरीज मूल रूप से मेरठ में रहते हैं, लेकिन हाल ही में जानसठ स्थित अपने घर आए हुए थे। शुरूआती लक्षण दिखने पर जब एक निजी लैब से जांच कराई गई, तो दोनों की रिपोर्ट स्वाइन फ्लू पॉजिटिव आई। मामला संज्ञान में आते ही स्वास्थ्य विभाग हरकत में आ गया। एपीडेमियोलॉजिस्ट डॉ. शमशेर आलम ने बताया कि विभाग की रैपिड रेस्पांस टीम (RRT) ने तुरंत पीड़ित परिवार के घर का दौरा किया। दोनों रोगियों को घर पर ही आइसोलेट कर उपचार शुरू करा दिया गया है। फिलहाल दोनों की स्थिति स्थिर है और डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। राहत की बात यह है कि जिले में पूर्व में पॉजिटिव पाए गए अधिकतर मरीज उपचार के बाद पूरी तरह स्वस्थ हो चुके हैं।

दिन-रात के तापमान में अंतर से बढ़ी बीमारियाँ

बरसात का मौसम जारी रहने और दिन-रात के तापमान में आ रहे

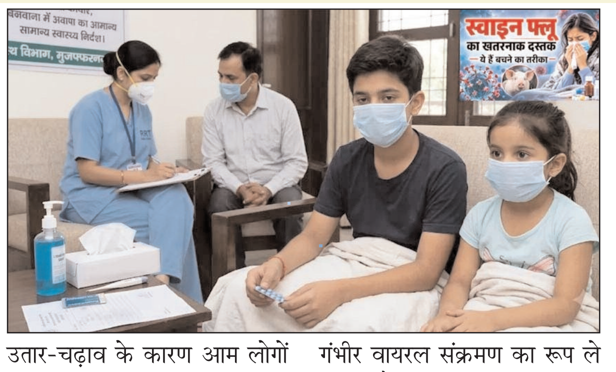

उतार-चढ़ाव के कारण आम लोगों की प्रतिरोधक क्षमता पर असर पड़ रहा है। अस्पतालों की ओपीडी में रोजाना नजला, खांसी और तेज वायरल बुखार के मरीजों की संख्या में भारी इजाफा देखा जा रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि मौसमी बदलाव के समय थोड़ी सी भी लापरवाही स्वाइन फ्लू या अन्य गंभीर वायरल संक्रमण का रूप ले सकती है।

स्वाइन फ्लू (H1N1) के मुख्य लक्षण

यदि आपको या आपके आसपास किसी व्यक्ति में निम्नलिखित लक्षण दिखें, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। इसके लक्षणों में ठंड लगने के साथ अचानक तेज बुखार आना, लगातार सूखी या बलगम वाली खांसी और गले में तेज खराश/दर्द, सिर में तेज दर्द और मांसपेशियों व जोड़ों में असहनीय दर्द, अत्यधिक कमजोरी और सुस्ती महसूस होना तथा नाक लगातार बहना या बंद होना शामिल हैं।

बचाव के लिए अपनाएं ये जरूरी एहतियात

स्वास्थ्य विभाग ने आम जनता से पैनिक न होने और सतर्कता बरतने की अपील की है कि खाने से पहले और बाद में साबुन से हाथ धोएं, भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने से परहेज करें, आवश्यकता पड़ने पर मास्क जरूर पहनें, खांसते, छींकते समय मुंह, नाक को रुमाल से ढकें और बार-बार अपनी आंख, नाक और मुंह को छूने से बचें।

नवीन मंडी में नए गुड़ की आवक शुरू, 2100 प्रति मन खुला भाव

व्यापारियों, किसानों और मजदूरों में खुशी की लहर

मुजफ्फरनगर। नवीन मंडी स्थल में नए गुड़ की आवक का शुभारंभ हो गया। नए गुड़ की पहली बिक्री रजत सिंघल द्वारा की गई, जिसकी शुरूआत सोनू सिंघल ने कराई। नए गुड़ का शुरूआती भाव ड्ढ2100 प्रति मन खुला।

इस अवसर पर नवीन मंडी व्यापार संघ के अध्यक्ष संजय मिश्रा, महामंत्री अंचित मित्तल, उपाध्यक्ष मनीष चौधरी, उपाध्यक्ष भारत सिंघल, कुलवंत सिंह काकण, कमरुद्दीन सहित बड़ी संख्या में व्यापारी, किसान एवं मजदूर मौजूद रहे।

नए गुड़ की आवक शुरू होने से नवीन

मंडी में व्यापारिक गतिविधियों में उत्साह देखने को मिला। किसानों, व्यापारियों और मजदूरों में खुशी की लहर है। व्यापारियों ने उम्मीद जताई कि आने वाले दिनों में गुड़ की आवक बढ़ने से मंडी में कारोबार को और गति मिलेगी।

पूर्व राज्यपाल स्व. वीरेंद्र वर्मा की 110वीं जयंती पर प्रतिभाशाली छात्र-छात्राएं सम्मानित, नशे और तंबाकू से दूर रहकर समाज को शिक्षित करने का आह्वान

मुजफ्फरनगर। पूर्व राज्यपाल स्व. वीरेंद्र वर्मा की 110वीं जयंती के अवसर पर गांधी कॉलोनी स्थित गांधी वाटिका में प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सर्व समाज के विभिन्न वर्गों से चयनित 100 से अधिक प्रतिभाशाली बच्चों को स्मृति चिन्ह एवं स्मारिका भेंट कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुनील तेवतिया रहे। अति विशिष्ट अतिथियों के रूप में पूर्व विधायक राजेंद्र शर्मा, कुंवर देवराज पंवार, ब्रह्म सिंह बालियान, वरिष्ठ अधिवक्ता एवं जाट सभा अध्यक्ष धर्मवीर बालियान सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अपने संबोधन में वक्ताओं ने युवाओं को नशे की बढ़ती प्रवृत्ति से दूर रहने का आह्वान किया। विशेष रूप से

गुटखा, तंबाकू एवं अन्य नशीले पदार्थों के सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करते हुए कहा गया कि युवा वर्ग समाज की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने युवाओं से स्वयं नशे से दूर रहने के साथ-साथ समाज के अन्य लोगों को भी जागरूक करने और शिक्षा को बढ़ावा देने का आह्वान किया।

समारोह में सर्व समाज के 100 से अधिक प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह एवं स्मारिका प्रदान कर सम्मानित किया गया। अतिथियों ने कहा कि प्रतिभाओं का सम्मान करने से बच्चों का उत्साह बढ़ता है और उन्हें जीवन में बेहतर प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिलती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष यशपाल सिंह विश्वबंधु ने की। संचालन पंडित उमादत्त शर्मा एवं डॉ. धर्मेंद्र सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर सुंदर पाल, मनोज राठी, सतेंद्र सिंह, यशपाल सिंह मेघाखेड़ी, डॉ. रविंद्र सिंह, जगदीश अरोड़ा, विपिन कुमार, सुभाष चंद्र शर्मा, उपेंद्र कौशिक, अमित पटपटिया, सभासद पवन छाबड़ा, भानू शर्मा, पुरकाजी से राहुल शर्मा, सतबीर सिंह, विनोद सिंह, दीपक कृष्णात्रेय, मीरापुर सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग एवं समाजसेवी मौजूद रहे।

मुजफ्फरनगर मेडिकल कॉलेज में वेतन बढ़ाने की मांग को लेकर डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज गेट पर दिया धरना

घोषित 25 हजार के बजाय 10 हजार रुपये वेतन मिलने का आरोप, डॉक्टरों में आक्रोश

मुजफ्फरनगर। मंसूरपुर थाना क्षेत्र के बेगराजपुर स्थित मेडिकल कॉलेज में सोमवार को वेतन संबंधी मांगों को लेकर डॉक्टरों ने कॉलेज के मुख्य गेट पर धरना देकर विरोध जताया। डॉक्टरों ने प्रबंधन पर घोषित वेतन के अनुरूप भुगतान नहीं किए जाने का आरोप लगाते हुए अपनी मांगों को लेकर रोष व्यक्त किया।

धरनारत डॉक्टरों का आरोप है कि उन्हें प्रतिमाह 25 हजार रुपये वेतन दिए जाने की घोषणा की गई थी, लेकिन वर्तमान में उन्हें महज 10 हजार रुपये का भुगतान किया जा रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि घोषित वेतन और वास्तविक भुगतान में काफी अंतर होने के कारण उन्हें आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

डॉक्टरों ने कहा कि वह अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा के साथ कर रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें अपेक्षा के अनुरूप वेतन नहीं मिल

रहा है। इसी को लेकर सोमवार को डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज के मुख्य गेट पर एकत्र होकर धरना दिया और प्रबंधन के खिलाफ अपनी नाराजगी जाहिर की।

धरने के दौरान डॉक्टरों ने मांग की कि उन्हें घोषित 25 हजार रुपये के अनुसार वेतन का भुगतान किया जाए तथा वेतन संबंधी समस्या का जल्द समाधान कराया जाए। डॉक्टरों का कहना है कि कम वेतन के कारण उनके सामने आर्थिक कठिनाइयां उत्पन्न हो रही हैं।

डॉक्टरों के धरने के चलते मेडिकल कॉलेज परिसर में कुछ समय के लिए हलचल की स्थिति बनी रही। धरनारत डॉक्टरों ने प्रबंधन से उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए जल्द सकारात्मक निर्णय लेने की मांग की। डॉक्टरों ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी वेतन संबंधी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे अपनी मांगों को लेकर आगे भी आवाज उठाते रहेंगे।

मुजफ्फरनगर में मंगलवार को आएंगे भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन

जौली बाईपास पर टाटा मोटर्स के पास सुबह 8.30 बजे होगा भव्य स्वागत

मुजफ्फरनगर। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन आगामी 22 सितंबर, मंगलवार को मुजफ्फरनगर पहुंचेंगे। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी पवन अरोरा ने बताया कि मेरठ से सहारनपुर जाते समय राष्ट्रीय अध्यक्ष जौली बाईपास पर टाटा मोटर्स के पास रुकेंगे, जहां पार्टी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं द्वारा उनका जोरदार स्वागत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रातः 8 बजे खतौली में चीतल ग्रांड पर राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का स्वागत किया जाएगा और उसके बाद सुबह 8.30 बजे जौली बाईपास स्थित टाटा मोटर्स के पास स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष के आगमन को लेकर भाजपा कार्यकताओं में उत्साह है और स्वागत कार्यक्रम की तैयारियां की जा रही हैं।

भाजपा जिलाध्यक्ष सुधीर सैनी ने जिले के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं से अधिक से अधिक संख्या में जौली बाईपास पहुंचने और राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन का स्वागत करने का आह्वान किया है। भारतीय जनता पार्टी की ओर से कार्यकताओं से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए निर्धारित समय से पहले पहुंचने की अपील भी की गई है।

नवीन मंडी व्यापार संघ की समन्वय बैठक में व्यापारियों की समस्याओं पर हुई विस्तृत चर्चा

बाबूराम गेट नंबर-4 शाम 8 बजे तक खुला रखने के सचिव ने दिए तत्काल निर्देश

मुजफ्फरनगर। नवीन मंडी स्थल स्थित ई-नाम कार्यालय में मंडी समिति की सचिव श्रीमती निलिमा गौतम एवं मंडी समिति स्टाफ के साथ नवीन मंडी व्यापार संघ की समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक में मंडी व्यवस्था, व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं तथा उनके समाधान को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में गुड़ के नए सत्र की शुरूआत पर सभी व्यापारियों एवं किसानों को शुभकामनाएं देते हुए कहा गया कि गुड़ की अधिक से अधिक आवक नवीन मंडी स्थल पर हो और व्यापार मंडी परिसर में ही बढ़े, जिससे किसानों एवं व्यापारियों दोनों को इसका लाभ मिल सके।

व्यापारियों ने बाबूराम गेट नंबर-4 को शाम 8 बजे तक खुला रखने की मांग प्रमुखता से रखी। इस पर मंडी समिति की सचिव श्रीमती निलिमा गौतम ने तत्काल निर्देश जारी करते हुए गेट को शाम 8 बजे तक खुला रखने के आदेश दिए।

बैठक में मंडी परिसर की साफ-सफाई, स्ट्रीट लाइट, हाई-मास्ट लाइट, ई-नाम की ऑनलाइन समस्याओं, पार्टनरशिप

एवं प्रोपराइटर फर्मों से संबंधित समस्याओं सहित आगामी चुनावी अधिग्रहण से व्यापारियों को होने वाली संभावित परेशानियों पर भी चर्चा हुई। सचिव द्वारा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए।

व्यापार संघ अध्यक्ष संजय मिश्रा महामंत्री अचिंत मितल ने कहा कि मंडी समिति और व्यापारियों के बीच इसी प्रकार निरंतर समन्वय एवं संवाद बना रहना चाहिए, ताकि व्यापारियों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान हो और मंडी में व्यापारिक गतिविधियों को और गति मिल सके।

बैठक में अध्यक्ष संजय मिश्रा, महामंत्री अचिंत मित्तल, कोषाध्यक्ष अशोक बंसल, संरक्षक कृष्ण चंद्र मुंदड़ा, जगवीर सिंह, जितेंद्र कुच्छल, दिनेश राठी, रिंकल बंसल, सचिन सिंघल रजत सिंघल, मनीष चौधरी, रवि शर्मा, रमेश कुमार, अर्पित सिंघल, अमन कुच्छल, कुश कुच्छल, रवि कुच्छल, अरुण गुप्ता, संदीप जैन, अरविंद सिंह, राघव मिश्रा, सतेंद्र मान, भारत सिंघल, सोनू सिंघल, कुलवंत सिंह काकण, विनोद कुमार शर्मा, नवल प्रकाश अग्रवाल, कमल कुमार, पराग गोयल, अभिनंदन जैन, सुरेंद्र विनोद शर्मा, सतीश कुमार, मोन्टू, मोहित गुप्ता, सुशील मित्तल, अनिल, नितिन सहित अन्य व्यापारी प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मुजफ्फरनगर गुड मंडी सचिव के समक्ष व्यापारियों ने जताया रोष, समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग

मुजफ्फरनगर। दी गुड़ खांडसारी एंड ग्रेन मर्चेंट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय मित्तल के नेतृत्व में नवीन मंडी के व्यापारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंडी समिति की सचिव नीलिमा गौतम से मुलाकात कर व्यापारियों की विभिन्न समस्याओं एवं लंबे समय से लंबित कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान समस्याओं के समाधान में हो रही देरी पर व्यापारियों ने रोष व्यक्त करते हुए सभी लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा कराने की मांग की।

बैठक में सबसे प्रमुख मुद्दा फर्मों में पार्टनर परिवर्तन से संबंधित लंबित फाइलों का रहा। एसोसिएशन पदाधिकारियों ने बताया कि लंबे समय से फाइलें लंबित पड़ी हैं। वर्तमान में केवल चार फाइलों का निस्तारण हुआ है, जबकि अन्य फाइलों का निस्तारण अभी बाकी है। इस पर मंडी सचिव नीलिमा गौतम ने आश्वासन दिया कि शेष फाइलों को

आगामी 15 दिनों के भीतर पूर्ण कराने का प्रयास किया जाएगा।

तिकोनी अनाज मंडी में फड़ों के निर्माण का मुद्दा भी उठा

प्रतिनिधिमंडल ने तिकोनी अनाज मंडी में फड़ों के निर्माण का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया। व्यापारियों ने कहा कि इस कार्य को लेकर लंबे समय से वार्ता चल रही है, लेकिन अभी तक निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका है। सचिव ने बताया कि इस मामले में लखनऊ स्तर पर भी वार्ता हो चुकी है। विभाग में निदेशक का पद रिक्त होने के कारण प्रकरण लंबित है और मामला उप निदेशक निर्माण तक भी पहुंच चुका है। एसोसिएशन अध्यक्ष संजय मित्तल द्वारा उप निदेशक निर्माण, लखनऊ से भी इस संबंध में वार्ता की गई, जिसमें विभाग में निदेशक का पद रिक्त होने के कारण प्रकरण लंबित होने की जानकारी दी गई। सचिव ने बताया कि निदेशक के पदभार ग्रहण करने के बाद तिकोनी अनाज मंडी में फड़ों के निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ने की उम्मीद है।

खराब लाइटें ठीक कराने और पेयजल व्यवस्था की मांग

व्यापारियों ने नवीन मंडी स्थल की प्रकाश व्यवस्था का मुद्दा भी उठाया। एसोसिएशन के प्रयास से पूर्व में करीब 100 लाइटें लगवाई गई थीं, लेकिन इनमें से कुछ लाइटें खराब हो गई हैं। व्यापारियों ने खराब लाइटों को शीघ्र दुरुस्त कराने की मांग की, जिससे रात के समय मंडी में प्रकाश व्यवस्था सुचारु बनी रहे।

इसके अलावा मंडी परिसर में नये वाटर कूलर लगवाने तथा नलकूपों को शीघ्र चालू कराने की मांग भी रखी गई। व्यापारियों ने कहा कि मंडी में आने वाले व्यापारियों और श्रमिकों के लिए पेयजल एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का बेहतर होना आवश्यक है।

संपर्क मार्गों की मरम्मत की मांग

प्रतिनिधिमंडल ने मंडी से जुड़ी एवं आसपास की खराब पड़ी संपर्क सड़कों की मरम्मत तथा आवश्यकता के अनुसार पुनर्निर्माण कराने की मांग भी मंडी सचिव के समक्ष रखी। व्यापारियों ने कहा कि खराब सड़कों के कारण आवागमन में परेशानी होती है और व्यापारिक गतिविधियां भी प्रभावित होती हैं।

प्रोपराइटर फर्मों की समस्या को लेकर मुख्यमंत्री से मिलने का निर्णय

प्रोपराइटर फर्मों से संबंधित समस्याओं पर भी सचिव के साथ विस्तार से चर्चा हुई। इस मामले में नीतिगत निर्णय की आवश्यकता होने के कारण फिलहाल अंतिम समाधान नहीं हो पाया। बैठक में तय किया गया कि इस समस्या से शासन स्तर पर अवगत कराने के लिए शीघ्र ही मुख्यमंत्री से मुलाकात की जाएगी और व्यापारियों की समस्या का समाधान कराने का प्रयास किया जाएगा।

दुकानों और गोदामों के लेंटर की मरम्मत की मांग

व्यापारियों ने बरसात के दौरान दुकानों एवं गोदामों के लेंटर से पानी टपकने की समस्या भी उठाई।

व्यापारी जनसंवाद में गूंजी कारोबारियों की आवाज, सपा ने संगठन विस्तार का फूंका बिगुल

फूड वैली में जुटे सैकड़ों व्यापारी, प्रदीप जायसवाल ने उठाए व्यापारियों के मुद्दे, अब्दुल मुत्तलिब को मिली समाजवादी व्यापार सभा की जिला कमान

मुजफ्फरनगर। मीनाक्षी चौक स्थित फूड वैली में सोमवार को समाजवादी व्यापार सभा की ओर से आयोजित पीडीए व्यापारी जनसंवाद एवं धन्यवाद सभा में व्यापारियों की बड़ी मौजूदगी देखने को मिली। कार्यक्रम में शहर और आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे व्यापारियों ने कारोबार से जुड़ी समस्याओं, छोटे और मध्यम व्यापारियों के सामने खड़ी चुनौतियों तथा व्यापारिक नीतियों को लेकर अपनी बात रखी। कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और व्यापार सभा के पदाधिकारियों ने व्यापारी समाज के बीच संगठन को और मजबूत करने पर जोर दिया। जनसंवाद कार्यक्रम में व्यापारियों ने कहा कि छोटे दुकानदार और मध्यम कारोबारी बाजार की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं। उनके कारोबार से केवल उनके परिवार की आय ही नहीं जुड़ी होती, बल्कि कर्मचारियों, कारीगरों, सप्लायरों और दूसरे छोटे कारोबारियों की रोजी-रोटी भी जुड़ी होती है। ऐसे में व्यापारियों के सामने आने वाली किसी भी समस्या का असर पूरे बाजार पर पड़ता है। वक्ताओं ने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को केवल चुनाव के समय उठाने के बजाय लगातार उनके बीच

पहुंचकर सुनने और संबंधित मंचों तक पहुंचाने की जरूरत है। समाजवादी व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने कहा कि समाजवादी पार्टी व्यापारी समाज के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों के अधिकारों और समस्याओं को लेकर लगातार संवाद किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि छोटे और मध्यम व्यापारियों की आवाज मजबूत होना जरूरी है। व्यापारियों को सुरक्षित माहौल, सम्मान, सुविधाजनक व्यापारिक व्यवस्था और नीतिगत फैसलों में अपनी बात रखने का अवसर मिलना चाहिए। प्रदीप जायसवाल ने भाजपा सरकार की व्यापारिक नीतियों पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि इन नीतियों का लाभ बड़े कारोबारी वर्ग को अधिक मिला है, जबकि छोटे व्यापारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ा है। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की समस्याओं को मजबूती के साथ उठाने के लिए संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व सांसद एवं सपा नेता कादिर राणा ने कहा कि व्यापारी समाज ने हमेशा स्थानीय अर्थव्यवस्था और रोजगार को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि बाजार में छोटे दुकानदार से लेकर बड़े कारोबारी तक सभी की अपनी अहम भूमिका है। उन्होंने कहा कि व्यापारिक नीतियां तैयार करते समय सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखा जाना चाहिए। व्यापारियों द्वारा उठाई गई समस्याओं पर गंभीरता से विचार होना चाहिए और किसी भी आर्थिक नीति का बोझ छोटे कारोबारी पर असमान रूप से नहीं पड़ना चाहिए। पूर्व विधान परिषद प्रत्याशी एवं सपा नेता गौरव जैन ने कहा कि मुजफ्फरनगर का व्यापारी अपनी मेहनत और उद्यम के बल पर स्थानीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि एक व्यापारी की दुकान केवल उसकी आय का साधन नहीं होती, बल्कि उससे उसके परिवार और कर्मचारियों की आजीविका भी जुड़ी रहती है। उन्होंने भाजपा सरकार की नीतियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि छोटे व्यापारियों के अधिकार और सुविधाओं को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं। उन्होंने कहा कि व्यापारियों की आवाज को संगठित तरीके से आगे ले जाने की जरूरत है।

समाजवादी व्यापार सभा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष अब्दुल मुत्तलिब ने कार्यक्रम में पहुंचे सभी व्यापारियों, वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। उन्होंने कहा कि व्यापारी जनसंवाद का उद्देश्य व्यापारी समाज के बीच पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुनना और उन्हें संगठन के माध्यम से आगे उठाना है। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरनगर के व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता के साथ उठाना समाजवादी व्यापार सभा की जिम्मेदारी है। व्यापारियों के साथ लगातार संवाद कायम रखा जाएगा और उनकी समस्याओं को संबंधित स्तर तक पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम में रजनीश गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व्यापार सभा, डॉ. अजय चौरसिया, प्रदेश सचिव सपा, अक्षय जैन अरिहंत, प्रदेश उपाध्यक्ष व्यापार सभा, संजय यादव, जिलाध्यक्ष व्यापार सभा लखनऊ तथा हाजी लियाकत कुरैशी, पूर्व प्रत्याशी मीरापुर अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम को असद पाशा, अंसार आढ़ती, मो. नियाज हैदर, फिरोज अंसारी, विपिन लाटियान, राशिद मलिक, डॉ. इसरार अल्वी और अरशद मलिक सहित अन्य वक्ताओं ने संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन सपा नेता साजिद हसन और असद पाशा ने संयुक्त रूप से किया। इस दौरान वक्ताओं ने व्यापारी समाज को संगठित करने, व्यापारियों की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने और संगठन की गतिविधियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने पर जोर दिया।

हथौड़े की चोट से टूटी प्राचीन शिव मंदिर की प्राचीर, वीडियो वायरल होते ही मचा हड़कंप

चरथावल रोड पर शनिधाम से आगे स्थित मंदिर को लेकर विवाद गहराया, स्वामी यशवीर ने प्रशासन से तत्काल जांच और सुरक्षा की मांग की

मुजफ्फरनगर। चरथावल रोड पर शनिधाम से आगे स्थित बताए जा रहे एक पुराने शिव मंदिर की प्राचीर को हथौड़े से तोड़े जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला गरमा गया है। मंदिर की दीवार और निर्माण को क्षतिग्रस्त करते नजर आ रहे एक युवक के वीडियो ने मंदिर की सुरक्षा और वहां चल रहे विवाद को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। मामला सामने आने के बाद योग साधना आश्रम बघरा के पीठाधीश्वर स्वामी यशवीर महाराज ने पुलिस-प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप कर पूरे प्रकरण की जांच कराने की मांग की है।

सेवानिवृत्त अधिकारी ने जमीन खरीदकर कराया था निर्माण, संन्यास लेकर यहीं रहने की बात

सोमवार को स्वामी यशवीर महाराज की ओर से की गई फेसबुक पोस्ट में मंदिर से जुड़ी पूरी पृष्ठभूमि भी सामने रखी गई। पोस्ट के मुताबिक चरथावल रोड पर स्थित इस शिव मंदिर का निर्माण एक सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी ने जमीन खरीदकर निजी तौर पर कराया था। बताया गया है कि सेवानिवृत्ति के बाद उक्त अधिकारी ने संन्यास ग्रहण कर लिया था और मंदिर परिसर में रहकर पूजा-पाठ तथा धार्मिक गतिविधियां

करते थे। मंदिर की देखरेख भी वह स्वयं करते रहे।

निधन के बाद परिवार के पहुंचने से सामने आया विवाद

बताया गया है कि अधिकारी के निधन के बाद उनके परिवार के सदस्य मंदिर परिसर में पहुंचे। इसी दौरान परिसर में किए गए कुछ निर्माण को तोड़ने का प्रयास किए जाने की सूचना सामने आई। मामला उस समय और गंभीर हो गया, जब मंदिर की प्राचीर पर हथौड़े से चोट करते हुए एक युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया।

वीडियो ने बढ़ाई हलचल, मंदिर की सुरक्षा को लेकर उठे सवाल

वायरल वीडियो को स्वामी यशवीर महाराज ने अपनी फेसबुक पोस्ट पर साझा किया है। वीडियो में एक युवक निर्माण को हथौड़े से तोड़ता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो सामने आने के बाद धार्मिक स्थल की सुरक्षा और मंदिर परिसर से जुड़े अधिकारों को लेकर स्थानीय स्तर पर चचाएं तेज हो गई हैं। हालांकि वायरल वीडियो की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और वीडियो कब तथा किन परिस्थितियों में बनाया गया, यह भी जांच का विषय है।

विवाद है तो कानून के रास्ते से हो समाधान : स्वामी यशवीर

स्वामी यशवीर महाराज ने पुलिस और प्रशासन से पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए मौके का निरीक्षण कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि मंदिर की जमीन, निर्माण अथवा परिसर को लेकर किसी पक्ष के बीच विवाद है तो उसका समाधान कानून के दायरे में होना चाहिए। किसी भी पक्ष को अपने स्तर से निर्माण को क्षति पहुंचाने की कार्रवाई नहीं करनी चाहिए। स्वामी यशवीर ने प्रशासन से मंदिर की वर्तमान स्थिति की जांच कराने, संबंधित पक्षों से जानकारी लेने और पूरे घटनाक्रम की वास्तविकता सामने लाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने जांच पूरी होने तक मंदिर परिसर में किसी भी प्रकार की तोड़फोड़ अथवा निर्माण को नुकसान पहुंचाने की कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग रखी है।

ड्रेस के मुताबिक कैसी हो इयररिंग

अधिकतर लड़कियों को इयररिंग काफी पसंद आते है। यह आपके ट्रेडिशनल ड्रेस को एक बेहतरीन लुक देने में मदद करते है। अगर आप भी हमेशा नए स्टाइल के इयरिंग कैरी करना पसंद करती है, तो हम आपको इस लेख में ड्रेस के मुताबिक इयरिंग के बारे में बता रहे जिन्हें अपनाकर आप परफेक्ट लुक पा सकती है।

सिंपल सूट को एकदम नया लुक देने के लिए अधिकतर महिलाएं इयररिंग कैरी करना चाहती है, क्योंकि एक परफेक्ट और ड्रेस के हिसाब से इयरिंग पहनने से आपका पूरा लुक ही बदल जाता है। यदि आपने लाइट कलर की कोई ड्रेस पहनी है, तो आप छोटे मोती वाले झुमके इसके साथ पहन सकती हैं। यदि आप ज्यादा हैवी इयरिंग पहनना पसंद नहीं करती है, तो आपके लिए ये इयररिंग बिलकुल परफेक्ट है। फंक्शन में अक्सर महिलाएं ट्रेडिशनल ड्रेस पहनना पसंद करती है। वहीं यदि आप इसके साथ ड्रेस के हिसाब से इयरिंग पहनती है, तो ये आपके लुक को बेहद खूबसूरत बना देता है। आप ट्रेडिशनल ड्रेस के साथ गोल्डन इयररिंग कैरी कर सकती है। इनका फैशन एवरग्रीन है और सिंपल लहंगे को भी सुंदर बनाने के लिए इस तरह के इयररिंग बिल्कुल परफेक्ट रहते हैं।

अगर आप सिंपल सी प्रिंटिड साड़ी पहनती है, तो इनके साथ सिंपल झुमके कैरी कर सकती है। आप सिल्वर कलर के सिंपल झुमके इसके साथ पहन सकती हैं। इसके अलावा सिल्वर कलर के इयररिंग भी कैरी कर सकती हैं। इयररिंग के साथ नेकलेस आजकल काफी पसंद किया जा रहा है। जिसका लुक भी बहुत बढ़िया आता है। इसके लिए आप अपने ड्रेस के हिसाब से इयररिंग पहनें।

बस ख्याल इस बात का रखें कि जब भी आप हैवी इयररिंग और नेकलेस पहन रही है, तो लाइट मेकअप करें। ताकि आपका लुक बैलेंस हो सकें। सिंपल कुर्ती के साथ चांदबालियों का फैशन काफी ट्रेंडिंग है। इसे अधिकतर महिलाएं पसंद करती है। यदि आप नियमित कुर्ती कैरी करना पसंद करती है। तो आप स्टोन वाली चांदबाली पहन सकती है। इसके अलावा आप चांदबाली को सूट और लहंगे के साथ भी कैरी कर सकती है।

पुरुषों से ज्यादा महंगे क्यों होते हैं महिलाओं के सामान?

समझिए पिंक टैक्स का पूरा गणित

शॉपिंग तो हम सभी करते हैं। आप चाहें अपने लिए खरीदारी कर रही हों या पति, बेटे और भाई के लिए ही क्यों न शॉपिंग करती हों, एक चीज आपने नोटिस जरूर की होगी कि एक ही कंपनी का रेजर, परफ्यूम, शैंपू या डियोडोरेंट महिलाओं का ज्यादा महंगा मिलता है जबकि पुरुषों के सामानों की कीमत कम होती है। इतना ही नहीं, सैलून में हेयरकट, कुछ कपड़ों की ड्राई क्लीनिंग और कई दूसरी फैसिलिटीज के लिए भी महिलाओं को पुरुषों से ज्यादा पैसे देने पड़ते हैं। इसे ही पिंक टैक्स कहा जाता है। नाम में टैक्स जरूर है, लेकिन यह गवर्नमेंट नहीं लेती है। दरअसल, यह एक तरह का एक्स्ट्रा खर्च है, जो महिलाओं के लिए बनाए गए सामान और सेवाओं की कीमत से जुड़ जाता है। आइए जानते हैं कि आखिर पिंक टैक्स क्या है और इसका असर महिलाओं की जेब पर कैसे पड़ता है?

क्या है पिंक टैक्स

सबसे पहले यह जान लेना चाहिए कि पिंक टैक्स कोई सरकारी टैक्स नहीं है। यह बाजार में अपनाई जाने वाली ऐसी प्राइसिंग है, जिसमें महिलाओं के लिए बनाए गए सामान या सेवाओं की कीमत पुरुषों के सामानों से थोड़ी ज्यादा रखी जाती है। यानी अगर दो प्रोडक्ट एक जैसा काम करते हैं, लेकिन उनमें से एक पर For Women लिखा है या उसकी पैकेजिंग अलग है, तो उसकी कीमत कई बार ज्यादा हो सकती है।

एक एग्जांपल से समझिए

मान लीजिए आप और आपका कोई मेल फ्रेंड एक ही कंपनी का फुटवियर खरीदते हैं। उसका फुटवियर 700 का होगा, जबकि आपका 1000 रुपये का मिल रहा है। दोनों के ब्रांड एक जैसे ही है। सब फर्क सिर्फ रंग, पैकेजिंग या मार्केटिंग का है। यही एक्स्ट्रा कीमत पिंक टैक्स का सबसे आसान एग्जांपल है।

किन-किन चीजों में दिखता है पिंक टैक्स?

पिंक टैक्स सिर्फ फुटवियर के ऊपर ही नहीं लगाया जाता है। रोजाना इस्तेमाल होने वाली कई चीजों में आपको पिंक टैक्स देना पड़ता है। जैसे-

- रेजर, शैंपू, साबुन और डियोडोरेंट
- लिपस्टिक, नेल पेंट और दूसरे ब्यूटी प्रोडक्ट
- कुछ तरह के कपड़े और एसेसरीज
- सैलून में हेयरकट और दूसरी सर्विस
- कुछ जगहों पर ड्राई क्लीनिंग की कीमत
- लड़कियों के लिए बनाए गए कुछ टॉयज और साइकिल

फैशन और ब्यूटी में भी बढ़ जाता है खर्च

ये तो आपने देखा ही होगा कि महिलाओं के कपड़े, फुटवियर और फैशन से जुड़ी कोई भी चीज हो, तो वह पुरुषों के मुकाबले महंगी होती हैं। ऐसे समझें कि कई महिलाओं की जींस की जेब इतनी छोटी होती है कि उसमें मोबाइल तक ठीक से नहीं आता है। जबकि पुरुषों की जेब बड़ी होती है। ऐसे में आपको अलग से हैंडबैग खरीदना पड़ता है, जो कि एक आपका एक्स्ट्रा खर्च है। इसी तरह स्किन केयर, फेशियल, लेजर हेयर रिमूवल और दूसरे ब्यूटी ट्रीटमेंट भी लगातार खर्च बढ़ते रहते हैं।

कंपनियां ऐसा क्यों करती हैं

ऐसा कहा जाता है कि महिलाओं के प्रोडक्ट में अलग डिजाइन, खुशबू, पैकेजिंग या फिनशिंगि होती है। यही वजह है कि इनका रेट हाई होता है, लेकिन सच तो यह है कि ज्यादातर मामलों में फर्क सिर्फ मार्केटिंग का होता है। पैकेजिंग को अट्रैक्टिव दिखाना और टीवी-अखबारों में विज्ञापन दिखाकर महिलाओं के मन में यह बात बैठा दी जाती है कि उनके लिए अलग से सामान बनना कितना जरूरी है। इसी चक्कर में महिलाएं बिना किसी दूसरे सामान से तुलना किए, खुशी-खुशी ज्यादा पैसे दे देती हैं।

किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना

पहले घरों की रंगाई-पुताई करवा रहे हैं, तो यह टिप्स आपको जरूर जानना चाहिए। क्या आप अपने नए घर को पेंट करवाने का सोच रहे हैं? या अपने पुराने आशियाने को ही नई रंगत देकर नया लुक देना चाहते हैं? यदि हां, तो आपकी घर की दीवारों को पेंट करवाने से पहले ये जरूर जान लीजिए कि किन रंगों से महकेगा आपका आशियाना। घर की साज-सज्जा एवं रंग-रोगन के लिए दिशा के अनुसार चुनें इन 5 समृद्धिदायक रंगों को, और पाएं वर्ष भर खुशहाली व सुख-समृद्धि। जानें कैसे करें रंगों का चुनाव...

घर में सुख शांति और प्रसन्नता का वातावरण बना रहे इसलिए कई लोग घर की साज-सज्जा व रंगाई के लिए वास्तु और फेंगशुई के टिप्स भी आजमाते हैं।

- घर का बैठक कक्ष सबसे अहम होता है, इसलिए यहां की दीवारों पर विशेष तौर पर ध्यान देने की जरूरत होती है। यहां पर भूरा, गुलाबी, सफेद या क्रीम कलर सबसे अच्छा माना जाता है। यहां पर इन रंगों के परदे या तकिए कवर का इस्तेमाल भी शुभ फल देता है।
- भोजन कक्ष को रंगवाते समय आसमानी, हल्का हरा व गुलाबी रंग करवा सकते हैं। इससे हमेशा ऊर्जा व ताजगी का संचार होता है और सकारात्मकता बनी रहती है।
- रसोई घर में सफेद रंग हमेशा अच्छा माना जाता है। हांलांकि यह गंदा भी बहुत जल्दी होता है, लेकिन अगर आप नियमित तौर पर सफाई बनाएं रखें तो यह बहुत ही सकारात्मक प्रभाव छोड़ता है।
- बाथरूम या शौचालय के लिए हल्का गुलाबी या फिर सफेद रंग ही सबसे बेहतर होते हैं। खास तौर से बाथरूम में गुलाबी रंग का प्रयोग ताजगी बनाए रखता है और आप आंतरिक खुशी महसूस करते हैं।
- शयन कक्ष भी काफी महत्वपूर्ण होता है, यहां पर भी आप हल्का हरा, आसमानी, गुलाबी जैसे रंगों को इस्तेमाल कर सकते हैं, जिन्हें देखकर मन हमेशा प्रसन्न रहे। इससे आपके रिश्तों में भी मधुरता आती है।
- पीला रंग सुकून व रोशनी देने वाला रंग होता है। घर के ड्राइंग रूम, ऑफिस आदि की दीवारों पर यदि आप पीला रंग करवाते हैं तो वास्तु के अनुसार यह शुभ होता है।
- अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार लाने के लिए आपको अपने कमरे की उत्तरी दीवार पर हरा रंग करना चाहिए।
- आसमानी रंग जल तत्व को इंगित करता है। घर की उत्तरी दीवार को इस रंग से रंगवाना चाहिए।
- घर के खिड़की दरवाजे हमेशा गहरे रंगों से रंगवाएं। बेहतर होगा कि आप इन्हें डार्क ब्राउन रंग से रंगवाएं।
- जहां तक संभव हो सके घर को रंगवाने हेतु हमेशा हल्के रंगों का प्रयोग करें।

बदलते दौर की नई पसंद, लिव-इन से ज्यादा सिंगल लिविंग चुन रही हैं लड़कियां

आजकल की लड़कियां अकेले रहने को अपनी पहली प्राथमिकता दे रही हैं। उन्हें अपनी जिंदगी किसी के साथ बिताने के बजाय अकेले गुजारना ज्यादा अच्छा लग रहा है।

पहले के समय में महिलाओं के लिए शादी को सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा दोनों लिहाज से जोड़ा जाता था। बेटी समय पर विदा हो जाए, पहले के लोगों की यही मेंटालिटी हुआ करती थी। लेकिन कुछ सालों से आधुनिक दौर में इसका उल्टा हो रहा है। अब अधिकतर महिलाओं की प्राथमिकताएं बदलती जा रही है। वे अब समाज के दबाव या जोर जबरदस्ती से शादी करने के बजाय अपने फैसले खुद सोच समझ के लेना पसंद कर रही हैं। यही वजह है कि इन दिनों कुछ महिलाओं को शादी ही सब कुछ नहीं लग रहा है। वे अब अकेले रहना प्रिफर कर रही हैं।

फ्रीडम और पूरी आजादी की चाहत

सिंगल लिविंग मानो अब एक ट्रेंड बनता जा रहा है। लड़कियों को अकेले रहना अब बहुत पसंद आ रहा है। सिंगल लिविंग में लड़कियां अपने मन में जो आता है, वो बिना सोचे समझे कर लेती हैं। उन्हें किसी से पूछने की जरूरत या परमिशन की जरूरत नहीं होती है। कुछ महिलाओं को सिंगल लिविंग एक तरह से आजादी की तरह लगता है। वे जहां जाना चाहती हैं, वहां हो आती हैं, लेकिन शादी के बाद ये सब थोड़ा मुश्किल हो सकता है। शादी के बाद महिलाओं को न चाहते हुए भी कही न कहीं हस्बैंड की राय लेना भी जरूरी लगता है।

खुद फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होना

इसके अलावा पहले के समय में लड़कियों को नौकरी करने की या कमाने की इज्जाजत नहीं दी जाती थी, लेकिन आज के बदलते दौर में लड़कियां इंडिपेंडेंट होती जा रही हैं। वे खुद कमाती हैं और अपना घर-खर्च भी खुद से मैनेज कर लेती हैं। इसके साथ ही वे किसी से पैसे मांगने के बजाय खुद ही अपने शौक पूरे करने लगी हैं। इस वजह से भी उन्हें अपनी लाइफ में किसी दूसरे इंसान की जरूरत महसूस नहीं होती।

रिश्तों में झगड़े और तलाक के मामले देखना

सिंगल लिविंग का सबसे बड़ा कारण यह भी है कि जब वे अपने अगल-बगल कुछ ऐसे लोगों को रिलेशनशिप में देख लेती हैं, जिनके बीच आए दिन झगड़े और रिश्तों में दरारें या तलाक जैसे मामले देखने को मिलते हैं। इन सब चीजों से बचने के लिए अधिकतर महिलाएं अकेले रहना ज्यादा पसंद कर रही हैं।

खुद को चुनना बन गया है बेहतरीन ऑप्शन

हालांकि लड़कियों को सिंगल लिविंग करना इसलिए भी पसंद आ रहा है, क्योंकि वे इन सब झंझटों से बचना चाहती हैं। इसका मतलब यह नहीं कि सिंगल लिविंग गलत है या फिर शादी करना गलत है। ऐसी कई महिलाएं हैं जो शादी भी कर रही हैं और लिव-इन में भी रह रही हैं। लेकिन कुछ लड़कियों को अकेले रहना ज्यादा पसंद होता है, इसलिए उनके लिए खुद को चुनना ही सबसे बेहतरीन तीसरा ऑप्शन लगता है।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक आयोजित

गौतमबुद्धनगर। मुख्य विकास अधिकारी भाल चंद्र त्रिपाठी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों एवं बैंकर्स को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। उन्होंने लीड बैंक मैनेजर को निर्देशित किया कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत प्राप्त ऋण आवेदनों को अनावश्यक रूप से निरस्त न किया जाए तथा बैंकों में लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण करते हुए ऋण वितरण की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

मुख्य विकास अधिकारी ने NPCL एवं PPCL के अधिकारियों को निर्देश दिए कि लाभार्थियों के सोलर प्लांट की स्थापना के उपरांत नेट मीटरिंग का कार्य निर्धारित समयसीमा में शीघ्रता से पूर्ण कराया जाए, जिससे योजना का लाभ पात्र लाभार्थियों को समय से प्राप्त हो सके।

इसके साथ ही पंजीकृत वेंडरों को निर्देशित किया गया कि लाभार्थियों के यहां सोलर प्लांट की स्थापना का कार्य तेजी से पूर्ण कराते हुए संबंधित विवरण पीएम सूर्यघर योजना के पोर्टल पर अनिवार्य रूप से अपलोड करना सुनिश्चित करें।

मुख्य विकास अधिकारी ने सभी संबंधित विभागों, बैंकर्स एवं पंजीकृत वेंडरों से आपसी समन्वय स्थापित करते हुए पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी क्रियान्वयन एवं लक्ष्यों की समयबद्ध पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में योजना की प्रगति को गति देने तथा लाभार्थियों को समय से योजना का लाभ उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया।

बैठक में परियोजना अधिकारी, यूपीनेडा, नोडल अधिकारी (PMSGY), NPCL, PPCL, लीड बैंक मैनेजर (LDM), विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधि एवं पंजीकृत वेंडरों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

पति के तानों से तंग आकर पत्नी फंदे पर झूली

नोएडा। सेक्टर-49 थाना क्षेत्र के मंगतू कॉलोनी में रहने वाली महिला ने किराये के कमरे में फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। परिजनों का आरोप है कि पति के तानों से तंग आकर उसने यह कदम उठाया। हालांकि, पुलिस को महिला के पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। पुलिस ने पति, सास और ससुर के खिलाफ दहेज उत्पीड़न समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि हरियाणा के पंचकूला निवासी भावना की शादी 2022 में अमरोहा के हसनपुर निवासी मंजुल चौहान से हुई थी। शादी के एक साल बाद दोनों को एक बेटा हुआ।

कुछ साल पहले मंजुल पत्नी और बच्चों को लेकर नोएडा आ गए और एक पेट्रोल पंप में सेल्समैन का काम करने लगे। शनिवार को भावना और उसका बेटा कमरे पर थे। मंजुल काम पर गया था। इसी दौरान भावना ने पंखे से फंदा लगाकर जान दे दी। बेटे ने जब मां को फंदे से लटका देखा तो चीखने लगा। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और घटना की जानकारी मंजुल को दी। इसके बाद भावना ने मायके वालों को भी घटना के बारे में बताया गया।

ग्रेटर नोएडा में 25 सितंबर से यूपी ट्रेड शो

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो का आयोजन होगा। इस बार जापान, वियतनाम, रूस, सिंगापुर और ऑस्ट्रिया के प्रतिनिधि कारोबार और निवेश से जुड़े कार्यक्रमों में शामिल होंगे। बेलारूस भी आयोजन में भागीदार देश के तौर पर हिस्सा लेगा। ट्रेड शो में करीब 600 अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के पहुंचने की उम्मीद है। 72 देशों और केंद्र शासित प्रदेशों से खरीदारों के आने की संभावना है। इनके लिए बी2बी बैठकें और द्विपक्षीय कारोबारी सत्र आयोजित किए जाएंगे।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को ट्रेड शो की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को विदेशी खरीदारों और प्रदर्शकों के लिए आवास, परिवहन समेत अन्य सुविधाएं बेहतर रखने के निर्देश दिए।

ट्रेड शो में नोएडा के 16 स्टॉल लगाए जाएंगे। इनमें गोदरेज, क्लियो काउंटी, स्काईलाइन, एल्डिको, फायरफॉक्स, ग्रेट वैल्यू और मेक्स समेत शहर की कंपनियां शामिल होंगी। इनके जरिए रियल एस्टेट, कारोबार और दूसरे क्षेत्रों से जुड़े उत्पाद व परियोजनाएं प्रदर्शित की जाएंगी।

सेमीकंडक्टर से MSME तक 20 नॉलेज सेशन: ट्रेड शो में उद्घाटन और प्लेनरी कार्यक्रमों के अलावा करीब 20 नॉलेज सेशन होंगे। इनमें ग्लोबल सप्लाई चेन, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडटेक, MSME और ODOP निर्यातकों के लिए ई-कॉमर्स जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

नए श्रम कानून, फ्री ट्रेड एग्रीमेंट, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट, सड़क सुरक्षा, आयुष वेलनेस और FPO को मजबूत करने जैसे मुद्दों पर भी सत्र होंगे।

36,500 वर्गमीटर में लगेगा प्रदर्शनी क्षेत्र: ट्रेड शो के लिए भूतल और दूसरे तल पर करीब 36,500 वर्गमीटर प्रदर्शनी क्षेत्र बुक हो चुका है। यहां ODOP, MSME, इलेक्ट्रॉनिक्स-आईटी, डिफेंस-एयरोस्पेस, कृषि, ऑटोमोबाइल, EV, फार्मा, टेक्सटाइल और पर्यटन समेत कई क्षेत्रों के उत्पाद प्रदर्शित होंगे।

500 से ज्यादा श्वङ्क शटल, पार्किंग से एक्सपो मार्ट तक सुविधा: आगंतुकों की सुविधा के लिए पार्किंग से एक्सपो मार्ट तक 500 से ज्यादा EV शटल बसें चलाने की तैयारी है। पुलिस और प्रशासन ने यातायात व पार्किंग के लिए रूट प्लान तैयार किया है। प्रवेश और निकास पर सुरक्षा कर्मियों की तैनाती, फ्रिस्किंग और भीड़ प्रबंधन की व्यवस्था रहेगी।

कथक से भोजपुरी और आल्हा तक 25 सांस्कृतिक कार्यक्रम: ट्रेड शो में कारोबार के साथ उत्तर प्रदेश की संस्कृति की झलक भी दिखाई जाएगी। इसके लिए 25 सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के स्लॉट रखे गए हैं। इनमें कथक, पखावज, सितार, भोजपुरी और आल्हा गायन के साथ राई और थारू लोकनृत्य शामिल हैं।

आयोजन स्थल को प्लास्टिक मुक्त रखने के साथ CCTV, पेयजल, स्वच्छता और इंटरनेट की पर्याप्त व्यवस्था के निर्देश दिए गए हैं। सरकारी विभागों को 23 सितंबर तक अपने स्टॉल तैयार करने को कहा गया है।

श्रमिक हिंसा मामले में तीन आरोपियों की अग्रिम जमानत अर्जियां खारिज

नोएडा। सत्र न्यायाधीश की अदालत ने 13 अप्रैल 2026 को सेक्टर-84 स्थित मदरसन कंपनी परिसर में पुलिस बल पर हुए हिंसक हमले और आगजनी के मामले में प्रियंवदा शर्मा, प्रेरित लोधा और शिवानी कौल को अग्रिम जमानत देने से मना कर जिया।

अभियोजन के मुताबिक सभी मामले थाना फेज-2 में दर्ज हैं। प्राथमिकी के अनुसार पुलिस बल क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ड्यूटी पर था। तभी मदरसन कंपनी के पास सैकड़ों की संख्या में मजदूर वेतन वृद्धि, ओवरटाइम और बोनस की मांग को लेकर एकत्रित हो गए और सड़क जाम कर प्रदर्शन करने लगे। थोड़ी देर बाद भीड़ ने नियंत्रण खोकर सुबह करीब साढ़े आठ बजे से रात साढ़े नौ बजे तक पुलिस बल पर लाठी-डंडों, ईंट-पत्थरों से भयंकर हमला कर दिया। इस हमले में कई पुलिसकर्मी घायल हुए। पुलिस के अनुसार यह घटना 450-500 अज्ञात व्यक्तियों द्वारा पूर्व-नियोजित साजिश के तहत अंजाम दी गई।

अभियोजन पक्ष ने अदालत को बताया कि केस डायरी में सह आरोपियों मनीषा, रिचा, आकृति व अन्य के व्हाट्सऐप चैट और ऑडियो-वीडियो विश्लेषण से पता चला कि प्रियंवदा शर्मा, प्रेरित लोधा और शिवानी कौल भी आंदोलन के फोटो-वीडियो प्राप्त कर मजदूरों को भड़काने में शामिल थीं। शिवानी कौल के मामले में यह भी सामने आया कि वह टेलीग्राम चैनल पर बने बिगुल मीडिया ग्रुप की सक्रिय सदस्य थीं।

दूसरी ओर आवेदकों के वकीलों ने दलील दी कि उनके मुवक्किल घटनास्थल पर मौजूद नहीं थे। पुलिस के मनमाने रवैये को सोशल मीडिया पर उजागर करने के कारण उन्हें फर्जी तरीके से फंसाया है। अदालत ने अभियोजन पत्रों और केस डायरी के अवलोकन करने के बादआरोपियों को अग्रिम जमानत देने से मना कर दिया।

नोएडा में मिशन शक्ति 5.0 का अभियान तेज, महिलाओं और बालिकाओं को बताए सुरक्षा के तरीके

नोएडा। पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन और डीसीपी महिला सुरक्षा के पर्यवेक्षण में महिलाओं की सुरक्षा, सशक्तिकरण और जागरूकता को लेकर लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी सिलसिले में सोमवार को मिशन शक्ति टीम ने विभिन्न स्कूल-कॉलेज, मोहल्लों और सार्वजनिक स्थानों पर जाकर महिलाओं और बालिकाओं से सीधा संवाद स्थापित किया।

मिशन शक्ति टीम ने इस दौरान महिलाओं को महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों, बाल विवाह निषेध, महिला सशक्तिकरण और बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के बारे में विस्तार से बताया। महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों से बचाव के तरीकों पर चर्चा की गई और किसी भी घटना के होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करने के लिए जागरूक किया गया।

चलाए जा रहे इस अभियान के तहत मौके पर पंपलेट भी बांटे गए। पंपलेट के माध्यम से डायल-112, महिला हेल्पलाइन-1090, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन-1076, साइबर हेल्पलाइन-1930, चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 और वन स्टॉप सेंटर-181 जैसे तमाम महत्वपूर्ण हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी दी गई।

अभियान के दौरान मिशन शक्ति टीम ने महिलाओं और बालिकाओं से साफ कहा कि किसी भी आपात स्थिति या परेशानी में वे बिना किसी झिझक के पुलिस की मदद लें। इस पूरे कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनकी सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के साथ-साथ उन्हें आत्मनिर्भर और सशक्त बनाना है।

संक्षिप्त समाचार

इंजेक्शन लगने से महिला की मौत, डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप

ग्रेटर नोएडा। जारचा कोतवाली क्षेत्र के खटाना-धीरखेड़ा गांव की महिला की रविवार को निजी क्लीनिक पर चिकित्सक द्वारा इंजेक्शन लगाने के बाद मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। महिला को दो दिन पहले बुखार आया था। पुलिस ने मामले की जांच कर रही है। खटाना-धीरखेड़ा गांव में संदीप कुमार परिवार के साथ रहते हैं। उन्होंने बताया कि उनकी मां शकुंतला देवी(50) को 19 सितंबर के बुखार आया था। उनका पास के गांव धनुवास में डॉक्टर के पास उपचार चल रहा था। 20 सितंबर को इंजेक्शन लगाने के लिए बुलाया था। आरोप है इंजेक्शन लगने के कुछ देर बाद महिला का रंग बदल गया और जीभ मोटी हो गई। जिससे कुछ देर महिला की हालत बिगड़ गई। हालत बिगड़ने पर उनको तत्काल परिजन दादरी के अन्य दो निजी अस्पतालों में लेकर पहुंचे। वहां पर पहुंचने से पहले ही उनकी मौत को गई। महिला के परिजन ने डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कोतवाली में तहरीर दी है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर जांच शुरू कर दी है। जारचा कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ ने बताया कि महिला की मौत का मामला सामने आया है। दादरी सामुदायिक केंद्र के प्रभारी चिकित्सक रविंद्र कुमार का कहना है कि चिकित्सक के संबंध में अभी कोई शिकायत नहीं मिली है। संबंधी चिकित्सक की डिग्री और उनके पंजीकरण की जानकारी जुटाई जा रही है।

दंत चिकित्सा के नए परिसर का उद्घाटन

नोएडा। चाइल्ड पीजीआई में दंत चिकित्सा एवं निवारक दंत चिकित्सा विभाग के नए परिसर और उन्नत सुविधाओं का सोमवार को उद्घाटन किया गया। गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय के कुलपति व दंत चिकित्सक प्रो. डॉ. महेश वर्मा और संस्थान के निदेशक डॉ. एके. सिंह ने संयुक्त रूप से परिसर का उद्घाटन किया। इस दौरान डीन डॉ. डीके. सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आकाश राज समेत वरिष्ठ अधिकारी, चिकित्सक और विभागीय सदस्य मौजूद रहे। विभागाध्यक्ष डॉ. अदिति माथुर ने बताया कि जल्द ही आधुनिक उपकरणों की खरीद की योजना है।

चोरी की बाइक के साथ आरोपी गिरफ्तार

नोएडा। थाना फेज-1 पुलिस ने चेकिंग के दौरान अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से दिल्ली से चोरी की गई बाइक और अवैध चाकू बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, झुण्डपुरा बॉर्डर पर वाहनों की जांच की जा रही थी। इसी दौरान टोयोटा शोरूम चौराहे की ओर से बाइक सवार एक युवक आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की तो आरोपी ने अपना नाम संजू उर्फ नेपाली (26) निवासी जेजे कॉलोनी, सेक्टर-8 बताया। पुलिस जांच के दौरान बाइक जैनुलआबदीन निवासी जाफराबाद, दिल्ली के नाम पंजीकृत मिली। पूछताछ में बाइक दिल्ली के गाजीपुर थाना क्षेत्र से चोरी किए जाने की जानकारी सामने आई।

उद्योगों में डीजी सेट संचालन और प्रदूषण नियंत्रण को लेकर उद्यमियों के लिए कार्यशाला आयोजित

नोएडा। सेक्टर-6 में स्थित नोएडा एंटरप्रेन्योर्स एसोसिएशन के दफ्तर में औद्योगिक इकाइयों के लिए एक कार्यशाला और जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नोएडा क्षेत्रीय कार्यालय की तरफ से इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया था। इसका मुख्य उद्देश्य उद्योगों में डीजी सेट चलाने और उससे होने वाले प्रदूषण को रोकने के लिए उद्यमियों को दिशा-निर्देश देना था। यह कार्यक्रम स्टेट एनसी एक्शन प्लान (State NC Action Plan) और आईईसी एक्शन प्लान (IEC Action Plan) के तहत आयोजित किया गया, जिसमें उद्यमियों को प्रदूषण रोकने और पर्यावरण के नियमों का पालन करने की जानकारी दी गई।

नाले में अधेड़ की मौत के मामले में कार सवार दो युवकों पर केस

नोएडा। सेक्टर-24 थाना क्षेत्र में अंडरपास के पास तेज रफ्तार कार के डिवाइडर से टकराकर पलटने और पास के नाले में अधेड़ का शव मिलने के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया। पुलिस की जांच में सामने आया है कि कार की चपेट में आने के बाद अधेड़ नाले में जा गिरा। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने कार सवार अमन उर्फ अरमान और अनिकेत को हिरासत में लिया है। दोनों के खिलाफ मोरना चौकी प्रभारी अजीत सिंह की शिकायत पर केस दर्ज किया गया है। हालांकि, शव की पहचान अभी नहीं हो सकी है। पुलिस के मुताबिक बुलंदशहर निवासी अमन और अनिकेत 19 सितंबर की तड़के करीब तीन बजे कार से बरौला से निकले थे। दोनों वर्तमान में बरौला में किराये का कमरा लेकर रह रहे हैं। जिस कार से दोनों जा रहे थे, वह उनके साथ रहने वाले शिवा की है। शिवा भी उसी इमारत में रहता है, जहां अमन और अनिकेत रहते हैं। पुलिस की जांच के अनुसार दोनों सेक्टर-49 की ओर से सेक्टर-12-22 की तरफ जा रहे थे। वेव सिटी मॉल के पास अंडरपास से पहले तेज रफ्तार होने के कारण कार अनियंत्रित हो गई।

पुलिस का दावा: पुलिस का दावा है कि उस समय कार की रफ्तार करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटे थी। अनियंत्रित होने के बाद कार कई फीट तक उछली और नाले के ऊपर जाकर पलट गई। इसी दौरान पास में मौजूद एक अधेड़ व्यक्ति कार की चपेट में आ गया और कार नाले में जा गिरा। गंभीर चोट लगने से अधेड़ की मौके पर ही मौत हो गई। हादसा इतना जोरदार था कि कार के एयरबैग खुल गए। अमन और अनिकेत को भी मामूली चोटें आईं, लेकिन दोनों कार से सुरक्षित बाहर निकल आए। हादसे के बाद दोनों कार को मौके पर ही छोड़कर वहां से चले गए। सुबह लोगों ने नाले के ऊपर पलटी कार देखी तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इस दौरान नाले में एक व्यक्ति का शव पड़े होने की जानकारी भी पुलिस को मिली।

मौत के पहले चोट लगी थी: सूचना मिलने के बाद सेक्टर-24 थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्रेन की मदद से क्षतिग्रस्त कार को नाले से बाहर निकलवाया और थाने ले गई। इसके बाद कार के आधार पर उसके मालिक और सवार युवकों की जानकारी जुटाई गई। पुलिस ने मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में शरीर के कई हिस्सों में चोट लगने का उल्लेख किया गया है। रिपोर्ट में इन चोटों को मृत्यु से पहले लगी चोट बताया गया है। हालांकि, मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों और अन्य माध्यमों से मृतक की पहचान कराने का प्रयास कर रही है।

एक आरोपी प्राधिकरण का कर्मचारी: जांच में सामने आया कि कार सवार दोनों युवक मूलरूप से बुलंदशहर के रहने वाले हैं। अनिकेत प्राधिकरण में सफाई कर्मचारी के तौर पर काम करता है, जबकि अमन एक जिम में ट्रेनर है। हादसे के बाद दोनों के मौके से चले जाने के कारण पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की। पूछताछ के बाद दोनों को हिरासत में लिया गया। स्थानीय लोगों का दावा है कि हादसे के समय कार सवार दोनों युवक शराब के नशे में थे। पुलिस भी इस बिंदु पर जांच कर रही है। हालांकि, पुलिस की ओर से अभी यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि हादसे के समय दोनों के शराब के नशे में होने की पुष्टि किसी मेडिकल या अन्य जांच से हुई है। पुलिस हादसे से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

अरमान चला रहा था कार: पुलिस के अनुसार घटना के समय कार अरमान चला रहा था। उसका साथी बगल में बैठा हुआ था। जिस जगह पर हादसा हुआ, वहां रात में आसपास सन्नाटा रहता है। कुछ ही दूरी पर एक निजी अस्पताल है। मृतक की पहचान के लिए पुलिस सोशल मीडिया का भी सहारा ले रही है। पुलिस के सामने अब हादसे के समय कार की वास्तविक गति से जुड़े तथ्यों को स्पष्ट करने की चुनौती है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आए तथ्यों और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सोलर कंपनी से 2.10 करोड़ की धोखाधड़ी में सात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

नोएडा। सूरजपुर थाना क्षेत्र में सोलर उपकरण निर्माता कंपनी के मालिक से करीब 2 करोड़ 10 लाख रुपये की ठगी और धमकी देने का मामला सामने आया है। न्यायालय के आदेश पर सूरजपुर पुलिस ने रविवार को भोपाल निवासी सात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

पुलिस के अनुसार सेक्टर-36 अच्छेजा ग्रेटर नोएडा निवासी उदयवीर सिंह की फर्म मैसर्स लोहिया सोलर इंस्टोलेशन, यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र सूरजपुर में स्थित है। जिसकी प्रोपराइटर उनकी पत्नी गीता देवी हैं। लेकिन कारोबार से जुड़े सभी लेन-देन उदयवीर स्वयं देखते हैं। फर्म सोलर मॉड्यूल माउंटिंग स्ट्रक्चर तैयार करने का काम करती है। भोपाल स्थित फर्म एमपी इंटरप्राइजेज ने पिछले साल एक सितंबर 2025 को प्रदीप सारस्वत के माध्यम से संपर्क कर मशीनरी स्पेयर पार्ट्स खरीदने की बात कही थी। इसके बाद आरोपी शिकायतकर्ता की फर्म पर पहुंचे और 2 सितंबर 2025 को गवाहों की मौजूदगी में एक लिखित इकरारनामा हुआ। इसके तहत एडवांस के रूप में आरटीजीएस के जरिए 24 लाख 60 हजार रुपये और सुरक्षा के तौर पर एक करोड़ और पचास लाख रुपये के दो चेक लिए गए।

जब उन्होंने अपनी लेबर सामान लेने आरोपियों की फर्म भेजी, तो पता चला कि आरोपी इसी तरह फर्जी दस्तावेजों के जरिए कई अन्य कंपनियों को भी ठग चुके हैं। आरोपियों ने सुरक्षा के तौर पर लिए गए चेकों का दुरुपयोग करते हुए उन्हें जानबूझकर बाउंस कराया और झूठे तथ्यों के आधार पर शिकायतकर्ता के खिलाफ ही न्यायालय में परिवाद दाखिल कर दिया। रकम व चेक वापस मांगने पर आरोपी फर्म के डायरेक्टर ने गाली-गलौच की। एफआईआर में निवासी भोपाल मुजीब उर रहमान उर्फ सलमान, मोहम्मद फैजल कुरैशी, अफसर खान, पहलवान परवेज, हमजा, अरविंद कुमार शर्मा व झांसी निवासी प्रदीप सारस्वत को आरोपी बनाया गया है। वहीं कोतवाली प्रभारी संजय कुमार सिंह का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

नोएडा में जल्द गुलजार होंगे दो स्ट्रीट मार्केट

नोएडा। शहरवासियों को जल्द ही खरीदारी और खान-पान के लिए दो नए स्ट्रीट मार्केट की सुविधा मिलने जा रही है। बॉटेनिकल गार्डन से जीआईपी मॉल के बीच और सेक्टर-18 में विकसित किए जा रहे इन मार्केट में करीब 34 कियोस्क होंगे। बॉटेनिकल गार्डन से जीआईपी के बीच 19 बन चुके है और सेक्टर-18 में 15 कियोस्क प्रस्तावित हैं। इनमें से बॉटेनिकल गार्डन से जीआईपी के बीच 16 कियोस्क का निर्माण पूरा हो चुका है।

कियोस्क के संचालन के लिए प्राधिकरण को आठ कंपनियों की ओर से सुझाव दिए गए हैं। कंपनियों के प्रतिनिधियों ने 18 सितंबर को अपने सुझाव प्राधिकरण के सामने रखे। अब इन्हें गठित समिति के समक्ष रखा जाएगा। समिति में प्राधिकरण के जीएम, प्लानिंग, सामान्य प्रशासन और लॉ विभाग के अधिकारी शामिल हैं। समिति की संस्तुति के बाद कियोस्क के आवंटन की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। अक्टूबर में इनके संचालन की तैयारी है।

इंदौर के 56 मार्केट की तर्ज पर विकास: प्राधिकरण इन स्ट्रीट मार्केट को इंदौर के 56 मार्केट की तर्ज पर विकसित कर रहा है। यहां मुख्य रूप से खाने-पीने की दुकानें होंगी। अलग-अलग तरह के व्यंजनों के साथ लोगों के बैठने और घूमने के लिए भी जगह होगी। मार्केट शुरू होने के बाद शाम के समय युवाओं और परिवारों के लिए यह नया आकर्षण बन सकता है। खुले माहौल में खाने-पीने और खरीदारी की सुविधा मिलेगी।

कम लागत और ज्यादा राजस्व वाली कंपनी को प्राथमिकता: प्राधिकरण की कोशिश है कि कियोस्क का संचालन कम लागत में हो और उससे अधिक राजस्व मिल सके। इसी आधार पर कंपनियों के सुझावों पर विचार किया जाएगा। इससे प्राधिकरण को आय होने के साथ शहरवासियों को बेहतर सुविधा मिलने की उम्मीद है। कियोस्क के संचालन के लिए प्राधिकरण पहले तीन बार टेंडर जारी कर चुका है। हालांकि, नियम और शर्तों के अनुरूप आवेदन नहीं आने के कारण प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी थी।

यूपी रेरा ने शिकायतकर्ताओं को ब्याज लौटाया

नोएडा। उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने बिल्डर परियोजनाओं में फ्लैट और दुकान खरीदने वाले लोगों बड़ी राहत दी है। वसूली प्रमाणपत्र यानी रिकवरी सर्टिफिकेट (आरसी) के जरिए वसूली गई रकम बैंक में लंबित रहने के दौरान उस पर मिले ब्याज को लौटा दिया है। अब तक 430 शिकायतकर्ताओं को? 73.84 लाख रुपये का ब्याज भुगतान किया जा चुका है। अधिकारी के मुताबिक रेरा आदेश के बाद बिल्डर के खिलाफ आरसी जारी की जाती है। राजस्व विभाग वसूली कर रकम बैंक में जमा कराता है, जहां से शिकायतकर्ता को भुगतान होता है। कई बार मूल भुगतान होने तक रकम कुछ समय बैंक में लंबित रहती है। रेरा ने तय किया कि इस लंबित अवधि में बैंक में जमा रकम पर जो ब्याज मिला है, वह भी शिकायतकर्ता का हक है। इसी के तहत ब्याज की गणना कर भुगतान किया गया। यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी का कहना है कि यह कदम शिकायतकर्ताओं के वित्तीय हितों की रक्षा और वसूली की पारदर्शी प्रक्रिया के लिए उठाया गया है।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी की अध्यक्षता में शिक्षण संस्थानों एवं संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न

गौतमबुद्धनगर। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 25 से 29 सितंबर 2026 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होने वाले यू0पी0 इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के चतुर्थ संस्करण के सफल आयोजन एवं व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एनआईसी सभागार में विभिन्न स्कूल-कॉलेजों के प्रतिनिधियों एवं संबंधित विभागीय अधिकारियों के साथ बैठक संपन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों को बताया कि जनपद के अधिक से अधिक स्कूल एवं कॉलेज के विद्यार्थियों को यू0पी0 इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया जाए। ट्रेड शो में विद्यार्थियों के लिए क्विज, बैटल ऑफ द बैंड्स' की प्रतियोगिता आयोजित की जायेगी साथ ही विद्यार्थियों को विभिन्न टास्क दिये जायेंगे। टास्क पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को ट्रेड एक्सपो पासपोर्ट प्रदान किये जायेंगे। मार्गदर्शन के लिए करियर काउंसलिंग के विशेष सत्र तथा विभिन्न करियर विकल्पों से संबंधित स्टॉल भी लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि ट्रेड शो विद्यार्थियों को उद्योग, व्यापार, नई तकनीक, रोजगार एवं करियर के विभिन्न अवसरों को समझने और अपने ज्ञान एवं कौशल का विस्तार करने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगा।

यू0पी0 इंटरनेशनल ट्रेड शो-2026 के माध्यम से उत्तर प्रदेश की क्राफ्ट, कल्चर एवं कुजीन को व्यापक मंच प्रदान किया जाएगा। ट्रेड शो में प्रदेश के विभिन्न उत्पादों का एक ही छत के नीचे प्रदर्शन, स्थानीय हस्तशिल्प एवं उत्पादों की ब्रांडिंग, उद्यमियों एवं खरीदारों के बीच संपर्क तथा व्यापारिक अवसरों को बढ़ावा देने की दिशा में विभिन्न गतिविधियां आयोजित होंगी। वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ह्रठ्ठह्रक्) के अंतर्गत जनपदों के विशिष्ट उत्पादों, स्थानीय कारीगरों एवं उद्यमियों को अपने उत्पादों को व्यापक बाजार से जोड़ने का अवसर मिलेगा।

ट्रेड शो में आगंतुकों को उत्तर प्रदेश की विरासत, परंपराओं एवं खान-पान से परिचित कराने के साथ ही प्रदेश की समृद्ध कला एवं संस्कृति को अनुभव करने का अवसर मिलेगा। आयोजन के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को वैश्विक बाजार से जोड़ने, उद्यमियों को सशक्त बनाने, एमएसएमई एवं स्टार्टअप्स को प्रोत्साहित करने तथा प्रदेश की कला, संस्कृति एवं विरासत को व्यापक स्तर पर प्रदर्शित किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्कूल-कॉलेजों से समन्वय स्थापित करते हुए विद्यार्थियों की अधिकाधिक सहभागिता सुनिश्चित की जाए। विद्यार्थियों के आवागमन एवं ट्रेड शो में प्रतिभाग करने के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय से सुनिश्चित की जाएं। इस कार्य के लिए नोडल अधिकारी नामित करते हुए संबंधित स्कूल-कॉलेजों के साथ नियमित समन्वय बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि ट्रेड शो के विभिन्न कार्यक्रमों में माननीय जनप्रतिनिधियों, वीवीआईपी, वीआईपी, आरडब्ल्यूए, विभिन्न एसोसिएशनों, उद्यमियों एवं अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों को समय से आमंत्रित किया जाए तथा सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से उनकी सहभागिता सुनिश्चित करें।

जिलाधिकारी ने जनपदवासियों, विद्यार्थियों, शिक्षण संस्थानों, उद्यमियों एवं विभिन्न संगठनों से अधिकाधिक संख्या में ट्रेड शो में प्रतिभाग करने का आह्वान किया, ताकि वे उत्तर प्रदेश के हुनर, उत्पादों, संस्कृति एवं उद्योग जगत से जुड़ने के साथ-साथ उपलब्ध विभिन्न अवसरों की जानकारी प्राप्त कर सकें।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन संजय कुमार पांडेय, डिप्टी कलेक्टर अरूण कुमार, पूर्वा शर्मा, जिला विद्यालय निरीक्षक चंद्रशेखर, उपायुक्त उद्योग पंकज निर्वाण, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी(प्रवर्तन) डॉ उदित नारायण पाण्डेय, सीईओ इंडिया एक्सपो मार्ट ग्रेटर नोएडा सुदीप सरकार, सम्बंधित अधिकारी एवं विभिन्न शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक अनिल रॉयल ने रॉयल बुलेटिन को मै. साई प्रिंटिंग प्रेस, डी-85, सैक्टर-6, नोएडा- 201301 से मुद्रित कराकर 318-द्वितीय तल, जयपुरिया प्लाजा, डीपीएस के सामने, सैक्टर-26, नोएडा (गौतमबुद्धनगर, उ.प्र.) से प्रकाशित किया।

सम्पादक: अनिल रॉयल

फोन: (0120) 4545477
मो. 9910779911
e-mail Address : royalnoida@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

पद्म श्री पुरस्कार प्राप्त कार्डियोलाजिस्ट डॉ. विजयाराघवन का निधन

तिरुअनंतपुरम, एजेंसी। प्रसिद्ध कार्डियोलाजिस्ट और पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. जी विजयाराघवन का रविवार को यहां निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे। विजयाराघवन उन प्रमुख विशेषज्ञों में से थे जिन्होंने पिछली सदी के सातवें दशक के अंत में भारत में पहली बार 2डी इकोकार्डियोग्राफी की लैब बनाई और हृदय रोगों का निदान करने के लिए इस तकनीक का उपयोग किया। उन्होंने 1964 में तिरुअनंतपुरम मेडिकल कालेज से एमबीबीएस और 1969 में एमडी की

डिग्री हासिल की थी। इसके बाद क्रिश्चियन मेडिकल कालेज, वेल्लोर से कार्डियोलाजी में डाक्टरेट की डिग्री प्राप्त की। उन्हें 2009 में पद्म श्री से सम्मानित किया गया था। केरल के मुख्यमंत्री वीडी सतीशन और स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया और इसे स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए अपूरणीय क्षति बताया।

तेलंगाना में डिवाइडर से टकराने के बाद कार में लगी आग, डॉक्टर की जलकर मौत

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के सूर्यपेट जिले में एक कार सड़क के डिवाइडर से टकरा गई, जिससे इसमें सवार 50 वर्षीय डाक्टर की जिंदा जलकर मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हादसा रविवार सुबह करीब 7.15 बजे हैदराबाद-खम्मम हाईवे पर पिल्लालामारी फ्लाईओवर के पास हुआ। सड़क के डिवाइडर से टकराने के बाद कार आग की लपटों में घिर गई। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम और दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और आग बुझाई, लेकिन गाड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो गई थी। अधिकारी ने बताया कि बाद में ड्राइवर की सीट पर एक बुरी तरह जली हुई लाश मिली। पास के टोल गेट से मिली जानकारी और गाड़ी के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर मृतक की पहचान खम्मम जिले के एक अस्पताल में काम करने वाले न्यूरोसर्जन के. जगदीश के तौर पर की गई। पुलिस ने बताया कि डाक्टर खम्मम से हैदराबाद अपने परिवार से मिलने जा रहे थे।

हिमाचल में सेब खरीद में करोड़ों का घोटाला,

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मंडी मध्यस्थता योजना (एमआइएस) के तहत बागवानों से सेब खरीद में एजेंटों की भारी गड़बड़ियों का मामला सामने आया है। वर्ष 2025 में हुई करीब एक लाख टन सेब की सरकारी खरीद के रिकॉर्ड में वास्तविक आपूर्ति से कई गुना अधिक सेब दर्ज किए जाने के आरोप हैं। संबंधित क्षेत्रों के एसडीएम से कराई गई जांच के बाद कार्रवाई के लिए फाइल मुख्यमंत्री को भेजी गई है। जांच में सामने आए मामलों की संख्या सैकड़ों बताई जा रही है और करीब 20 करोड़ रुपये के घपले की आशंका जताई गई है। शिमला, चंबा, मंडी समेत कई जिलों में ऐसे मामले सामने आए हैं। सबसे अधिक मामले शिमला जिले के रोहड़ू, कोटखाई, चौपाल, ठियोग और रामपुर क्षेत्र में बताए जा रहे हैं। एसडीएम स्तर की जांच में बागवानों से पूछताछ के दौरान कई ऐसे मामले मिले, जिनमें उन्होंने सरकारी उपक्रम हिमाचल प्रदेश बागवानी उपज विपणन एवं प्रसंस्करण निगम (एचपीएमसी) को सी-ग्रेड सेब की जितनी मात्रा दी, रिकॉर्ड में उससे कहीं अधिक दर्ज थी। पहला ममला ऐसा सामने आया जिसमें 66 बोरी बेची और रिकार्ड में 130 दर्ज थी। कई बागवानों ने 50 से 100 बोरी सेब देने की बात कही, जबकि रिकार्ड में उनके नाम पर 200 से 350 बोरी तक की आपूर्ति दर्ज मिली। सरकार ने जमीन के दस्तावेज, आधार कार्ड समेत अन्य जानकारी मांगी तो बड़ी संख्या में बागवान भुगतान लेने ही नहीं पहुंचे। इससे रिकार्ड में दर्ज अतिरिक्त सेब की मात्रा और उसके आधार पर किए गए भुगतान को लेकर सवाल और गहरा गया है। एचपीएमसी ने 300 से अधिक केंद्र सेब खरीद के लिए स्थापित किए थे। कोटखाई के गुम्मा निवासी बलवीर चौहान एमआइएस के तहत एचपीएमसी को दी गई 66 बोरी सेब का भुगतान लेने पहुंचे।

आंध्र प्रदेश में पूरी तरह सूखी चित्रावती नदी, रेत पर ही करना पड़ा बप्पा का 'विसर्जन'

अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के पुत्तलुरू में भीषण सूखा पड़ रहा है। हालात ये हो गए हैं कि चित्रावती नदी पूरी तरह से सूख गई है, जहाँ पहले नदी बहती थी वहां आज सिर्फ रेत ही रेत देखने को मिल रही है। हालात ऐसे हैं कि लोगों के पास गणेश विसर्जन करने के लिए कोई नदी नहीं बची है। पुत्तलुरू में भीषण सूखे की हालत में एक ऐसी तस्वीर सामने आई, जिसने लोगों को दिल छू लिया। दरअसल जिस चित्रावती नदी में हर साल बप्पा का विसर्जन होता था, वहां इस पर पानी ही नहीं था। ऐसे में लोगों ने मजबूरी में बप्पा की मूर्तियों को सूखी नदी की रेत पर ही छोड़कर विदा कर दिया क्योंकि इसके अलावा उनके पास और कोई चारा नहीं था।

आंध्र प्रदेश में आये इस सूखे के पीछे कई स्थिति मानी जा रही है। मानसून की भारी कमी इस सूखे के पीछे मुख्य कारण माना जा रहा है। इस साल आंध्र प्रदेश के कई हिस्सों में मानसून के दौरान सामान्य से बहुत कम बारिश दर्ज की गई है। वहीं अलनीनों भी इस सूखे के पीछे एक बड़ा कारण हो सकता है। मौसम वैज्ञानिकों के

मुताबिक, 'वैश्विक जलवायु पैटर्न अल नीनो के प्रभाव के कारण मानसून कमजोर पड़ गया। अल नीनो के कारण भारत के दक्षिणी हिस्सों में वर्षा की अनिश्चितता बढ़ जाती है, जिससे इस क्षेत्र में सूखे जैसे हालात पैदा हुए।

लगातार कम बारिश होने की वजह से प्राकृतिक जल स्रोतों जैसे तालाबों और टैंकों का जलस्तर तो घटा ही, साथ ही भूजल का पुनर्भरण भी नहीं हो पाया। कृषि और घरेलू आवश्यकताओं के लिए बोरवेलों पर अत्यधिक निर्भरता के कारण लगभग 60% बोरवेल पूरी तरह सूख गए, जिससे पानी का संकट और गहरा गया। स्थानीय स्तर पर जलाशयों के रखरखाव और जल प्रबंधन की कमियों के कारण भी सूखे का प्रभाव ज्यादा गंभीर हो गया। सही समय पर सिंचाई और पेयजल के लिए पानी का उचित भंडारण व वितरण न हो पाने से कृषि और आम जनजीवन दोनों ही बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।

हैदराबाद में 10 के छुट्टे के लिए ऑटो ड्राइवर की बीच सड़क पीट-पीटकर हत्या, पत्नी-बच्चों के सामने तोड़ा दम

हैदराबाद, एजेंसी। 20 सितंबर की शाम को हैदराबाद के राजेंद्रनगर पुलिस स्टेशन इलाके के वट्टापल्ली में 10 रुपये के छुट्टे पैसे को लेकर झगड़ा हो गया। थोड़ी देर में झगड़ा इतना बढ़ गया कि लोगों के एक ग्रुप ने कथित तौर पर एक ऑटो ड्राइवर की पीट-पीटकर हत्या कर दी। घटना के बाद पुलिस और नेता मौके पर पहुँचे और मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की। विधायक मोहम्मद मुबीन ने मामले की जानकारी देते हुए कहा, 'झगड़ा छुट्टे पैसे के मामूली मुद्दे को लेकर शुरू हुआ था जो बाद में हिंसा में बदल गया।' विधायक ने आगे कहा, 'झगड़ा सिर्फ 10 रुपये के छुट्टे पैसे को लेकर था। आरोपी ने 10 रुपये के किराए के लिए 200 का नोट दिया था, और फिर अजीम नाम के व्यक्ति ने ऑटो ड्राइवर के साथ बदसलूकी की और फिर अपने साथियों को बुलाकर सड़क के बीचों-

बीच, उसकी पत्नी और बच्चों के सामने पीट-पीट कर हत्या कर दी।' विधायक ने आगे बताया, 'अजीम खुद को एक न्यूज रिपोर्टर बताता है।' विधायक मुबीन ने आरोप लगाते हुए कहा, 'आरोपी इलाके में उपद्रवी के तौर पर जाने जाते हैं। अजीम, शोएब और उनके साथ हिस्ट्रीशीटर हैं और पूरे वट्टापल्ली इलाके में गुंडागर्दी कर रहे हैं। एक महीने में उसी सड़क पर ये दूसरी हत्या है।' विधायक ने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से दोषियों पर तुरंत और सख्त कार्रवाई करने की अपील की है। उन्होंने कहा, 'हम राजेंद्रनगर के हैदराबाद पुलिस कमिश्नर से अपील करते हैं कि वे सभी आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार करें, सख्त कार्रवाई करें और इलाके में गश्त बढ़ाएं। हम मृतक के परिवार के साथ हैं और उनके लिए न्याय की मांग करते हैं।' राजेंद्रनगर पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि हमने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच जारी है। आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के बारे में और जानकारी का इंतजार है।

सीएम रेवंत रेड्डी के करीबी ने गेस्ट हाउस में बुलाया, तेलंगाना की महिला कारोबारी का गंभीर आरोप

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में एक महिला व्यवसायी ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के करीबी सहयोगी पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हैदराबाद की आउटडोर विज्ञापन कंपनी मिथुना एड्स की प्रोपराइटर के. शोभा रेड्डी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट लिखकर यह मामला उठाया है। महिला उद्यमी के अनुसार, मुख्यमंत्री के एक करीबी व्यक्ति ने उनके विज्ञापन व्यवसाय से जुड़े एक मामले पर बातचीत करने के लिए उन्हें 'गेस्ट हाउस' में बुलाया था। शोभा रेड्डी ने बताया कि वह पिछले तीन सालों से आउटडोर विज्ञापन क्षेत्र में काम करने के लिए एक सही और वैध मौके की तलाश कर रही हैं। उन्होंने सरकार के सामने यह प्रस्ताव भी रखा था कि जब तक नियमित टेंडर नहीं निकलते, तब तक के लिए एक अस्थायी व्यवस्था के तहत राजस्व साझा करने का मौका दिया जाए। इस मामले के सामने आने के बाद तेलंगाना की मुख्य विपक्षी पार्टी बीआरएस ने इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा लिया है। बीआरएस नेताओं ने मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी से इस पर तुरंत स्पष्टीकरण देने और जवाब देने की मांग की है। बीआरएस नेता आरएस प्रवीण कुमार ने भी इस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कराने की मांग उठाई है। शोभा रेड्डी का दावा है कि उनके प्रस्ताव लंबित होने के बावजूद, नोटिस और नियमों के उल्लंघन के बाद भी शहर में कई विज्ञापन ढांचे जस के तस बने हुए हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ मामलों में त.ह्र. स्र्ह्य. ह्श्. 68 के तहत विशेष पायलट प्रोजेक्ट और छूट भी प्रदान की गई है। महिला उद्यमी ने अपनी परेशानी जाहिर करते हुए लिखा कि जिस बात ने मुझे सबसे ज्यादा आहत किया वह यह थी कि जब मैं अपनी वास्तविक समस्या को सरकार के समक्ष रखने का प्रयास कर रही थी, तब मैंने एक ऐसे व्यक्ति से संपर्क किया जिसे मैं आपके बेहद करीबी के रूप में जानती थी। मुझे मेरे मामले पर चर्चा करने के लिए सीधे एक गेस्ट हाउस में आने के लिए कहा गया।

अधिकारियों को टिप देने में हर्ज नहीं कर्नाटक मंत्री के बयान पर मचा बवाल

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक के हासन जिले के प्रभारी मंत्री के.एम. शिवलिंगेगौड़ा के एक विवादिय बयान से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। मंत्री ने एक जन-सुनवाई के दौरान कहा कि अगर नागरिक समय पर काम होने पर सरकारी अधिकारियों को खुशी-खुशी टिप या सम्मान राशि देते हैं, तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। मंत्री के इस बयान के बाद सियायत गरमा गई। लोगों और मुख्य विपक्षी दल बीजेपी ने इसका विरोध किया है।

यह मामला शनिवार को आयोजित प्रजासेवा आंदोलन नामक जन-शिकायत निवारण बैठक का है। बैठक में अपनी जमीन से जुड़ी समस्या लेकर पहुंचे अलूर तालुक के किसान पुनीत और उनके साथी युवाओं ने मंत्री के इस बयान पर तीखा ऐतराज जताया।

युवाओं ने सीधे मंत्री से सवाल किया, अधिकारियों को सरकार से पूरी सैलरी मिलती है, फिर आम जनता उन्हें टिप क्यों दे? क्या इससे सीधे तौर पर रिश्वतखोरी को बढ़ावा नहीं मिलेगा? जब अन्य ग्रामीणों ने भी किसानों का समर्थन किया, तो कार्यक्रम में हंगामा खड़ा हो गया। स्थिति बिगड़ती देख डिप्टी कमिश्नर के.एस. लता कुमारी ने हस्तक्षेप कर प्रदर्शनकारियों को शांत कराया और आश्वासन दिया कि काम के बदले रिश्वत मांगने वाले अधिकारियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। बवाल बढ़ता देख मंत्री शिवलिंगेगौड़ा ने अपने बयान पर सफाई पेश की। उन्होंने कहा, मेरे बयान का गलत मतलब निकाला गया है। मेरा कहने का मतलब यह था कि अधिकारी जबरन पैसे न वसूलें। मैंने सिर्फ ईमानदार कर्मचारियों का सम्मान करने की बात कही थी, न कि रिश्वतखोरी का समर्थन किया था। इस मुद्दे पर बीजेपी एमएलसी सी.टी. रवि ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सरकार और मंत्री को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि एक तरफ मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार 10 रुपये की रिश्वत पर भी शिकायत करने की बात कहते हैं।

किशाऊ प्रोजेक्ट के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगा पंजाब, यमुना के पानी में ठोका दावा

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब सरकार किशाऊ बहुउद्देश्यीय परियोजना को लेकर केंद्र के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने की तैयारी में है। पंजाब का तर्क है कि यमुना बेसिन की इस परियोजना को राज्य को विश्वास में लिए बिना आगे बढ़ाया जा रहा है, जबकि पंजाब यमुना के पानी में अपने हिस्से का दावा करता है। पंजाब जल संसाधन विभाग ने एडवोकेट जनरल कार्यालय से प्रस्तावित याचिका के मसौदे को मंजूरी देने को कहा है। मसौदे की जांच पंजाब के पूर्व एडवोकेट जनरल रह चुके एक वरिष्ठ अधिवक्ता कर चुके हैं। यह कदम हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली द्वारा किशाऊ परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए समझौता करने के कुछ दिन बाद उठाया गया है। 422 मेगावाट की यह परियोजना यमुना की सहायक नदी टोंस पर प्रस्तावित है। इसमें 1,562 मिलियन घन मीटर तक भंडारण क्षमता प्रस्तावित है। परियोजना का उद्देश्य सिंचाई, पेयजल और औद्योगिक पानी उपलब्ध कराने के साथ बिजली उत्पादन करना है। पंजाब का कहना है कि मौजूदा यमुना जल बंटवारे की व्यवस्था के आधार पर किशाऊ परियोजना को अंतिम रूप नहीं दिया जा सकता, क्योंकि 1994 में यमुना के सतही प्रवाह के बंटवारे को लेकर हुए समझौते में पंजाब शामिल नहीं था।

25 साल पुरानी रंजिश का खौफनाक अंत, बेटे ने पिता के कातिल को उतारा मौत के घाट; मास्टरमाइंड समेत 12 गिरफ्तार

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मदुरै के सोलाई अलागपुररम के पास, एक 26 साल के युवक ने अपने पिता की हत्या का 25 साल बाद बदला लिया। युवक ने 2001 में हुई पिता की हत्या के एक आरोपी की हत्या करके मौत का बदला लिया। पुलिस ने मामले की कार्रवाई करते हुए पुष्पराज के बेटे बालमुरुगन और 11 अन्य लोगों को पांच घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया।

कैसे लिया पिता की मौत का बदला

पुलिस ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी बालमुरुगन और उसके साथी ऑटो-रिक्शा और दोपाहिया वाहनों से आए। उन्होंने सोलाई अलागपुरम के रहने वाले 57 साल के सप्पानी सरवनन पर जयहिंदपुरम के पास एक दुकान के सामने हमला किया। उन्होंने सरवनन और उसके परिवार वालों को पहले घेर लिया और फिर चाकू से हमला किया।

सरवनन के सिर, पेट, कूल्हे और हाथों पर चोट आई। जब सरवनन की पत्नी और

बेटे ने बीच बचाव करने की कोशिश की, तो गिरोह ने कथित तौर पर उन्हें धमकाया और उन पर भी हमला कर दिया। घटना के बाद सरवनन को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पुलिस ने मास्टरमाइंड को गिरफ्तार किया

पुलिस ने इस पूरे मामले में कार्रवाई करते हुए बालमुरुगन समेत 12 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने इस मामले की जानकारी दी और बताया, 'कि मृतक सरवनन 2001 में हुई पुष्पराज की हत्या के 8 आरोपियों में से एक था। पुष्पराज को पुलिस ने वेस्ट मासी स्ट्रीट का कुख्यात बदमाश बताया था। और तीन की पुष्पराज के दोस्तों ने हत्या कर दी। पुलिस ने मामले के बारे में और बताते हुए कहा, ' शुरुआती जांच में पता चला है कि बालमुरुगन सरवनन को मारने का काफी समय से इंतजार कर रहा था।'

सात महीने में 1912 हेल्पलाइन पर शिकायतें चार गुना बढ़ीं

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश में निर्बाध बिजली आपूर्ति के सरकारी दावों और जमीनी हकीकत के बीच एक बड़ा फासला नजर आ रहा है। एक तरफ जहां सरकार बिजली व्यवस्था में सुधार के दावे कर रही है, वहीं दूसरी तरफ पावर कॉरपोरेशन का टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर '1912' उपभोक्ताओं की बढ़ती समस्याओं की गवाही दे रहा है।

सूचना का अधिकार के तहत मिले आंकड़ों के मुताबिक, प्रदेश में सात महीनों के भीतर बिजली से जुड़ी शिकायतें करीब चार गुना तक बढ़ गई हैं। इनमें से 70 फीसदी से ज्यादा शिकायतें सीधे तौर पर बिजली कटने और खराब आपूर्ति से जुड़ी हैं, जिसने विभाग की तैयारियों पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। यानी देखा जाए तो सामने आए साफ आंकड़े धुंधली हकीकत को बयां कर रहे हैं।

हालांकि सिक्के का एक पहलू यह भी है कि 1912 पर शिकायत करने का आसान माध्यम एक जनवरी 2026 से पूरे प्रदेश को सुलभ हुआ इसलिए भी यह आंकड़ा बढ़ा है। आइए डालते हैं एक नजर...

वृंदावन कॉलोनी के सेक्टर चार में रहने वाले मनोज चौहान के सर्विस केबल में गड़बड़ी के कारण घर में

बिजली नहीं आ रही थी। हेल्पलाइन नंबर 1912 पर शिकायत की। 20 से 25 मिनट में स्टाफ मौके पर पहुंच गया और तार में लगे कर्बन को हटाकर बिजली चालू कर दी। गोमती नगर के विवेक खंड तीन निवासी अशोक का बिल नहीं आया था, 1912 पर फोन किया तो बिल दूसरे दिन मोबाइल पर आ गया। इसी तरह विकास खंड निवासी शकुंतला के पुराने मीटर की रीडिंग नहीं हो रही थी, हेल्पलाइन पर शिकायत करने पर दूसरे दिन मीटर रीडर आकर बिल दे गया। यह कुछ उदाहरण हैं जो बताते हैं कि पिछले सात माह में हेल्पलाइन नंबर 1912 पर शिकायतें खूब हुई। शिकायतों का ग्राफ दिसंबर 2025 में 5,62,177 था, जो मध्यांचल में कुल उपभोक्ता (एक करोड़) की शिकायतों के ग्राफ के अनुपात में 5.62 प्रतिशत था। जुलाई 2026 में शिकायतकर्ताओं की संख्या 20,17,302 हो गई, इनमें 70 प्रतिशत शिकायतें बिजली संकट से जुड़ी थी। यह ग्राफ कुल उपभोक्ता (3.75 करोड़) की संख्या के अनुपात में 5.37 प्रतिशत है।

यह जानकारी सूचना का अधिकार अधिनियम 2005 के तहत उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) द्वारा उपलब्ध कराई गई है। सूचना अधिकार के तहत बताया गया कि एक कैलेंडर वर्ष में मध्यांचल में 12,61,032 शिकायतें दर्ज हुई इसमें चालीस प्रतिशत शिकायतें लखनऊ जिले की है। यहां उपभोक्ताओं की संख्या 15 लाख है। कह सकते हैं कि हर तीसरे उपभोक्ता ने बिजली संकट व अन्य समस्याओं की शिकायत दर्ज कराई, यहां वर्टिकल बिजली व्यवस्था भी नवंबर 2025 से लागू है, शिकायत बढ़ने का कारण यह भी है।

शाहजहांपुर में जलती चिता पर मीट पकाया; मृतक के बेटे ने देखा को भागने लगे, 3 गिरफ्तार

शाहजहांपुर, एजेंसी। यूपी के शाहजहांपुर के पुवायां थाना क्षेत्र के नत्थापुर गांव में जलती चिता पर मीट पकाने का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। पुलिस ने इस मामले में तीन युवकों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान गांव निवासी रामचरन, राजेंद्र और सुरेंद्र सिंह के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में तीनों ने शराब के नशे में चिता की आग पर मीट पकाने की बात स्वीकार की। पुलिस ने तीनों का चालान कर दिया है। पुलिस के अनुसार, नत्थापुर गांव निवासी 60 वर्षीय छोटेलाल की शनिवार को लंबी बीमारी के बाद मौत हो गई थी। रविवार दोपहर परिजन और रिश्तेदार श्मशान घाट पहुंचे और अंतिम संस्कार किया। मुखाग्नि देने के बाद सभी घर लौट आए। करीब एक घंटे बाद छोटेलाल के बेटे वीरपाल ने चिता देखने जाने की बात कही। वह कुछ रिश्तेदारों के साथ श्मशान घाट पहुंचे तो वहां तीन युवक जलती चिता पर मीट पकाते मिले। वीरपाल के मुताबिक, एक पतीले में मीट रखा था और उसे चिता की आग पर पकाया जा रहा था। उन्होंने रिश्तेदारों के साथ तीनों युवकों को पकड़ने का प्रयास किया। इस दौरान एक आरोपी को मौके पर पकड़ लिया गया, जबकि दो अन्य बाइक से फरार हो गए। वीरपाल ने दोनों फरार युवकों की पहचान भी कर ली थी।

दिल्ली एसआईआर में आडवाणी, पूर्व सेनाध्यक्ष और बांसुरी स्वराज को भी नोटिस, वोटर लिस्ट में गड़बड़ियों पर ईसी की कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान मतदाता सूची में सामने आ रही खामियों के चलते कई नामचीन हस्तियों के नाम भी जांच के दायरे में आए हैं। पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, सांसद बांसुरी स्वराज, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, विदेश मंत्री एस. जयशंकर, पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता समेत कई प्रमुख मतदाताओं को नोटिस जारी किए गए हैं या नोटिस के लिए चिह्नित किया गया है।

इनमें अधिकतर मामले पिछली स्ढ्डक्रकी मतदाता सूची से मैपिंग नहीं होने या नाम और अन्य विवरणों में तार्किक विसंगतियों के बताए गए हैं। सबसे चौंकाने वाला मामला दिवंगत अर्थशास्त्री और पद्म पुरस्कार से सम्मानित बिबेक देबराय का सामने आया है। वर्ष 2024 में निधन के बावजूद उनका

नाम मतदाता सूची में दर्ज मिला और उन्हें भी नोटिस जारी कर दिया गया।

दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय की ओर से जारी सूची के अनुसार करीब 33.13 लाख मतदाताओं को नोटिस जारी किए जाने हैं। इनमें 31.63 लाख से अधिक मतदाताओं को नोटिस जारी किए जा चुके हैं।

चुनाव आयोग के सॉफ्टवेयर से सामने आई 11 तरह की 'लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी' और पिछली स्ढ्डक्र सूची से 'नो-मैपिंग' के आधार पर ये नोटिस दिए जा रहे हैं।

नो-मैपिंग या अनमैप्ड श्रेणी में पूर्व राज्यसभा सदस्य सुब्रमण्यम स्वामी, पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और उनकी पत्नी सुदेश धनखड़, पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी, उनकी पुत्री प्रतिभा और बहू गीतिका आडवाणी, पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और उनकी पत्नी कल्पना दास, सांसद बांसुरी स्वराज, विधायक कैलाश गहलोत तथा पूर्व विदेश सचिव विक्रम मिसरी के नाम शामिल हैं। निर्वाचन आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू को गणना प्रपत्र और मतदाता सूची में नाम के अंतर के कारण नोटिस के लिए चिह्नित किया गया है। रिकॉर्ड में नाम 'डॉ. एसएस संधू' और 'सुखबीर सिंह संधू' दर्ज होने का अंतर सामने आया है। पूर्व मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की पत्नी तेजस्विनी भूषण गवई को 'सेल्फ नेम मिसमैच' पर नोटिस दिया गया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, उनकी पत्नी सीमा और बेटे मीर के नाम भी नोटिस सूची में हैं। सिसोदिया को रिकॉर्ड मैपिंग न होने, जबकि परिवार के सदस्यों को नाम में अंतर के कारण नोटिस दिया गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को उम्र में विसंगति और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को 'अनमैप्ड वोटर' श्रेणी में नोटिस मिला है। इनके अलावा दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश वर्मा, राज्यसभा सदस्य अजय माकन, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष सुभाष चोपड़ा, पूर्व उपराज्यपाल नजीब जंग, पूर्व थल सेनाध्यक्ष उपेंद्र द्विवेदी, सीबीआई निदेशक प्रवीण सूद, सेबी अध्यक्ष तुहिन कांत पांडे, नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष अरविंद पनगड़िया और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल का नाम भी सूची में सामने आया है।

दिल्ली के बायोडायवर्सिटी पार्कों में मिले 'प्रकृति के प्रहरी', पहली बार दिखीं ड्रैगनफ्लाई की 2 नई प्रजातियां

नई दिल्ली, एजेंसी। कंक्रीट के बढ़ते जंगल के बीच दिल्ली के बायोडायवर्सिटी पार्क प्राचीन उड़ने वाले जीवों के लिए सुरक्षित ठिकाने बन रहे हैं। दिल्ली विकास प्रधिकरण (डीडीए) के सात बायोडायवर्सिटी पार्कों में हुए तीन दिवसीय ड्रैगनफ्लाई एवं डैम्सेलफ्लाई सर्वे में दो ऐसी प्रजातियां पहली बार दर्ज की गईं, जो पहले इन पार्कों के रिकार्ड में नहीं थीं। अरावली बायोडायवर्सिटी पार्क में येलो-टेल्ड ऐशी स्किमर और यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क में ब्लू ग्रास डार्ट देखी गई। 17 से 19 सितंबर तक हुए सर्वे में विज्ञानियों, शोधकर्ताओं और विभिन्न कालेजों के छात्रों ने सभी सात पार्कों में इन कीटों की मौजूदगी दर्ज की। सर्वे के मुताबिक यमुना बायोडायवर्सिटी पार्क में इस साल 23 प्रजातियां दर्ज हुईं, जो 2025 की 21 प्रजातियों से अधिक हैं। अरावली में 16, कमला नेहरू रिज में 22, तुगलकाबाद में 12, नीला हौज में 13, तिलपथ वैली में चार और कालिंदी बायोडायवर्सिटी पार्क में 15 प्रजातियां मिलीं। सातों पार्कों में कुल 11,154 ड्रैगनफ्लाई और डैम्सेलफ्लाई दर्ज की गईं। सबसे ज्यादा 4234 कालिंदी पार्क में और 2520 कमला नेहरू रिज में मिलीं। ड्रैगनफ्लाई केवल देखने में आकर्षक कीट नहीं हैं। इनके वयस्क और पानी में रहने वाले निम्फ दोनों शिकारी होते हैं। एक वयस्क ड्रैगनफ्लाई रोजाना 30 से 100 तक मच्छर खा सकती है।

संक्षिप्त समाचार

भारत बनेगा एशिया का सेमीकंडक्टर हब! पांच साल में वैश्विक चिप सप्लाई चेन में मजबूत होगी पकड़

नईदिल्ली, एजेंसी। द्वारका स्थित यशोभूमि में संपन्न हुए सेमीकान इंडिया 2026 ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वैश्विक तकनीकी और औद्योगिक मानचित्र पर भारत अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर आ खड़ा हुआ है। तीन दिवसीय सम्मेलन में जापान, जर्मनी, ताइवान और चेक गणराज्य जैसे दिग्गजों के स्टालों पर हुई चर्चाओं का सार यही रहा कि भले ही भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण अभी शुरुआती दौर में है, लेकिन इसकी गति और नीतिगत दिशा अभूतपूर्व है। ताइवान, चीन, वियतनाम, मलेशिया, अमेरिका

और यूरोपीय संघ जैसी स्थापित ताकतों से मुकाबले के बावजूद, विशेषज्ञों का मानना है कि यही रफ्तार बनी रही तो अगले पांच वर्षों में भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला की मुख्यधारा में अपनी जगह पक्की कर लेगा।

हम अभी कहां हैं

वर्तमान में, भारत चिप डिजाइनिंग में पहले से ही मजबूत है और दुनिया का 20 प्रतिशत से अधिक सेमीकंडक्टर डिजाइन कार्यबल भारत के पास है। लगभग हर प्रमुख फैबलेस कंपनी का डिजाइन सेंटर यहां सक्रिय है। अब भारत डिजाइनिंग से आगे बढ़कर फैब्रिकेशन और असेंबली/पैकेजिंग में उतर चुका है। गुजरात के धोलेरा व सानंद, ओडिशा और उत्तर प्रदेश में प्लांट्स का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। जापानी प्रतिनिधिमंडल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत में चिप डिजाइन का अनुभव विश्वस्तरीय है। फैब्रिकेशन और असेंबली में प्रवेश करते समय असली चुनौती शुद्धता और सटीकता बनाए रखने की होगी। हमने आवश्यक उपकरणों और अति-शुद्ध तकनीकों में सहयोग बढ़ाया है। यदि यह गति बनी रही, तो अगले पांच वर्षों में भारत एशिया का प्रमुख सेमीकंडक्टर हब बन जाएगा।

दुनिया को भारत की जरूरत क्यों है

ताइवान जलडमरूमध्य में भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला संकट ने यह सबक दिया है कि उत्पादन को एक ही स्थान पर केंद्रित रखना जोखिम भरा है। इसलिए, दुनिया एक सुरक्षित व भरोसेमंद साझेदार की तलाश में है। भारत अपनी स्थिर लोकतांत्रिक व्यवस्था, विशाल घरेलू इलेक्ट्रानिक्स बाजार और युवा कार्यबल के कारण सबसे मुफीद विकल्प है। चेक गणराज्य के प्रतिनिधि ने बताया कि सेमीकंडक्टर केवल एक प्लांट लगाने का नाम नहीं, बल्कि एक जटिल इकोसिस्टम है। यूरोप भारत को रसायनों, विशेष उपकरणों और लाजिस्टिक्स के लिए एक दीर्घकालिक भागीदार के रूप में देख रहा है। भारत का युवा कार्यबल और पारदर्शी नीतियां हमारी सबसे बड़ी उम्मीद हैं।

इकोसिस्टम का कायाकल्प: रियल एस्टेट, लॉजिस्टिक्स और रोजगार

सेमीकंडक्टर उद्योग अपने साथ एक विशाल आर्थिक इकोसिस्टम विकसित करता है। फैब प्लांट्स के आसपास अत्याधुनिक औद्योगिक कारिडोर, अनुसंधान केंद्र और हाई-टेक टाउनशिप बनने से रियल एस्टेट में दीर्घकालिक उछाल आ रहा है। अति-संवेदनशील रसायनों, गैसों और सिलिकान वेफर्स के सुरक्षित परिवहन के लिए ''कोल्ड-चेन लाजिस्टिक्स'' का नया बाजार तैयार हो रहा है, जिससे लाखों उच्च-वेतन वाले प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार पैदा हो रहे हैं। चिप विनिर्माण की प्रक्रिया जितनी सूक्ष्म है, संसाधनों की खपत उतनी ही विशाल। एक फैब को रोजाना लाखों गैलन पानी चाहिए।

1648 वाले लुक में वापस लौटा लाल किले का लाहौरी गेट, 378 साल बाद फिर दिखा मुगलकालीन रूप

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्र की गौरव गाथा का साक्षी विश्व धरोहर लाल किला के जिस लाहौरी गेट की प्राचीर से प्रधानमंत्री हर साल स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्र को संबोधित करते हैं। इस गेट का वेल एरिया (गोलाकार एरिया) अब बदला बदला नजर आता है, जो अभी तक गहरे लालरंग में रंगा था अब वहां का एरिया हल्के कत्थई रंग में दिखता है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआइ) ने अध्ययन के बाद लाल रंग को हटा दिया है और इसे उसी रंग में लाया गया है जिस रंग में लालकिला का यह भाग 1648 में बनाए जाने के समय था। एएसआइ ने लाल किले के दिल्ली गेट का भी अध्ययन कराया है। अगले कुछ समय में इसका भी रंग बदला जाएगा। लाहौरी गेट के काम से पहले की स्थिति ऐसी थी कि दीवारों पर कई परतों में लाल रंग लगा था, जिससे नमी दीवारों के अंदर जा रही थी। एएसआइ की मानें तो इससे दीवार की प्राकृतिक क्षमता प्रभावित हुई है। मूल मुगलकालीन अनगढ़े पत्थरों की चिनाई और मेहराबों की विशेषताएं भी पेंट के नीचे छिपी थीं। अब एएसआइ द्वारा पुराने पेंट की परतों को मूल चिनाई को नुकसान पहुंचाए बिना सैंड ब्लास्टिंग तकनीक से हटाया गया है। सैंड ब्लास्टिंग एक ऐसी सरफेस फिनिशिंग प्रक्रिया है, जिसमें उच्च दबाव वाली कंप्रेस्ड हवा का उपयोग करके तेज गति से बालू के कणों को सतह पर डाला गया है। इसके बाद हिल रहे ढीले पत्थरों को मजबूत किया गया और दरारों की भराई तथा दीवार की मजबूती के लिए चूने के गारे से प्वाइंटिंग की गई है।

सेंट स्टीफन से पुरानी दिल्ली स्टेशन तक

अब एएसआई संभालेगा 100 साल पुरानी इमारतें ; एमसीडी जल्द सौंपेगा लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की ऐतिहासिक इमारतों के संरक्षण और रखरखाव को बेहतर करने के लिए एमसीडी ने 100 साल से अधिक पुरानी इमारतों की पहचान की है।

इसमें 38 इमारतों की पहचान में 16 इमारतों के ऐतिहासिक रिकॉर्ड की पुष्टि हो गई है जबकि शेष 22 इमारतों के रिकॉर्ड की पुष्टि करने के बाद इन्हें भी इसी सूची में शामिल कर लिया जाएगा। सूची पूरी होते ही इसे एमसीडी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण को सौंपेगा। ताकि वह इन्हें संरक्षित करने की दिशा में आगे कोई योजना बना सके। जो इमारतें फिलहाल चिह्नित की गई है उसमें पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन से लेकर, सराय रोहिला और सब्जी मंडी और शाहदरा जैसे रेलवे स्टेशन हैं जबकि रामजस कॉलेज, सेंट स्टीफन कॉलेज, जाकिर हुसैन कॉलेज, हिंदू कॉलेज जैसे महाविद्यालय हैं।

एमसीडी के हेरिटेज सेल से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि हमें स्ढ्ढ ने ही 100 से अधिक पुरानी इमारतों की पहचान करके देने का आदेश दिया था।

इसके बाद ऐतिहासिक दस्तावेज और घटनाओं का अध्ययन करने के बाद हमने इन इमारतों की सूची बनाई है। साथ ही उसमें यह भी जानकारी दी है कि वर्तमान उसकी स्थिति क्या है और उसका ऐतिहासिक महत्व भी क्या है। साथ ही वर्तमान में वह किसके स्वामित्व में है इसकी जानकारी एकत्रित की गई है। उन्होंने बताया कि जैसे की पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन हैं। यह स्टेशन 1900 में बनना शुरू हुआ और 1903 में यात्रियों के लिए सुचारु हो गया था। दिल्ली में जब रेल से पहली बार दिल्ली में आए तो यहीं पर उतरें थे।

इसी प्रकार शाहदरा स्टेशन की शुरुआत 1907 में हुई। इसी प्रकार मध्य दिल्ली में स्कूली शिक्षा के स्थान भी 100 वर्ष से अधिक पुराने हैं। जामा मस्जिद के चिप्पीवाडा में स्थित इंद्रप्रस्थ हिंदू गर्ल्स सीनियर सेंकेडरी स्कूल 1904 में शुरू हुआ था। इसी प्रकार दरियागंज का कमर्शियल सीनियर सेंकेडरी स्कूल और रामजस सीनियर सेंकेडरी स्कूल भी 100 वर्ष से अधिक पुराने हैं। कमर्शियल स्कूल 1920 में शुरू हुआ। लाला श्रीराम ट्रस्ट ने इसकी शुरूआत की थी।

महिपालपुर में जलभराव-जाम पर दिल्ली हाई कोर्ट नाराज, एजेंसियों से पूछा- जिम्मेदारी कौन लेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। आइजीआइ एयरपोर्ट और गुरुग्राम जाने वाली सड़क के पास महिपालपुर इलाके में बार-बार होने वाले जलभराव व जाम की समस्या पर दिल्ली हाई कोर्ट ने कड़ी नाराजगी जताते हुए अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाया है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ), दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) और दूसरी एजेंसियों को फटकार लगाते हुए न्यायामूर्ति प्रतिबा एम. सिंह व न्यायामूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ ने कहा कि कई बैठकों और कागजी कार्रवाई के बावजूद समस्या हल करने के लिए न तो किसी की जिम्मेदारी तय की गई और न ही समयसीमा। पीठ ने कहा कि महिपालपुर में जलभराव की तस्वीरों को देखकर इन एजेंसियों को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ क्योंकि कोई भी एजेंसी जलभराव या ट्रैफिक जाम की समस्या को ठीक करने की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। उक्त टिप्पणियों के साथ पीठ ने दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव को बैठकें जारी रखने और अगली सुनवाई तक एक रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट में शार्ट-टर्म और लान्ग-टर्म उपायों और हर उपाय के लिए जिम्मेदार एजेंसी या संस्था की जानकारी होनी चाहिए।

कन्हैया-जाखड़ ने डुबोई लुटिया, डुसू चुनाव में 11 साल बाद एनएसयूआई जीरो पर आउट; दीपांशु फैक्टर पड़ा भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। डूसू चुनाव के बीच सत्य निकेतन हादसे से जिस तरह निजी पीजी में रहने वाले हजारों छात्रों की सुरक्षा और छात्रावास बड़ा चुनावी मुद्दा बना।

इसी तरह, कुछ और मुद्दे भी थे, जिससे के पक्ष में माहौल होने के अनुमान लगाए जा रहे थे। लेकिन परिणाम बताते हैं कि वह मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने, छात्रों को समझाने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है। इसके साथ संगठन की पूरी रणनीति टिकट वितरण और उम्मीदवारों के चयन में टकराहट को सुलटाने में ही लगी रही। नतीजतन, बेहतर माहौल के बावजूद 11 वर्ष बाद हस्ढ्ढ का डूसू से सूपड़ा ही साफ हो गया है।

इस करारी हार से संगठन का शीर्ष नेतृत्व और उनकी रणनीति कठघरे में है। क्योंकि, टिकट कटने से निर्दलीय मैदान में उतरें उसके कार्यकर्ता दीपांशु शौकीन ने उपाध्यक्ष पद पर उसे पटखनी दी।

राजनीतिक जानकार कहते हैं कि इस करारी हार की बड़ी वजह टिकट बंटवारे को लेकर संगठन के भीतर खींचतान रही,

जिसने स्थिति और जटिल कर दी। सबसे बड़ा झटका दीपांशु शौकीन की बगावत से लगा। उन्होंने 30,615 वोट लेकर उपाध्यक्ष पद जीत लिया। एबीवीपी के ईशु मौर्या को 13,705 वोट से हराया, जबकि वीर चतरथ को 4313 वोट ही मिले। यानी जिस चेहरे को संगठन अपने साथ नहीं रख सका, वही उसके आधिकारिक उम्मीदवार से कई गुना अधिक वोट लेकर जीत गया। टिकट वितरण में हस्ढ्ढ के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ और प्रभारी कन्हैया कुमार की भूमिका को लेकर संगठन के भीतर सवाल उठ रहे हैं। संगठन के लोग दीपांशु को टिकट नहीं देने के निर्णय में कन्हैया कुमार का नाम लेते हैं।

हालांकि, कन्हैया कुमार के करीबी कहते हैं कि दीपांशु को अध्यक्ष पद की पेशकश की गई थी। लेकिन उन्होंने मना कर दिया। इसी मतभेद के कारण उनका टिकट कटा। यह भी कहा गया कि नामांकन वापसी के दिन दीपांशु ने संगठन से चर्चा किए बिना अध्यक्ष, सचिव और संयुक्त सचिव पद से अपना नाम वापस ले लिया था और केवल उपाध्यक्ष पद पर मैदान में रहे। इससे संगठन में नाराजगी थी। राजस्थान से जुड़े उम्मीदवारों को तरजीह दिए जाने की चर्चा ने भी संगठन के भीतर असंतोष बढ़ाया। अध्यक्ष पद पर विजय शंकर मीणा और संयुक्त सचिव पद पर लड़े गोपाल चौधरी राजस्थान से हैं। संयुक्त सचिव पद पर विशेष यादव को टिकट दिए जाने की भी चर्चा थी। टिकट नहीं मिला तो उन्होंने निर्दलीय दांव ठोक दी और 15,778 वोट लेकर दूसरे स्थान पर रहे, जबकि संगठन प्रत्याशी गोपाल चौधरी को 15,206 वोट मिले। महज 572 वोट का अंतर टिकट चयन के फैसले पर सवाल खड़े करने के लिए पर्याप्त रहा।

मोहम्मद अली से शराफत अली तक उलझा रिकॉर्ड

मैं वही हूं, बस नाम में फर्क है, दिल्ली में एसआईआर कैंपों में भटक रहे वोटर; खुद को साबित करने की चुनौती

नई दिल्ली, एजेंसी। मैं वही हूं... बस नाम में फर्क है। सदर बाजार के एक पोलिंग स्टेशन पर दस्तावेजों की फाइल हाथ में लिए एक वोटर बीएलओ को यही समझाने की कोशिश कर रहा था।

कुछ किलोमीटर दूर तुर्कमान गेट में कोई शादी के बाद बदले नाम को साबित करने के लिए कागज जुटा रहा था, तो पहाड़गंज में किसी के लिए नाम की स्पेलिंग और बदला हुआ बूथ परेशानी का कारण बना हुआ था।

रविवार को स्ढ्डक्र के विशेष कैंप में मतदाता सूची की छोटी-छोटी गड़बड़ियां लोगों के लिए बड़ी चिंता बनी नजर आई। ऊपर से कई जगह सर्वर डाउन रहा, जिससे सुधार कराने पहुंचे लोगों का इंतजार और बढ़ गया।

दिल्ली के पोलिंग स्टेशनों पर

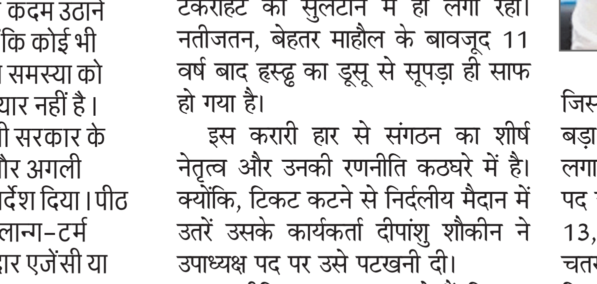

रविवार को स्ढ्डक्रको लेकर विशेष कैंप लगाए गए थे। मतदाताओं को उम्मीद थी कि नोटिस और मतदाता सूची से जुड़ी समस्याओं का मौके पर समाधान हो जाएगा, लेकिन नाम में मामूली अंतर भी कई लोगों के लिए दस्तावेज जुटाने और खुद को सही साबित करने की बड़ी चुनौती बना हुआ है। वोटर का पहले नाम मोहम्मद अली दर्ज था। अब रिकॉर्ड में शराफत अली नाम सामने आया। इसी अंतर पर नोटिस जारी हुआ। वह दस्तावेज की फाइल लेकर पहुंचे थे, ताकि स्पष्ट कर सकें कि दोनों नाम उन्हीं के हैं। उनके लिए चिंता यह थी कि रिकॉर्ड की यह गलती कहीं आगे बड़ी परेशानी न बन जाए। कई लोगों को नोटिस की जानकारी नहीं थी। बूथ बदलने के कारण भी लोग पुराने पोलिंग स्टेशन पहुंच रहे हैं। नेटवर्क की समस्या के चलते काम प्रभावित होने की बात भी सामने आई। मुल्तानी ढांडा पोलिंग स्टेशन पर 168 लोगों को नाम की स्पेलिंग में गलती और उम्र में अंतर को लेकर नोटिस जारी हुए थे।

शादी के बाद बदला नाम, फिर भी नोटिस

इसी केंद्र पर नासरीन तकी के परिवार की अलग उलझन थी। शादी से पहले उनका नाम नासरीन खानम था और शादी के बाद नासरीन तकी हो गया। पिछली स्ढ्डक्रमें मैपिंग होने के बावजूद नाम में बदलाव को लेकर नोटिस आया। उनका बेटा, मां के पुराने और नए नाम से जुड़े दस्तावेज लेकर शिविर में पहुंचा। वह बताते हैं कि सामान्य वैवाहिक नाम बदलाव को साबित करने के लिए अब अतिरिक्त कागज कहां से लाए। वहीं, बीएलओ जौहर सुल्ताना ने बताया कि कई परिवारों में छह से अधिक भाई-बहनों के मामलों में उम्र के कम अंतर को लेकर भी नोटिस आए हैं।

डिमेंशिया मरीजों से अब अपनों की आवाज में बात करेगी एआई, 'स्मृति' से बेचैनी और आक्रामकता में 32% कमी का दावा

नई दिल्ली, एजेंसी। डिमेंशिया में जब याददाश्त कमजोर होने लगती है तो मरीज धीरे-धीरे परिचित चेहरों और रिश्तों को भी पहचानने में कठिनाई महसूस कर सकता है। ऐसे समय में अपनों की आवाज भावनात्मक सहारा बन सकती है। इसी सोच पर आधारित 'स्मृति' नाम की एआइ पहल विकसित की गई है, जो डिमेंशिया मरीजों से उनके करीबी व्यक्ति की परिचित आवाज में बातचीत करती है और पुरानी यादों से जुड़े संवाद के जरिये उन्हें भावनात्मक रूप से जोड़ने का प्रयास करती है। शोधकर्ता आहाना के अनुसार, 'स्मृति' में मरीज के बेटे, बेटी या जीवनसाथी की आवाज का एआइ के माध्यम से स्वरूप तैयार किया जाता है। इसके बाद व्हाट्सऐप के जरिये मरीज से नियमित बातचीत कराई जाती है। इसमें सुबह हालचाल पूछना, भोजन या दवा की याद दिलाना, पुरानी घटनाओं और परिचित लोगों का जिक्र करना जैसी बातचीत शामिल हो सकती है। संवाद मरीज की आवश्यकता के अनुसार तैयार किया जाता है। बातचीत के दौरान मरीज की प्रतिक्रिया और भावनात्मक स्थिति में बदलाव को समझने का भी प्रयास किया जाता है और आवश्यकता होने पर परिवार के सदस्य को स्थिति में बदलाव की जानकारी दी जा सकती है। विशेष बात यह है कि आहाना अभी 12वीं कक्षा की छात्रा हैं, अपने कालेज प्रोजेक्ट के तहत उन्होंने मोरिंगो एशिया अस्पताल अध्यक्ष डा. प्रवीण के नेतृत्व में इस शोध को पूरा किया। आहाना ने बताया कि 'स्मृति' से जुड़े अध्ययन में 400 से अधिक मरीजों को शामिल किया गया। अध्ययन में मरीजों को इसके लिए कोई दवा नहीं दी गई। इसके बावजूद बेचैनी, उत्तेजना, आक्रामकता और घबराहट जैसे लक्षणों में 32 प्रतिशत कमी देखी गई। इस पहल के लिए प्रोविजनल पेटेंट भी दर्ज कराया गया है। आहाना ने अल्जाइमर की पहचान में इस्तेमाल होने वाले अल्जाइमर डिजीज असेसमेंट स्केल-काग्निटिव सबस्केल (एडीएएस-काग) पर भी शोध किया है।

संक्षिप्त समाचार

टेबल टेनिस में भारत ने पाकिस्तान को 3-0 से धोया

सुतीर्था-सिंड्रेला और श्रीजा की तिकड़ी ने किया कमाल

नागोया । एशियन गेम्स 2026 के तीसरे दिन की शुरुआत भारतीय टेबल टेनिस टीम ने धमाकेदार जीत के साथ की है। सुतीर्था मुखर्जी, सिंड्रेला दास और श्रीजा अकुला की तिकड़ी ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए एकतरफा मुकाबले में पाकिस्तान को 3–0 से रौंदा। सुतीर्था मुखर्जी ने भारतीय टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। इस दौरान पाकिस्तान की खिलाड़ी अलीना सुतीर्था के सामने पूरी तरह से बैकफुट पर नजर आईं। सुतीर्था पूरे मैच में हावी

रहीं और उन्होंने पाकिस्तानी खिलाड़ी को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। सुतीर्था ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए पहले गेम को 11–3 से अपने नाम किया। इसके बाद दूसरे गेम में भी सुतीर्था का दबदबा देखने को मिला और उन्होंने यह गेम 11–3 से जीता। तीसरे गेम को 11–4 से जीतने के साथ ही सुतीर्था ने मैच को अपने नाम करते भारत को 1–0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे मुकाबले में सिंड्रेला दास ने दमदार प्रदर्शन किया। भारतीय युवा खिलाड़ी सिंड्रेला ने पाकिस्तान की कुलसूम खान के खिलाफ आक्रामक खेल दिखाया और उन्हें आसानी से 11–6, 11–7, 11–5 से शिकस्त देते हुए भारत को मुकाबले में 2–0 की बढ़त दिलाई।

ओडिशा टी20 लीग

गौरव चौधरी ने खेली धमाकेदार पारी

संबलपुर वॉरियर्स ने कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया

कटक । संबलपुर वॉरियर्स ने ओडिशा टी20 लीग की शुरुआत जीत के साथ की है। टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बाराबती स्टेडियम में कटक पैंथर्स को 9 रनों से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉरियर्स ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 193 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम के कप्तान गौरव चौधरी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 88 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 9

चौके और 6 छक्के लगाए। गौरव चौधरी को शांतनु मिश्रा का अच्छा साथ मिला, और दोनों ने मिलकर 135 रनों की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप की। आउट होने से पहले शांतनु ने 40 गेंदों में 60 रन बनाए, जबकि गौरव तेजी से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाते रहे। हालांकि, कप्तान के पवेलियन लौटने के बाद वॉरियर्स की पारी बुरी तरह से लड़खड़ा गई और टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए। हालांकि, इसके बावजूद टीम 193 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही। अभिषेक सिंह कटक पैंथर्स की ओर से सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट चटकाए।

एशियन गेम्स 2026 में भारतीय शूटर्स का दमदार प्रदर्शन जारी

हिमांशु ने सिल्वर और रुद्राक्ष ने जीता ब्रॉन्ज मेडल

नागोया । एशियन गेम्स 2026 में सोमवार को पुरुषों के 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में भारत ने दो पदक हासिल किए। एक कड़े मुकाबले के बाद हिमांशु ढिल्लों ने सिल्वर मेडल और रुद्राक्ष पाटिल ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। हिमांशु ने कुल 252.4 प्वाइंट्स अर्जित किए और वह दूसरे स्थान पर रहे, जबकि रुद्राक्ष 230.9 प्वाइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चीन के मौजूदा ओलंपिक चैंपियन शेंग लिहाओ ने 254.2 के गेम्स रिकॉर्ड स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता और सफलतापूर्वक अपने खिताब का बचाव किया। आठ खिलाड़ियों के फाइनल में भारतीय जोड़ी शुरू से ही मेडल की दौड़ में बनी हुई थी, जिसमें रुद्राक्ष ने बहुत अच्छी शुरुआत की। शुरुआती 10 शॉट्स के बाद वह 106.0 प्वाइंट्स के साथ सबसे आगे थे, उनके बाद शेंग 104.9 प्वाइंट्स और हिमांशु 104.8 प्वाइंट्स के साथ थे। एलिमिनेशन राउंड शुरू होने पर भी भारतीय खिलाड़ी टॉप दो स्थानों पर काबिज रहे। रुद्राक्ष आगे बने रहे, जबकि हिमांशु ने लगातार अच्छे स्कोर किए, जिसमें लगातार 10.9 प्वाइंट्स के स्कोर भी शामिल थे, जिससे वह दूसरे स्थान पर आ गए। शेंग ने जैसे-जैसे अंतर कम किया, बढ़त बार-बार बदलती रही। दूसरे एलिमिनेशन के बाद भी रुद्राक्ष टॉप पर थे और हिमांशु तीसरे स्थान पर थे, लेकिन आखिरकार चीनी शूटर पहले स्थान पर आने में सफल रहा।

जब मुकाबले में सिर्फ चार शूटर बचे थे, तब मंगोलिया के बयारा न्यंतई के बाहर होने के साथ ही भारत का डबल पोडियम स्थान पक्का हो गया। उस समय चीन के शेंग 211.6 अंकों के साथ पहले स्थान पर थे, जबकि भारत के रुद्राक्ष 210.6 और हिमांशु 210.0 अंकों के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर चल रहे थे। इससे भारत के दो पदक सुनिश्चित हो गए।

इसके बाद सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल के लिए मुकाबला शेंग के पीछे पूरी तरह से भारतीयों के बीच सिमट गया। हिमांशु ने रुद्राक्ष से बढ़त बना ली, जब उन्होंने 10.8 प्वाइंट्स का स्कोर किया और रुद्राक्ष ने 9.7 प्वाइंट्स का स्कोर किया, जिससे रुद्राक्ष तीसरे स्थान पर खिसक गए। रुद्राक्ष ने एलिमिनेशन शॉट पर 10.6 प्वाइंट्स के साथ वापसी की कोशिश की, लेकिन हिमांशु ने 10.4 प्वाइंट्स के साथ अपनी स्थिति बनाए रखी। शेंग ने आखिरी शॉट में 10.6 का स्कोर करके गोल्ड मेडल पक्का किया और 254.2 के गेम्स रिकॉर्ड के साथ मुकाबला खत्म किया। हिमांशु, जिन्होंने अपने दूसरे आखिरी शॉट से शेंग की बढ़त को 1.8 प्वाइंट तक कम कर दिया था, 252.4 के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे। रुद्रांक्ष ने कुल 230.9 का स्कोर करके ब्रॉन्ज मेडल जीता।

हिमांशु ढिल्लों ने भी जताई खुशी

भारतीय निशानेबाज हिमांशु ढिल्लों ने एशियन गेम्स 2026 में दो सिल्वर मेडल जीतने को अपने लिए गर्व का पल बताया। हिमांशु ने पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम और व्यक्तिगत स्पर्धा में रजत पदक जीता। हिमांशु ने कहा कि देश के लिए कुछ हासिल करने पर भावुक होना स्वाभाविक है। उन्होंने बताया कि यह सीनियर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उनका पहला व्यक्तिगत पदक है और दो मेडल जीतना उनके लिए बेहद खास है। उन्होंने कहा कि सफलता का आनंद लेने के साथ आगे की प्रतियोगिताओं पर ध्यान बनाए रखना जरूरी है।

पहला एशियन गेम्स मेडल पाकर खुश हैं पार्थ

टीम सिल्वर जीतने के बाद पार्थ माने ने इसे अपने लिए बेहद खास बताया। उन्होंने आईएएनएस से बातचीत में कहा, 'यह मेडल मेरे

लिए बहुत महत्वपूर्ण और खास है, क्योंकि सीनियर टीम के साथ और यह एशियन गेम्स का भी मेरा पहला मेडल

भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने कटाया क्वार्टर फाइनल का टिकट

बांग्लादेश को 3-0 से दी शिकस्त

नागोया । एशियन गेम्स 2026 का आगाज भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम ने धमाकेदार जीत के साथ किया है। एकतरफा मुकाबले में लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी और किदांबी श्रीकांत ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बांग्लादेश को 3-0 से शिकस्त दी। भारत को मुकाबले में बेहतरीन शुरुआत लक्ष्य सेन ने दिलाई। बांग्लादेश के खिलाड़ी अयमान इब्न जमन के खिलाफ खेलते हुए लक्ष्य ने दमदार खेल दिखाया। पहले गेम में लक्ष्य का पूरी तरह से दबदबा देखने को मिला और उन्होंने एक के बाद एक दमदार शॉट्स लगाते हुए गेम को 21-4 के

बड़े अंतर से जीता। लक्ष्य अपनी इसी लय को दूसरे गेम में भी बरकरार रखने में सफल रहे। उन्होंने दूसरे गेम को 21-12 से अपने नाम करते हुए मुकाबले में भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। लक्ष्य के जबरदस्त स्मैश का जमान के पास कोई जवाब नजर नहीं आया। वहीं, बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करके सुर्खियों में आने वाले आयुष शेट्टी ने दूसरे मैच में कमाल का खेल दिखाया। बांग्लादेश के खिलाड़ी गौरव सिंघा पर आयुष पूरी तरह से हावी नजर आए और उन्होंने वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया। आयुष ने पहले गेम को 21-4 से जीता। इसके बाद दूसरे गेम में भी वह अपने इस दबदबे को कायम रखने में कामयाब रहे और उन्होंने 21-13 से गेम जीतकर भारत की बढ़त को 2-0 कर डाला।

तीसरे मैच में किदांबी श्रीकांत का प्रदर्शन भी बेमिसाल रहा। उन्होंने बांग्लादेश के खिलाड़ी जुमार अल-अमीन को शिकस्त देते हुए भारत की दूसरी जीत पक्की की। हालांकि, श्रीकांत को पहले गेम में जीत के लिए थोड़ी मशक्कत करनी पड़ी लेकिन वह गेम को 21-15 से अपने नाम करने में सफल रहे। दूसरे गेम में श्रीकांत ने जुमार को वापसी करने का कोई मौका नहीं दिया और 21-10 से गेम को जीतकर बांग्लादेश की हार पर मुहर लगा दी। इस जीत के साथ ही भारतीय पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। क्वार्टर फाइनल मुकाबले में भारत की भिड़ंत अब मंगलवार को जापान से होगी।

सुचिका तरियाल के साथ हुई बेईमानी?

बराबरी का रहा मुकाबला, फिर क्यों फाइनल की रेस से हुईं बाहर?

आइची नागोया । एशियन गेम्स 2026 में भारत की सुचिका तरियाल ने पारंपरिक मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स यानी कुरू में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया। वह सेमीफाइनल में हार गईं और उनका फाइनल में पहुंचने का सपना बेहद नाटकीय अंदाज में टूट गया। सिंगापुर की तेओ हुई हून के खिलाफ महिलाओं की 60 किग्रा सेमीफाइनल बाउट में सुचिका मुकाबला हारकर बाहर नहीं हुईं। आधिकारिक विरोध और समीक्षा के बाद मुकाबले को ड्रॉ घोषित किया गया, लेकिन इसके बाद वजन के नियम ने फाइनलिस्ट तय किया।

10 जजों ने फुटेज देखकर दिया फैसला

आमतौर पर मुकाबले का फैसला तीन जजों के पैनल से होता है, लेकिन इस मामले में उपलब्ध सभी फुटेज की समीक्षा 10 जजों के पैनल ने की। समीक्षा के बाद किसी एक खिलाड़ी को विजेता नहीं चुना गया और मुकाबले को आधिकारिक तौर पर ड्रॉ घोषित किया गया।

मुकाबले के बाद भारतीय पक्ष ने आधिकारिक विरोध दर्ज कराया। इस मामले में आधिकारिक विरोध दर्ज कराया गया, जिसके लिए 1,000 डॉलर की फीस जमा की गई। यह फीस महासंघ और निखिल कुंदर ने दी। इसके बाद मुकाबले के फैसले की दोबारा समीक्षा की गई।

आखिरी राउंड के बाद सुचिका की आंखों में आंसू

तीसरे राउंड में तेओ ने कई किक्स लगाईं। सुचिका कुछ हद तक रक्षात्मक रहीं और निर्णायक वार के मौके का इंतजार करती रहीं। मुकाबले के आखिरी पलों में सुचिका ने कुछ कॉम्बिनेशन पंच लगाए। तेओ ने भी किक्स से जवाब दिया। अंतिम बजर बजने के बाद सुचिका ने अपनी प्रतिद्वंद्वी पर छलांग लगाकर उसे जमीन पर गिरा दिया। रेफरी को दोनों खिलाड़ियों को अलग करना पड़ा। मुकाबला खत्म होने के बाद सुचिका फैसले से खुश नहीं थीं।

700 ग्राम ने बदल दिया पूरा नतीजा

सुचिका अपनी सिंगापुर की प्रतिद्वंद्वी तेओ हुई हून से 700 ग्राम अधिक वजन की थीं। ड्रॉ होने के बाद वजन के नियम के तहत फैसला सिंगापुर की खिलाड़ी के पक्ष में चला गया और सुचिका फाइनल की दौड़ से बाहर हो गईं। इस तरह मैट पर मुकाबला बराबरी का रहने के बावजूद सुचिका को फाइनल में जगह नहीं मिल सकी। उन्हें कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

नियम क्या कहते हैं?

- एशियन MMA के नियमों के मुताबिक, ओवरटाइम में मुकाबला ड्रॉ होने की स्थिति में पहले यह देखा जाता है कि दोनों में से किसी खिलाड़ी को मुकाबले के दौरान चेतावनी मिली थी या नहीं।
- अगर दोनों खिलाड़ियों को बराबर संख्या में चेतावनियां मिली हैं, तो उन्हें दी गई सलाह/निर्देश को ध्यान में रखा जाता है।
- अगर दोनों खिलाड़ियों को दी गई सलाह भी समान है, तो मुकाबले से पहले उनका वजन देखा जाता है।
- अगर मुकाबले से पहले दोनों खिलाड़ियों का वजन भी समान हो, तो मुकाबले के बाद का वजन देखा जाता है।
- अगर मुकाबले के बाद का वजन भी समान रहता है, तो तीन सहायक रेफरी झंडे उठाकर विजेता का फैसला करते हैं।
- सुचिका के मामले में 700 ग्राम का वजन निर्णायक साबित हुआ। वजन के आधार पर तेओ ने मुकाबला जीत लिया और सुचिका फाइनल में पहुंचने से चूक गईं।
- आधिकारिक तौर पर इस नतीजे को 'ब्रेक टाई बाई वेट' यानी वजन के आधार पर बराबरी तोड़कर जीत के रूप में दर्ज किया गया।
- 36 वर्षीय सुचिका ने इसके बावजूद कांस्य पदक जीतकर भारतीय MMA में अपनी खास पहचान बनाई। उनकी संघर्ष और वापसी की कहानी युवा भारतीय MMA खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बन सकती है।

कबड्डी में जापान की हालत की खराब

मुंबई कबड्डी में जापान को 49-23 से हराया

आइची नागोया । भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने भी एशियन गेम्स में जीत के साथ शुरुआत की। सुनील कुमार की कप्तानी में भारत ने मेजबान जापान को 49-23 से हराया। पूरे मुकाबले में भारतीय रेडर्स और डिफेंडर्स ने शानदार प्रदर्शन किया। भारत के रेडर्स ने शुरुआत से ही जापान के डिफेंस पर दबाव बनाए रखा। आशू मलिक ने एक ही रेड में जापान के तीन खिलाड़ियों को आउट कर सुपर रेड लगाई। उन्होंने लगातार भारत के लिए अंक जुटाए। वहीं, भारतीय डिफेंस ने जापान को पहले हाफ में दो बार ऑलआउट किया। भारत ने पहले हाफ का अंत 31-9 की बड़ी बढ़त के साथ किया।

दूसरे हाफ में भी भारत का दबदबा– दूसरे हाफ में जापान ने वापसी की कोशिश की और तेजी से अंक जुटाए। भारत ने पवन सहरावत, अर्जुन देशवाल और असलम इनामदार की तिकड़ी को मैदान पर उतारा। अर्जुन ने आते ही अंक हासिल किया और इसके बाद भारत एक बार फिर जापान को ऑलआउट करने में सफल रहा। अंतिम चरण में जापान के डिफेंस ने भारतीय रेडर्स की कुछ रेड को रोकने में सफलता हासिल की, लेकिन तब तक भारत बड़ी बढ़त बना चुका था।

अब दक्षिण कोरिया से भिड़ेगा भारत

जापान को हराने के बाद भारतीय पुरुष कबड्डी टीम का अगला मुकाबला मंगलवार को दक्षिण कोरिया से होगा। टीम की कोशिश टूर्नामेंट में अपनी शानदार शुरुआत को आगे भी जारी रखने की होगी।

पिच रोलर की चपेट में आए इंग्लैंड के पूर्व फुटबॉलर

खौफनाक वीडियो कैमरे में कैद

वार्म-अप में हुआ दर्दनाक हादसा

आइची नागोया । इंग्लैंड के पूर्व अंतरराष्ट्रीय फुटबॉलर एंड्रोस टाउनसेंड थाई लीग-1 के एक मुकाबले से पहले बेहद अजीब हादसे का शिकार हो गए। पीटी प्रचुआप के लिए खेलने वाले टाउनसेंड वार्म-अप के दौरान पिच रोलर की चपेट में आ गए। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है। टाउनसेंड शनिवार रात पट्टानी के खिलाफ मुकाबले की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान वह एक एरियल बैकहील करने की कोशिश में उछले और नीचे उतरते समय पिच रोलर के रास्ते में आ गए। बताया गया कि उसी समय वाहन का ड्राइवर दूसरी ओर देखने लगा था।

पैरों और कूल्हे के ऊपर से गुजरा रोलर– वीडियो में टाउनसेंड के पिच पर

गिरने के बाद पिच रोलर को उनके ऊपर से गुजरते देखा जा सकता है। वाहन उनके पैरों और कूल्हे के ऊपर से गुजरता हुआ आगे बढ़ गया। घटना के दौरान चीखें सुनाई दीं, जबकि आसपास मौजूद खिलाड़ी हैरान होकर सिर पर हाथ रखते नजर आए।

हालांकि, इस अजीब हादसे के बावजूद टाउनसेंड को गंभीर चोट नहीं आई। इससे भी ज्यादा हैरानी की बात यह रही कि वह बाद में अपनी टीम के लिए मैच में उतरने में भी सफल रहे।

टाउनसेंड ने खुद उड़ाया हादसे का मजाक– 35 वर्षीय टाउनसेंड ने घटना का वीडियो अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर दोबारा शेयर किया और इसके साथ लिखा, 'इसे ऐसा दिखाओ जैसे यह एक हादसा था।' उन्होंने इसके साथ हंसने वाली इमोजी भी लगाई। उन्होंने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर भी इस घटना को लेकर मजाक किया। टाउनसेंड ने पीटी प्रचुआप की 3-0 की जीत में इंजरी टाइम में बतौर स्थानापन्न मैदान पर कदम रखा।

इंग्लैंड के लिए 13 मैच खेल चुके हैं– टाउनसेंड इंग्लैंड के लिए 13 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं।

सविता पूनिया बनीं सर्वाधिक मैच खेलने वाली महिला खिलाड़ी

हॉकी इंडिया ने की 10 लाख रुपए देने की घोषणा

काकामिगाहारा । सविता पूनिया भारतीय महिला हॉकी के इतिहास में सबसे ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेलने वाली खिलाड़ी बन गई हैं। हॉकी इंडिया ने सोमवार को भारतीय महिला हॉकी टीम की अनुभवी गोलकीपर सविता की सराहना की। इस खास उपलब्धि पर हॉकी इंडिया ने कहा कि यह सविता के करीब दो दशकों के अनुशासन, मेहनत और बेहतरीन नेतृत्व का नतीजा है। उनके शानदार योगदान को सम्मान देने के लिए हॉकी इंडिया ने उन्हें 10 लाख का नकद इनाम देने की घोषणा भी की। सविता ने भारत की पूर्व स्ट्राइकर वंदना कटारिया के 320 सीनियर इंटरनेशनल मैच खेलने के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने जापान में चल रहे एशियन गेम्स में इंडोनेशिया के खिलाफ भारत के पूल बी मैच के दौरान यह मुकाम हासिल किया और अपने शानदार करियर में एक और उपलब्धि जोड़ी।